आज का तापमान

	अधिकतम	न्यूनतम
लखनऊ	23°C	11°C

इनसाइड न्यूज

मुख्यमंत्री आवास के नीचे भी शिवलिंग, इसकी भी हो खोदाई...

उत्तर प्रदेश पेज: 03

लखनऊ और देहरादून से प्रकाशित राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

जन एक्सप्रेस

सोमवार 30 दिसंबर, 2024 / पेज: 12 / मूल्य: ₹3.00/- लखनऊ वर्ष: 16, अंक: 78 www.janexpresslive.com/epaper

मनमोहन सिंह के अंतिम संस्कार पर राजनीति... 10

साउथ कोरिया में प्लेन क्रैश अब तक 177 लोगों की मौत

लैंडिंग के दौरान पहिए नहीं खुले, एयरपोर्ट बाउंड्री से टकराकर ब्लास्ट, पक्षी टकराने का अलर्ट मिला था

- दक्षिण कोरिया में एक बड़ा विमान हादसा हुआ है, इस हादसे में सिर्फ 2 लोग ही जिंदा बचे हैं

जन एक्सप्रेस । सियोल

साउथ कोरिया में मुआन एयरपोर्ट पर जेजू एयर का विमान क्रैश हो गया। न्यूज एजेंसी के मुताबिक विमान में 175 पैसेंजर और 6 क्रू मेंबर समेत 181 लोग थे। 177 शव बरामद किए जा चुके हैं। रेस्क्यू टीम ने 2 लोगों को जिंदा बचा लिया गया। बाकी 2 यात्रियों के भी मारे जाने की आशंका जताई गई है। मरने वालों में 82 पुरुष और 84 महिलाएं हैं। 11 शवों की अब तक पहचान नहीं हो पाई है। हादसा भारतीय समय के मुताबिक रविवार सुबह 5.37 बजे (लोकल टाइम सुबह 9.07 बजे) हुआ। बैंकॉक से आ रहा प्लेन एयरपोर्ट पर लैंड करने वाला था, लेकिन लैंडिग गियर में खराबी की वजह से विमान के पहिए नहीं खुले। इमरजेंसी में विमान की बेली लैंडिंग कराई गई। इसमें प्लेन की बॉडी सीधे रनवे से टकराती है। इस दौरान विमान रनवे पर फिसलता हुआ एयरपोर्ट की बाउंड्रीवाल से जा टकराया। उसमें धमाके के साथ आग लग गई। इधर रॉयटर्स ने खबर दी है कि हादसे के पहले मुआन एयरपोर्ट के एयर ट्रैफिक कंट्रोलर से प्लेन से पक्षी टकराने का अलर्ट भेजा गया था। प्लेन के लैंडिंग गियर में खराबी की एक वजह यह भी हो सकती है।

दो बार लैंडिंग की कोशिश की, दूसरी बार में हादसा

जेजू एयरलाइन का जो प्लेन क्रैश हुआ है, वह अमेरिकी कंपनी बोइंग का 737-800 प्लेन था। प्लेन ने एयरपोर्ट पर लैंडिंग के लिए दो बार कोशिश की। पहली बार में लैंडिग गियर नहीं खुलने की वजह से प्लेन लैंड नहीं हो पाया था। इसके बाद प्लेन ने एयरपोर्ट का एक चक्कर लगाया था। पायलट ने दूसरी बार प्लेन को बिना लैंडिग गियर के ही बैली लैंडिंग (बॉडी के बल) कराने का फैसला किया। कई मीडिया रिपोर्ट्स में मुताबिक प्लेन के विंग से पक्षी के टकराने का दावा किया जा रहा है। इसकी वजह से लैंडिग गियर खराब हुआ और लैंड करते वक्त खुल नहीं पाया।

आग बुझाने में 43 मिनट लगे, तब तक प्लेन पूरा जल गया

मुआन एयरपोर्ट के दमकल अधिकारी ने न्यूज एजेंसी रॉयटर्स से बात करते हुए बताया कि प्लेन में लगी आग पर काबू पा लिया गया है। हालांकि आग को बुझाने में 43 मिनट का वक्त लगा। फिलहाल क्रैश साइट पर बचाव कार्य जारी है। ज्यादातर लोग प्लेन के पिछले हिस्से में थे, उन्हें वहां से बाहर निकालने की कोशिश की जा रही है। प्लेन में सवार यात्रियों में 173 साउथ कोरियाई और 2 थाईलैंड के नागरिक थे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक जिंदा बचे दोनों लोग क्रू मेंबर्स हैं।

कनाडा में प्लेन रनवे से फिसला, विंग में आग लगी

कनाडा में शनिवार रात को (भारतीय समयानुसार रविवार सुबह 8 बजे) एक पैसेंजर प्लेन हैलिफैक्स एयरपोर्ट पर उतरते समय फिसल गया। लैंड करते वक्त प्लेन का एक हिस्सा रनवे की तरफ झुक गया। इससे प्लेन के विंग में आग लग गई थी। हालांकि किसी तरह के जान-माल की हानि नहीं हुई।

जेजू एयर के सीईओ ने हादसे पर माफी मांगी

जेजू एयर के सीईओ किम ई-बे ने हादसे पर दुख जताते हुए लोगों से माफी मांगी है। किम ने कहा, हादसे के पीछे का कारण जो भी है, मैं बतौर सीईओ पूरी जिम्मेदारी लेता हूं। कंपनी ने बताया कि वह राहत और बचाव के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। कंपनी के अधिकारियों के मुताबिक विमान पिछले 15 साल से ऑपरेशनल था। ये विमान पहले कभी दुर्घटनाग्रस्त भी नहीं हुआ है। फिलहाल पक्षियों के टकराने के चलते लैंडिंग गियर के फेल होने की आशंका जताई जा रही है। हादसे के बाद एयरपोर्ट पर ऑपरेशन बंद कर दिए गए।

4 दिन पहले कजाकिस्तान में क्रैश हुआ था प्लेन

25 दिसंबर को अजरबैजान से रूस जा रहा एक प्लेन कजाकिस्तान के अक्ताउ एयरपोर्ट के पास क्रैश हो गया था। प्लेन में 5 क्रू मेंबर समेत 67 लोग सवार थे। इनमें से 38 लोगों की मौत हो गई थी। प्लेन अजरबैजान की राजधानी बाकू से ग्रोज्नी पहुंचना था।

सबसे बड़ा हादसा

यह दक्षिण कोरिया के विमानन इतिहास की सबसे घातक दुर्घटनाओं में से एक है। इससे पहले, दक्षिण कोरिया में 1997 में 'कोरियन एयरलाइन' का विमान गुआम में दुर्घटनाग्रस्त हो गया था, जिसमें 228 लोग मारे गए थे। यह घटना ऐसे समय में हुई है जब दक्षिण कोरिया अपने राष्ट्रपति यून सुक येओल द्वारा 'मार्शल लॉ' लागू किए जाने और उसके बाद उनके खिलाफ महाभियोग चलाए जाने के कारण उत्पन्न एक बड़े राजनीतिक संकट से जूझ रहा है।

हादसे का क्या है कारण?

परिवहन मंत्रालय ने बताया कि यह घटना स्थानीय समयानुसार सुबह नौ बजकर तीन मिनट पर हुई। स्थानीय टीवी चैनलों ने फुटेज प्रसारित की जिसमें विमान से आग की लपटें निकलती दिखाई दे रही हैं और काले धुएं का घना गुबार नजर आ रहा है। मुआन में आपातकालीन अधिकारियों ने बताया कि वे आग लगने के कारणों की जांच कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि ऐसा प्रतीत होता है कि विमान के 'लैंडिंग गियर' में खराबी आ गई। परिवहन मंत्रालय ने बताया कि विमान बैंकॉक से लौट रहा था और उसमें सवार यात्रियों में दो थाई नागरिक भी शामिल थे। थाईलैंड की प्रधानमंत्री पैतोंगतार्न शिनावात्रा ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट के माध्यम से दुर्घटना के कारण प्रभावित हुए लोगों के परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की। पैतोंगतार्न ने कहा कि उन्होंने विदेश मंत्रालय को तत्काल सहायता उपलब्ध कराने का आदेश दिया है।

माननीयों की सुरक्षा घटाए जाने के मुद्दे से विधायकों में रोष

शंकर समेत अपनों पर बरस रही 'कृपा, अन्य विधायक खफा

जन एक्सप्रेस। संतोष कुमार दीक्षित

राज्य मुख्यालय। उत्तर प्रदेश में माननीयों की सुरक्षा घटाए जाने का मामला राजनीति के अखाड़े का मुद्दा बनता जा रहा है। पक्ष हो या विपक्ष हर ओर के राजनेता सरकार के इस फैसले पर अंदरखाने नाराज हैं। सुरक्षा को लेकर किए गए मानमर्दन से माननीयों के मन में चिंगारी भड़क रही है और कभी भी राजनीतिक ज्वाला में बदल सकती है। जी हां! ऐसा हम नहीं कह रहे हालिया घटनाक्रम बयां कर रहे हैं। क्योंकि उत्तर प्रदेश के राजनीतिक घटनाक्रम और दबी जुबां हो रहे विरोध के सुर भले ही योगी सरकार को सुनाई न दें, लेकिन ये मुद्दा तूल पकड़ने की तैयारी में हैज। कांग्रेस से बीजेपी में आए कृपाशंकर सिंह समेत गोरखपुर के ज्यादातर माननीयों पर योगी सरकार की बरस रही कृपा से अन्य विधायक खफा हैं।

बाबा के गढ़ में माननीयों को मिल रही भरपूर सुरक्षा

सूत्रों की मानें तो प्रदेश भर के विधायकों की सुरक्षा में तैनात चार

जवानों में 50त्न की कटौती कहीं न कहीं विधायकों के मन में घर कर गई है। दूसरी ओर चहेतों और गोरखपुर के विधायकों को मनमाफिक सुरक्षा मिलने से भी सत्ताधारी पार्टी समेत प्रदेशभर के विधायकों में नाराजगी पनप रही है। कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हुए महाराष्ट्र के पूर्व गृहमंत्री की सुरक्षा व्यवस्था में तैनात पुलिस फोर्स को लेकर विरोध के स्वर सुनाई देने लगे हैं। पूर्वांचल के सत्ताधारी पार्टी विधायकों समेत अन्य विधायकों में विरोध की बड़ी वजह कृपाशंकर और अपनों की बढ़ी सुरक्षा है। देखना ये होगा कि अब सिक्योरिटी का ये मुद्दा कितनी दूर तक जाएगा।

विधायकों की सुरक्षा में कब क्या?

यहां बताना जरूरी है कि विधायकों को दो सुरक्षाकर्मी शासन की ओर से मुहैया कराए जाते हैं जो रोटेशन बाइज ड्यूटी पर तैनात रहते हैं, वहीं स्थानीय प्रशासन की जिला समिति की ओर से भी उन्हें दो अतिरिक्त सुरक्षाकर्मी मुहैया कराए जाते थे। मगर अब शासनादेश के बाद स्थानीय समिति की ओर से दिए जाने वाले जवानों की ड्यूटी हटा ली गई है। वर्तमान में माननीयों की सुरक्षा के लिए दो जवान हैं जो बारी-बारी से 12-12 घंटे सुरक्षा में तैनात रहते हैं।

गोरखपुर के विधायक, पूर्व विधायक समेत कइयों की सुरक्षा में कटौती नहीं

सहजनवां विधायक प्रदीप शुक्ला, बांसगांव विधायक विमलेश पासवान, गोरखपुर ग्रामीण विधायक विपिन कुमार सिंह, पूर्व विधायक सहजनवां शीतल पांडेय, महापौर मंगलेश श्रीवास्तव, ब्लॉक प्रमुख पाली, शशि प्रताप सिंह, उप्र पिछड़ा वर्ग राज्य आयोग के सदस्य चिरंजीव चौरसिया, डॉ. आरडी सिंह और रविंद्र मणि साहनी, भाजपा कार्यकर्ता प्रिंस अगम सिंह, चिल्लूपार के विधायक राजेश त्रिपाठी समेत गोरखपुर के तमाम ऐसे नाम हैं जिनकी सुरक्षा बढ़ाई गई या बहुत कम निजी खर्च पर उन्हें सुरक्षा दी गई है।

लोस चुनाव हारे, कोई पद नहीं फिर भी हाई सिक्योरिटी

कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हुए महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री कृपा शंकर वर्तमान में न किसी पद पर तैनात हैं और न ही एमएलए-एमपी हैं इसके बावजूद उन्हें 'वाई प्लस' श्रेणी की सुरक्षा दी जा रही है। उनकी सुरक्षा में हमेशा 11 जवान तैनात रहते हैं जिसमें 2-4 कमांडो और पुलिस कर्मी होते हैं। इतना ही नहीं जिला प्रशासन की स्थानीय समिति से भी उन्हें सुरक्षा के लिए जवान मुहैया कराए जाते हैं। लोगों की माने तो उनकी बेटी को भी जिले में आने के बाद सुरक्षा दी जाती रही है। योगी सरकार के इस दोहरे रवैए से अंदरखाने विरोध के सुर फूट रहे हैं।

यूपी में हेल्थ सुधार क्रांति की तैयारी फूड सेफ्टी में भी होगा सुधार

- 26 एडवांस लाइफ सपोर्ट एंबुलेंस खरीदी जाएंगी
- 75 कम्युनिटी हेल्थ सेंटर भी किए जाएंगे अपग्रेड

जन एक्सप्रेस । राज्य मुख्यालय

सूबे की योगी सरकार जल्द ही प्रदेश में हेल्थ सेक्टर में सुधार की क्रांति लाने की तैयारी में है। प्रदेश के हेल्थ सेक्टर को बूस्टर डोज देने के लिए जल्द ही एक ट्रॉमा केयर नेटवर्क स्थापित किया जाएगा। इसके तहत राज्य के कई हिस्सों में 55 मॉड्युलर ऑपरेशन थिएटर बनाए जाएंगे। चार अत्याधुनिक ट्रॉमा सेंटर भी स्थापित किए जाएंगे, जिससे इमरजेंसी सेवाओं को और अधिक प्रभावी बनाया जा सकेगा। साथ ही फूड सेफ्टी को लेकर भी नेटवर्क दुरुस्त किया जाएगा। पर्यटन से जुड़ी योजनाओं को भी अमलीजामा पहनाया जाएगा।

मॉड्युलर के लिए 48.80 करोड़ रुपए

प्रदेश के जिला अस्पतालों और कम्युनिटी हेल्थ सेंटरों (सीएचसी) पर 55 मॉड्युलर ऑपरेशन थिएटर बनाए जाने की योजना है। इस योजना को अमलीजामा पहनाए जाने के लिए योगी सरकार ने 48.80 करोड़ रुपए की मंजूरी दी है। इतना ही नहीं राज्य में 26 एडवांस लाइफ सपोर्ट एंबुलेंस भी खरीदीं जाएंगी। जिन पर सरकार 7.80 करोड़ रुपये खर्च करने जा रही है। प्रदेश के 75 कम्युनिटी हेल्थ सेंटर (सीएचसी) को भी अपग्रेड किया जाएगा। इसके लिए 11.02 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। चार ट्रॉमा सेंटरों में मॉडर्न इक्विपमेंट्स की स्थापना कि जाएगी जिन पर 22.40 करोड़ रुपये सरकार खर्च करेगी।

फूड सेफ्टी में सुधार की तैयारी

हेल्थ सेक्टर में सुधार करने के साथ-साथ फूड सेफ्टी को लेकर भी सरकार सतर्क है। इसके लिए प्रदेश में फूड सेफ्टी नेटवर्क को ठीक किया जाएगा। नेटवर्क को सही करने की शुरुआत फूड टेस्टिंग लैबोरेटरीज को अपग्रेड करने से होगी। अगले क्रम में 15 मोबाइल फूड सेफ्टी वैन भी खरीदी जाएंगी। इसके अलावा दो साफ फूड लेंस स्थापित की जाएंगी। इन सभी पर सरकार 13.50 करोड़ रुपये खर्च करेगी।

केंद्र से उप्र को मिले 331 करोड़

हेल्थ और फूड सेक्टर को मजबूत करने के लिए मोदी सरकार ने उत्तर प्रदेश को 331 करोड़ रुपये की सहायता राशि मुहैया कराई है। योजनाओं के तहत किए जाने वाले सभी कार्यों को मार्च 2025 तक पूरा किए जाने का टारगेट दिया गया है। यदि इन कामों में विलंब होता तो केंद्र सरकार राज्य सरकार पर जुर्माना भी लगा सकती है।

यमुना में विसर्जित की गईं अस्थियां, एक जनवरी को होगा अखंड पाठ का आयोजन

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। नई दिल्ली

पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की अस्थियां उनके परिवार के सदस्यों द्वारा सिख रीति-रिवाजों के साथ मजनू का टीला गुरुद्वारे के पास यमुना नदी में विसर्जित की गईं। सिंह के परिवार के सदस्यों ने रविवार सुबह निगमबोध घाट से अस्थियां एकत्र कीं और बाद में उन्हें गुरुद्वारे के पास यमुना नदी तट पर अष्ट घाट पर ले जाया गया। डॉ. मनमोहन सिंह की पत्नी गुरशरण कौर, उनकी तीन बेटियां उपिंदर सिंह, दमन सिंह और अमृत सिंह व अन्य रिश्तेदार विसर्जन स्थल पर मौजूद रहे। सिख रीति-रिवाजों के तहत परिवार एक जनवरी को मोतीलाल नेहरू मार्ग स्थित अपने आधिकारिक आवास पर अखंड पाठ का आयोजन करेगा। तीन जनवरी को संसद परिसर के पास रकाबगंज गुरुद्वारे में भोग समारोह, अंतिम अरदास और कीर्तन आयोजित किया जाएगा।

फर्रुखाबाद में एक हजार साल पुराने मंदिर की हकीकत सामने आई

मऊदरवाजा क्षेत्र के माधौपुर गांव में स्थित एक प्राचीन शिव मंदिर से अवैध कब्जा हटवाया गया

- लंबे समय से बंद पड़ा था और उसमें भूसे और उपलों का ढेर लगा हुआ था
- मंदिर के अंदर छिपे कई ऐतिहासिक अवशेषों की खोज हुई, जिसमें नंदी और महादेव का अर्घा प्रमुख थे

जन एक्सप्रेस । लखनऊ/फर्रुखाबाद

गुमनाम मंदिरों के मिलने की कड़ी में फर्रुखाबाद में लगभग एक हजार साल पुराने मंदिर की हकीकत सामने आई है। इससे स्थानीय लोगों में खुशी है। फर्रुखाबाद के मऊदरवाजा क्षेत्र के माधौपुर गांव में स्थित एक प्राचीन शिव मंदिर से शनिवार को अवैध कब्जा हटवाया गया। यह मंदिर लगभग 1000 साल पुराना है, लेकिन लंबे समय से बंद पड़ा था और उसमें भूसे और उपलों का ढेर लगा हुआ था। मंदिर के अंदर छिपे कई ऐतिहासिक अवशेषों की खोज हुई, जिसमें नंदी और महादेव का अर्घा प्रमुख थे, शिवलिंग का पता नहीं चल सका।

धार्मिक गतिविधियों के लिए खोलने की तैयारी शुरू

हिंदू महासभा के पदाधिकारियों और दुर्वासा ऋषि आश्रम के महंत के नेतृत्व में इस कार्य को अंजाम दिया गया। पुलिस और जिला प्रशासन के अधिकारियों की मौजूदगी में मंदिर की सफाई की गई। मंदिर में एक समय में पूजा-अर्चना होती रही होगी, लेकिन अब यह पूरी तरह से उपेक्षित हो गया था। इस प्राचीन स्थल को फिर से धार्मिक गतिविधियों के लिए खोलने की तैयारी शुरू हो गई है।

देवी-देवताओं के चित्र और महाबली हनुमान जी की प्रतिमा भी दिखी

मंदिर के ऊपरी दीवारों पर देवी-देवताओं के चित्र और महाबली हनुमान जी की प्रतिमा भी देखी गई। नायब तहसीलदार सनी कनौजिया ने मंदिर के क्षेत्र की नापजोख कराई, जिसमें कानूनगो प्रमोद शुक्ला और लेखपाल संजय सिंह भी शामिल थे। अब जल्द ही इस प्राचीन शिवालय में पूजा-पाठ शुरू कराने की योजना बनाई जा रही है।

शिवलिंग नहीं मिलने से सभी चकित

हिंदू महासभा के युवा प्रदेश अध्यक्ष विमलेश मिश्रा ने बताया कि मंदिर का इतिहास करीब 1000 साल पुराना है और इसका धार्मिक महत्व काफी अधिक है। मंदिर में सफाई के दौरान भूसे के ढेर से नंदी की मूर्ति और भगवान शिव का अर्घा निकला, जिससे वहां मौजूद लोग हैरान रह गए। शिवलिंग नहीं मिलने से सभी चकित थे।

खुलासा: भू माफिया ने बेच डाली श्री ठाकुर जी महाराज ट्रस्ट की जमीन!

जिला पंचायत की जमीन पर अवैध कब्जा करने वाले भू माफिया शिवकुमार तिवारी का एक और काला कारनामा!

- श्री ठाकुर जी महाराज ट्रस्ट की जमीन कैसे हुई श्री ठाकुर जी महाराज सेवा समिति के नाम?
- आखिर ट्रस्ट की जमीन कैसे हुई समिति के नाम?

जन एक्सप्रेस स्पेशल रिपोर्ट

विश्वामित्र पांडेय

लखनऊ। राजधानी में सेवा ट्रस्ट व सोसाइटी की आड़ में जमीन की खरीद फरोख्त का एक ऐसा मामला प्रकाश में आया है, जो सूबे के मुखिया योगी आदित्यनाथ की पूरी ब्यूरोक्रेट सहित राजस्व अधिकारियों, प्रशासनिक अधिकारियों एवं सोसाइटी रजिस्ट्रार तक को कटघरे में खड़ा करने के लिए पर्याप्त है।

उक्त मामले से संबंधित किसी भी प्रकार की जानकारी साझा करने के लिए जन एक्सप्रेस के आधिकारिक मोबाइल नंबर 89338 05555 पर संपर्क कर सकते हैं, जानकारी देने वाले का नाम गोपनीय रखा जाएगा। *भू माफिया का कच्चा चिट्ठा जल्द पढ़िए... सिर्फ जन एक्सप्रेस के साथ...*

लखनऊ के सरोजनीनगर तहसील स्थित बंथरा में मौजूद श्री ठाकुर जी महाराज ट्रस्ट के नाम गाटा संख्या 616 रकबा 1.218 हेक्टेयर भूमि वर्ष 2010 तक दर्ज रही, लेकिन ट्रस्ट के प्रबंधकर्ता बालकृष्ण तिवारी के बेटे शिवकुमार तिवारी द्वारा वर्ष 2010 में सोसाइटी अधिनियम 1860 के तहत श्री ठाकुर जी महाराज सेवा समिति के नाम से एक समिति बनाई जिसके माध्यम से ट्रस्ट की भूमि का सौदा कर करोड़ों का खेल किया गया है। श्री ठाकुर जी महाराज के नाम दर्ज अंबरपुर मजरा बंथरा सिकंदरपुर परगना बिजनौर तहसील सरोजनी नगर स्थित भूमि गाटा संख्या 616 रकबा 1.218 हेक्टेयर का नामांतरण श्री ठाकुर जी महाराज सेवा समिति के नाम कैसे हुआ, इसका जवाब अब तक नहीं मिल पाया। वहीं तहसील के अधिकारी व कर्मचारी मामले में चुप्पी साधे हुए हैं।

समाज सेवा के नाम पर परिवार के सदस्यों के नाम ट्रांसफर की गई ट्रस्ट की जमीन

जानकारों की मानें तो श्री ठाकुर जी महराज के नाम से अंबरपुर मजरा बंथरा सिकंदरपुर परगना बिजनौर तहसील सरोजनी नगर में स्थित गाटा संख्या 616 के प्रबंधकर्ता बालकृष्ण तिवारी थे, जिसके बाद वर्ष 2010 में आयुर्वेदिक चिकित्सालय की भूमि पर अवैध कब्जा करने वाले बंथरा सिकंदरपुर निवासी शिवकुमार तिवारी द्वारा ट्रस्ट से मिलते जुलते नाम की एक समिति, सोसायटी अधिनियम 1860 के तहत बनाई गई, जिसका नाम श्री ठाकुर जी महराज सेवा समिति रखा गया। नव सृजित समिति में कथित भू माफिया शिवकुमार तिवारी द्वारा अपने परिवार के सदस्यों जैसे बेटों, बहुओं और रिश्तेदारों को शामिल किया गया। बाद में इन्हीं पारिवारिक सदस्यों और रिश्तेदारों के नाम ट्रस्ट की जमीन को सस्ते दामों पर विक्रय कर दिया गया।

तहसील के अधिकारियों के पास नहीं है इस बात का कोई जवाब

बड़ी बात यह है कि तहसील सरोजनीनगर के किसी भी अधिकारी अथवा कर्मचारी को इस बात का अनुमान भी नहीं है कि इतनी बड़ी चूक कैसे हो गई कि एक ट्रस्ट के प्रबंधकर्ता की गैर मौजूदगी में ट्रस्ट की भूमि एक सोसायटी के नाम हो गई और उसका विक्रय भी कर दिया गया।

शेष अगले अंक में...

विकास की पोल खोलता बरुआ संपर्क मार्ग, हल्की बारिश से क्षेत्रवासियों को आवागमन में भारी समस्या

जन एक्सप्रेस । राजापुर । चित्रकूट

उत्तर प्रदेश सरकार के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भले ही सड़कों को गड्ढा मुक्त बनाने का अभियान चला रहे हैं लेकिन बे मौसम बरसात में ही इस संपर्क मार्ग का आवागमन ठप्प हो गया हैं और कई दर्जनों वाहन सड़क के दलदल में फस जाने के कारण आने जाने वालों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

इसी सड़क के मुद्दे को लेकर लोकसभा सामान्य निर्वाचन चुनाव में बरुवा गांव के मतदाताओं ने चुनाव का बहिष्कार भी किया था तब जनपद के कई आला नेताओं व जिले के अधिकारियों के द्वारा जल्द से जल्द सड़क बनवाने के आश्वासन पर 3 बजे से मतदान हुआ था लेकिन यह आश्वासन हवा हवाई साबित हुआ।

बताते चलें कि लगभग 3 वर्ष से सड़क ध्वस्त हो जाने के कारण आम जनमानस के लिए दुर्घटनाओं को दावत दे रहे हैं तो वही लगातार समाजसेवियों द्वारा प्रशासन से मार्ग बनवाने की मांग की जा रही है लोक निर्माण विभाग द्वारा महज़ औपचारिकता पूरी कर रहे हैं राजापुर तहसील मुख्यालय और ब्लाक रामनगर जाने के लिए बरुआ, रुपौली, रगौली, तीरमऊ समेत दर्जनों गांव के लोगों को जाने के लिए भारी मुसीबतों का सामना करना पड़ रहा है तो वही आए दिन दुर्घटनाओं का शिकार भी हो रहे हैं कई बार समाजसेवियों द्वारा जिले के जिम्मेदार अधिकारी व जनप्रतिनिधियों को इस समस्या से अवगत कराया गया लेकिन आज तक इस समस्या का समाधान नहीं हुआ।

हालात ये हैं कि लगभग तीन साल से बरुवा गांव का संपर्क मुख्य मार्ग से टूट चुका हैं और लगभग 8 किलोमीटर दूर पैदल चलने के बाद आवागमन हो रहा हैं वही इमरजेंसी जैसी सेवा भी 2 दिन से बंद हैं और 8 किलोमीटर दूर पैदल चलने के बाद साधन की व्यवस्था हो पाती हैं बारिश होते ही पूरी तरह से आवागमन बाधित हो रहा है।

वहीं सड़कों पर फिसल फिसल लोग गिर रहे हैं राजापुर छीबो रोड खोहरा बाबा देवस्थान से 7 किलोमीटर दूर स्थित बरुवा गांव जाने के लिए एकलौता संपर्क मार्ग बरुआ संपर्क मार्ग है जो लगभग 3 साल से पूरी तरह से ध्वस्त हो चुका है सड़क में गड्ढे हो चुके हैं इस मार्ग में रगौली, रुपौली, रीठी, तीरमऊ,भदेवरा, नोनागर, बरुवा, टिकरा, कुर्मी पुरवा सहित आदि गांव का आवागमन होता है बरसात हो जाने पर इस मार्ग में गड्ढों में जलभराव होने से अनेक प्रकार की दुर्घटनाओं की समस्या बढ़ जाती है तो वहीं बीमार व प्रसव की वेदना से तड़पती महिलाओं को राजापुर जाने आने में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है वहीं स्कूली छात्र छात्राओं को राजापुर व नादिन कुर्मियांन विद्यालयों में जाने के लिए भारी मुसीबतों का सामना करना पड़ता है तो आए दिन में जलभराव के कारण छात्र छात्राएं फिसल फिसल गिर रहे हैं लेकिन आज तक जनप्रतिनिधियों और प्रशासन द्वारा इस मार्ग को दुरुस्त नहीं करवाया गया।

वहीं जनप्रतिनिधियों द्वारा चुनाव के समय इस मार्ग को पूरी तरह से ठीक करवाने का आश्वासन भी क्षेत्रवासियों को दिया गया था जो पूरी तरह से हवा हवाई साबित होता नजर आ रहा है । क्षेत्र के गौरीदत्त त्रिपाठी, शिवशंकर त्रिपाठी, सुनील पाण्डेय, पूरन सिंह, सुधीर सिंह, दीपक मिश्रा, आत्मा सिंह, अंशुमान पाण्डेय, पिंटू सिंह, रवि त्रिपाठी, इंद्रास सिंह, रामबहादुर गौतम, ढोन्नू कोटार्य, रामबली निषाद, शिवलोचन निषाद, मंझा रैदास, इस्लाम मोहम्मद, राजू सिंह, दिनेश सिंह, रंगनाथ सिंह, मुंशीलाल गुप्ता आदि लोगों ने शासन प्रशासन से जल्द इस मार्ग को बनवाने की मांग चित्रकूट जिलाधिकारी से किया है।

गौवंशो को ठंड से बचाने को भूसा सानी और गुड़ खिला रहे समाजसेवी

जन एक्सप्रेस । चित्रकूट

पाठा क्षेत्र में इन दिनों कड़ाके की ठंड पड़ रही है। इस हड़कपाऊ ठंड से जहां इंसानों का जनजीवन अस्त व्यस्त है वहीं पशु, पक्षी भी मौसम की मार झेल रहे हैं। जहां पशुओं को ठंड से बचाने उनका ध्यान रखना बेहद आवश्यक है। पाठा क्षेत्र में गौवंश को ठंड के प्रकोप से बचाने के लिए समाजसेवी गौ सेवक विनय द्विवेदी अपनी टीम के साथ गौशालाओ में मौजूद गौवंशों को भूसा सानी और गुड़ खिला रहे हैं। भीषण ठंड को देखते हुए गौवंशो को भरपेट भूसा सानी खिला रहे हैं, जिससे गौवंश ठंड से लड़ने को मजबूत रहे।

यह नेक कार्य के साथ गौवंशो के संरक्षण के प्रति सराहनीय संदेश है। रविवार को किहुनिया ग्राम पंचायत स्थित गौशाला में संरक्षित सैकड़ों गौवंशों को भूसा, सानी और गुड़ खिलाया गया। समाजसेवी विनय द्विवेदी द्वारा समय-समय पर मानव सेवा, मूक पशुओं की सेवा को लेकर सराहनीय कार्य किए जा रहे हैं। श्री द्विवेदी ने बताया कि मूक पशुओं को ठंड से बचाने के लिए उन्हें भूसा सानी व गुड़ खिलाया जा रहा है। उन्होंने कहा हमारी टीम मूक पशुओं को ठंड से बचाव को लेकर लगातार प्रयास कर रही है। टीम के सदस्य सभी गायों को भूसा में आटा मिलाकर गुड़ खिलाते हैं ताकि वो कड़ाके की ठंड का सामना करने को मजबूत रहें। कहा गुड़ खिलाने से गौवंश मजबूती के साथ ठंड का सामना कर पाएंगे। किहुनियां गौशाला में रहने वाले सैकड़ों गौवंशों को भूसे में आटा मिलाकर व गुड़ खिलाया गया है।इसके साथ ही इधर उधर अन्ना घूम रहे जानवरों के चाराभूसे का भी इंतजाम किया गया हैं। गौशालाओं में काफी संख्या में जानवर एकत्र होने के कारण गौशालाओं में ही इंतजाम किए जा रहे हैं। बताया कि यह अभियान लगातार आगे भी जारी रहेगा।

कलयुगी मां ने नवजात को कुएं में फेंका, पहुंचाया अस्पताल

जन एक्सप्रेस । उरई

कलयुगी मां ने बेटी के रिश्ते को कलंकित करते हुए नवजात बच्ची को कुएं में फेंककर मौके से भाग गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से कुएं में पड़ी बच्ची को बाहर निकलवाकर जिला अस्पताल पहुंचाया। शहर कोतवाली क्षेत्र के ग्राम रूरा अड्डू में गांव से बाहर एक कुएं के पास से जब कुछ ग्रामीण गुजरे तो उन्हें बच्ची के रोने के आवाज सुनाई दी। तभी बच्ची के रोने की आवाज सुन उन्होंने इधर उधर देखकर कुएं में झांका तो उसमें एक बोरा पड़ा हुआ था, जिससे आवाज आ रही थी। इसके बाद ग्रामीणों ने तुरंत ग्राम प्रधान नरेंद्र सिंह चौहान को इसकी जानकारी दी। उन्होंने मौके पर पहुंचकर पुलिस को खबर दी। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचे पुलिस कर्मियों ने गांव के ही मंजेश, उमेश, समर सिंह व पीरे वर्मा की मदद से कुएं से बोरे को बाहर निकाला। जिसमें नवजात बच्ची थी जो कि सकुशल थी। इसके बाद पुलिस ने आशा बहू चंदा देवी की मदद से बच्ची को गर्म कपड़ों में लपेटकर एंबुलेंस से जिला महिला अस्पताल में भर्ती कराया। मामले को सीओ अर्चना सिंह व कोतवाली प्रभारी निरीक्षक अजय ब्रह्म तिवारी ने संज्ञान लिया और अस्पताल पहुंचकर बच्ची का हालचाल जाना। मामले की सूचना बाल कल्याण समिति व चाइल्ड हेल्प लाइन को भी दी गई है। सीओ अर्चना सिंह का कहना है कि मौके पर जाकर जांच की जाएगी और महिलाओं से भी पूछताछ होगी। जो भी दोषी मिला तो कार्रवाई करेंगे।

खेत देखने जा रहे किसान को पिकअप ने रौंदा, मौत

जन एक्सप्रेस/चित्रकूट। मामूली बारिश के बाद साइकिल लेकर घर से अपने खेत देखने जा रहे किसान को तेज रफ्तार पिकअप गाड़ी ने रौंद दिया। जिससे मौके पर ही किसान की मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार भरतकूप थाना क्षेत्र के महादेवन रसिन गांव के निवासी शिवचरण पटेल (65) पुत्र रुद्र प्रसाद रविवार को बारिश होने के बाद अपने खेत देखने के लिए साइकिल लेकर घर से निकले थे। इस दौरान रास्ते में फतेह गंज की ओर से आ रही एक तेज रफ्तार पिकअप भार वाहन ने उन्हें रौंद दिया। जिससे मौके पर ही उनकी मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलने पर मौके पर पहुंचे भरतकूप थाना प्रभारी प्रवीण सिंह दुर्घटना को अंजाम देने वाली गाड़ी को कब्जे में ले लिया और शिवचरण को अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। जिसके बाद पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भेज दिया।

एडीसी का कुंभ मेला में ड्यूटी लगवाने व कटवाने का खेला जारी

जन एक्सप्रेस । शत्रुघन सिंह 'बादशाह'

- एडीसी ने अपने विश्वास पात्र कंपनी एट के रनर को सौंपी जिम्मेदारी

उरई। विकास प्राधिकरण उरई कार्यालय परिसर में खुले होमगार्ड कार्यालय में आजकल कुंभ मेला में ड्यूटी लगाने के ही नहीं बल्कि ड्यूटी से नाम काटने के नाम पर होमगार्ड जवानों से कटमनी वसूलने का खेल खुलकर खेला जा रहा है। कार्यालय सूत्रों की मानें तो यह सारा खेल जिला कमांडेंट की नाक के नीचे विभाग के ही एडीसी अपने विश्वास पात्र कंपनी एट के रनर के माध्यम से चल रहा है। ताज्जुब की बात तो यह है कि होमगार्ड कार्यालय में हर रोज नई-नई लिस्ट जारी की जा रही है।कई होमगार्ड जवानों ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि पहले कुंभ ड्यूटी से नाम काटने के नाम पर कथित नजराना तीन हजार था जो अब बढ़कर पांच हजार तक पहुंच गया है। होमगार्ड जवानों का आर्थिक शोषण किस तरह से किया जा सकता है इसका सफल फार्मूला होमगार्ड कार्यालय के एडीसी राकेश कुमार से बेहतर कोई नहीं बना सकता है। इसी तरह के क्रियाकलापों के चलते एडीसी का जनपद शाहजहांपुर से जिले में 6 माह पूर्व ही स्थानांतरित किया गया था। जहां उनकी जांच अभी भी चल रही है। विभागीय सूत्रों की मानें तो वर्तमान समय में कुंभ मेला में जनपद से होमगार्ड जवानों की ड्यूटी लगाकर उन्हें भेजा जाना है। ऐसे पुण्य कार्य में भी एडीसी ने आपदा में अवसर खोज निकाला और एक के बाद एक लिस्ट जारी कर होमगार्ड जवानों को मानसिक रूप से परेशान कर रखा है। जब कुछ होमगार्ड जवानों ने अपनी पारिवारिक समस्या बताकर कुंभ मेला में ड्यूटी न लगाये जाने का अनुरोध किया तो एडीसी ने राकेश कुमार ने अपने विश्वासपात्र एट कंपनी के रनर दीना से संपर्क करने का फरमान सुना देते हैं। जब होमगार्ड जवान दीना से संपर्क करते है, तो वह कुंभ मेला में ड्यूटी से नाम काटने के नाम पर पहले कथित नजराना का रेट तीन हजार था जो अब बढ़कर 5 हजार कर दिया। अब इस मामले में कितनी सच्चाई है यह तो एडीसी व उनके विश्वासपात्र ही जानते होंगे। लेकिन इस मामले में होमगार्ड जवानों की बातों पर विश्वास किया जाये, तो वह मामले सच प्रतीत होता है। कई होमगार्ड जवानों ने बताया कि हमारे एडीसी इससे पहले शाहजहांपुर जनपद में तैनात थे, वहां पर भी उनके इसी प्रकार के क्रियाकलापों को देखते हुये जनपद जालौन के लिये 6 माह पूर्व ही स्थानांतरित किया गया था। तो वहीं कार्यालय सूत्रों की मानें तो एडीसी खुलकर कहते हैं कि वह आपदा में अवसर खोजने के माहिर खिलाड़ी है, यदि होमगार्ड जवान हमारे आदेशों का पालन करते रहेंगे तो वह फायदे में रहेंगे, बरना उनके विरुद्ध कार्यवाही करने में देर नहीं लगायेंगे। ऐसा नहीं किया जिले से होमगार्ड जवान कुंभ मेला में ड्यूटी न करना चाहते हों जो होमगार्ड जवान स्वेच्छा से कुंछ मेला में ड्यूटी करना चाहते हैं उनसे भी कथित तौर पर पहले नजराना, फिर शुकराना और अंत में हकराना की पूर्ति करने का इशारा सीधे पर कर दिया जाता है। वैसे भी कुंछ मेला में जिन होमगार्ड जवानों को भेजा जायेगा।

कार्यालय :- नगर पंचायत कदौरा-जालौन

पत्रांक : 380/न0पं0 कदौरा/सार्वजनिक सूचना/2024-25/कर निर्धारण दिनांक : 28 दिसम्बर 2024

सार्वजनिक सूचना

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि उ0 प्र0 सरकार नगर विकास अनुभाग-9 द्वारा जारी अधिसूचना सं0-912/नौ-9-2024-85ज-05टी0सी0-1, दिनांक 28.06.2024 के द्वारा उ0प्र0 नगर पालिका (भवन या भूमि या दोना के वार्षिक मूल्याकन कर) नियमावली 2024 को अन्तिम रूप से प्रकाशित कर दिया गया है। तद्कम मे शासन आदेश संख्या 2563/नौ-9-2024-ई0- 1646203 (मेल) नगर विकास अनुभाग-9 दिनांक 20.12.2024 के द्वारा कर निर्धारण हेतु जिलाधिकारी द्वारा निर्धारित सर्किल रेट के अनुसार दरें निर्धारित करने के आदेश प्राप्त हुए है। उक्त प्राप्त आदेशों के कम मे नगर पंचायत कदौरा द्वारा पूर्व से प्रभावी कर निर्धारण की दरों को पुनरीक्षण करते हुए कर निर्धारण हेतु दरें निम्न तालिका मे प्रस्तावित की जाती है। यदि इस सम्बन्ध मे किसी हितवद्ध व्यक्ति/व्यक्तियों को कोई आपत्ति हो तो 15 दिवस के अन्दर इस कार्यालय मे प्रस्तुत करना सुनिश्चित करें। समय उपरान्त प्राप्त आपत्तियों पर कोई विचार नही किया जायेगा।

मुहल्ले का नाम/ वार्ड का नाम	24 मी0 से अधिक चौड़ाई वाले मार्ग पर स्थित भूमि/भवन की दरें				12 मी0 से अधिक और 12 मी0 तक की चौड़ाई वाले मार्ग पर स्थित भूमि/भवन की दरें				9 मी0 से अधिक और 12 मी0 तक चौड़ाई वाले मार्ग पर स्थित भूमि/भवन की दरें				9 मी0 तक चौड़ाई वाले मार्ग पर स्थित भूमि/भवन की दरें			
	आर0सी0सी0 /आर0बी0 छत सहित पक्का गवन	अन्य पक्का भवन	कच्चा भवन	भूमि	आर0सी0सी0 / आर0बी0 छत सहित पक्का भवन	अन्य पक्का भवन	कच्चा भवन	भूमि	आर0सी0सी0 /आर0बी0 छत सहित पक्का भवन	अन्य पक्का भवन	कच्चा भवन	भूमि	आर0सी0सी0 /आर0बी0 छत सहित पक्का भवन	अन्य पक्का भवन	कच्चा भवन	भूमि
इस्लामाबाद	1.76	1.41	1.13	0.56	1.41	1.13	0.90	0.45	1.13	0.90	0.72	0.36	0.90	0.72	0.58	0.29
बम्हौरी	1.59	1.27	1.02	0.51	1.27	1.02	0.81	0.41	1.02	0.81	0.65	0.33	0.81	0.65	0.52	0.26
पुरवा	1.59	1.27	1.02	0.51	1.27	1.02	0.81	0.41	1.02	0.81	0.65	0.33	0.81	0.65	0.52	0.26
अम्बेडकर नगर	1.59	1.27	1.02	0.51	1.27	1.02	0.81	0.41	1.02	0.81	0.65	0.33	0.81	0.65	0.52	0.26
सिद्धार्थ नगर	1.59	1.27	1.02	0.51	1.27	1.02	0.81	0.41	1.02	0.81	0.65	0.33	0.81	0.65	0.52	0.26
कटरा अस्तबल	1.59	1.27	1.02	0.51	1.27	1.02	0.81	0.41	1.02	0.81	0.65	0.33	0.81	0.65	0.52	0.26
बाजार	1.74	1.39	1.11	0.56	1.39	1.11	0.89	0.45	1.11	0.89	0.71	0.36	0.89	0.71	0.57	0.29
सीर व्यासपुरा	1.74	1.39	1.11	0.56	1.39	1.11	0.89	0.45	1.11	0.89	0.71	0.36	0.89	0.71	0.57	0.29
चिलपुरा फर्राशखाना	1.74	1.39	1.11	0.56	1.39	1.11	0.89	0.45	1.11	0.89	0.71	0.36	0.89	0.71	0.57	0.29
पुराना बाजार	1.59	1.27	1.02	0.51	1.27	1.02	0.81	0.41	1.02	0.81	0.65	0.33	0.81	0.65	0.52	0.26
हवेली	1.74	1.39	1.11	0.56	1.39	1.11	0.89	0.45	1.11	0.89	0.71	0.36	0.89	0.71	0.57	0.29
इस्लामाबाद पश्चिमी	1.59	1.27	1.02	0.51	1.27	1.02	0.81	0.41	1.02	0.81	0.65	0.33	0.81	0.65	0.52	0.26

अधिशाषी अधिकारी
नगर पंचायत कदौरा-जालौन

लखनऊ एक्सप्रेस

हिंदी दैनिक, जन एक्सप्रेस | @janexpressnews | janexpresslive | www.janexpresslive.com/epaper | janexpresslive | लखनऊ, सोमवार, 30 दिसंबर, 2024

लाठी चार्ज बाद बीपीएससी बात करने के लिए...

जिला प्रशासन की ओर से कारण बताते हुए प्रदर्शन के लिए प्रतिबंधित किए जाने के बावजूद रविवार को प्रशांत किशोर के नेतृत्व में बीपीएससी परीक्षार्थियों का हुजूम पटना के गांधी मैदान में प्रदर्शन करने पहुंचा। जब यहां भी प्रशासन की नहीं चली तो यह हुजूम... पढ़ें पेज 12 पर...

मुख्यमंत्री आवास के नीचे भी शिवलिंग, इसकी भी हो खोदाई, अखिलेश बोले

उनके हाथ में विनाशकारी रेखाएं हैं

जन एक्सप्रेस | लखनऊ

उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एंव सपा मुखिया अखिलेश यादव ने रविवार को पत्रकार वार्ता की। उन्होंने बिना नाम लिए भाजपा एवं योगी सरकार को घेरा। कहा कि मुख्यमंत्री आवास के नीचे भी शिवलिंग है। इसकी भी खोदाई होनी चाहिए। सपा मुखिया ने योगी का नाम लिए बिना कहा कि उनके हाथ में विकास की नहीं, विनाश की रेखाएं हैं। कभी भी उनके हाथ की रेखाएं देख लेना। यह प्रदेश को कर्ज में डुबोकर जाएंगे। 2027 में सरकार का खजाना खाली करके जाएंगे।

कुंभ में लोग स्वयं आते हैं

सपा प्रमुख अने कहा कि अगर

हमारे कार्यकर्ताओं पर मुकदमे लगे तो कुंभ मेले में अव्यवस्था की पूरी पोल खोल देंगे। कुंभ में आने का किसी को आमंत्रण नहीं दिया जाता है, लोग स्वय कुंभ में आते हैं। सरकार ने कहा कि गंगा एक्सप्रेसवे कुंभ से पहले शुरू हो जाएगा। क्या यह चालू हुआ?

अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री बनाना-शिवपाल

अखिलेश ने कहा कि यहां ईवीएम के कारण हारने वाले को हार का एवं जीतने वाले को जीत का विश्वास नहीं होता है। इसलिए हम मांग करते हैं कि बैलेट से ही चुनाव कराया जाए। सपा महासचिव शिवपाल ने कहा कि नये साल पर बधाई। देश में ऐसा काम करना है कि 2027 का मिशन सपा सरकार बनाकर अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री बनाना है।

संभल में इंसानी जिंदगियां जाने का मुद्दा बड़ा है

इससे एक दिन पहले उन्होंने कहा था कि भाजपा सरकार की साजिशों को पीडीए समझ चुका है। आम चुनाव में जवाब देगा। कहा कि भाजपा आगामी चुनाव के बाद नीतीश को बिहार का सीएम नहीं बनाएगी। अदाणी से बड़ा संभल में इंसानी जिंदगियां जाने का मुद्दा है।

आरक्षण पर डाका जा रहा

कहा कि योगी आदित्यनाथ धार्मिक सीएम तो हैं, पर विजिनरी (दूरगामी सोच वाले) नहीं। सपा सरकार ने इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास, शिक्षा व स्वास्थ्य सुविधाओं के लिहाज से मॉडल पेश किए। पीडीए यानी पिछड़े, दलित व अल्पसंख्यक या कहें पीड़ित, दुखी और अपमानित लोग सपा के साथ हैं। वे देख रहे हैं कि किस तरह से आरक्षण पर डाका जा रहा है। संविधानिक मूल्यों को किनारे किया जा रहा है।

यूपी में पछुआ हवाओं ने बढ़ाई गलन, कोहरे और लुढ़कते पारे से अभी और बढ़ेगी सर्दी

जन एक्सप्रेस | लखनऊ

यूपी में पश्चिमी विक्षोभ के गुजरते ही पछुआ हवाएं चलने लगी हैं। इसके चलते प्रदेश में पूरब से पश्चिम तक पिछले 24 घंटे में रात के पारे में 2 से 4 डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई है। वहीं, कोहरे की मौजूदगी की वजह से दिन में भी ठंड बढ़ी है। रविवार को अधिकतर जगहों पर हल्की धूप देर से हुई तो कहीं सूरज के दर्शन नहीं हुए। हवा चलने से दिन के तापमान में भी गिरावट दिखी। रविवार को घने कोहरे की वजह से प्रयागराज, आजमगढ़ और कुशीनगर में दृश्यता शून्य तक पहुंच गई। अमेठी, बलिया में 20 मीटर, वाराणसी और चुर्क में 50 मीटर तो अलीगढ़, मुरादाबाद और चित्रकूट आदि में 100 मीटर तक सिमट गई। राजधानी लखनऊ की बात करें तो रविवार सुबह से ही सर्द पछुआ हवाएं चलती रहीं दोपहर तक धूप देखने को नहीं मिली। बदली के साथ घना कोहरा छाया रहा। यहां भी अगले कुछ दिन, दिन और रात दोनों के तापमान में क्रमशः गिरावट देखने को मिलेगी। मौसम विभाग का कहना है कि प्रदेश में अगले 3-4 दिन मध्यम से घने कोहरे और सर्द हवाओं का दौर जारी रहेगा और ठंड में बढ़ोतरी दिखेगी। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ के वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह का कहना है कि उत्तरी पछुआ हवाओं के चलने से अगले 72 घंटे में रात के पारे में 5 डिग्री तक की गिरावट आएगी। वहीं दिन में कोहरे की मौजूदगी और धूप हल्की होने की वजह से दिन के तापमान में भी लगातार गिरावट देखने को मिलेगी। 31 दिसंबर के बाद पछुआ हवाओं की गति में तेजी आएगी। इससे कोहरा छंटेगा और धूप खिलेगी। अगले कुछ दिन फिलहाल मौसम शुष्क रहेगा।

नए साल पर मंदिर और बाजारों में महिलाओं की सुरक्षा पर अलर्ट, यूपी डीजीपी ने दिए सख्त निर्देश

जन एक्सप्रेस | लखनऊ

डीजीपी प्रशांत कुमार ने नए वर्ष पर मंदिरों और बाजारों में महिला सुरक्षा को लेकर विशेष एहतियात बरतने का निर्देश दिया है। उन्होंने नए साल पर होने वाले आयोजनों के दौरान अग्निकांड आदि की घटनाओं से बचने के लिए अग्निशमन विभाग को भी सतर्क रहने को कहा है। साथ ही, नववर्ष की पूर्व संध्या से ही पीएसी बल के साथ फ्लैग मार्च करने का निर्देश दिया है। डीजीपी ने सभी पुलिस आयुक्त, एडीजी जोन, आईजी रेंज और जिलों के पुलिस कप्तानों को निर्देश दिया कि नववर्ष के आयोजनों को सूचीबद्ध करते हुये हाटस्पाट चिन्हित करके राजपत्रित अधिकारियों के नेतृत्व में पर्याप्त पुलिस बल की ड्यूटी लगाई जाए और फुट पेट्रोलिंग की जाए। संवेदनशील स्थलों व आयोजन स्थलों, होटलों, क्लब, मनोरंजन गृहों तथा विभिन्न सार्वजनिक स्थानों, जहां नववर्ष के सामूहिक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हो, पुलिस प्रबंध कर विशेष सुरक्षा की जाए। महिलाओं के आवागमन के मार्गों पर पेट्रोलिंग की जाए।लूट, चेन स्नेचिंग आदि घटनाओं की रोकथाम के लिए सादे वस्त्रों में महिला पुलिसकर्मियों तथा एंटी रोमियो स्क्वाड को सक्रिय रखा जाए। शराब पीकर गाड़ी चलाने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध वैधानिक कार्यवाही की जाए। धार्मिक स्थलों के आसपास सघन चेकिंग की जाए। ड्रोन कैमरा और सीसीटीवी कैमरों की मदद ली जाए। सोशल मीडिया के विभिन्न माध्यमों पर सतर्क दृष्टि रखते हुए भ्रामक एवं आपत्तिजनक पोस्ट प्रसारित होने पर तत्काल विधिक कार्यवाही करते करें।

सीएम योगी ने की राष्ट्रपति और उप राष्ट्रपति से मुलाकात, महाकुंभ में आने का दिया न्योता

जन एक्सप्रेस | लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को नई दिल्ली में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से भेंट की और उन्हें महाकुम्भ का निमंत्रण दिया। मुख्यमंत्री ने उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और दिल्ली के उप राज्यपाल विनय कुमार सक्सेना को भी प्रयागराज में होने जा रहे महाकुम्भ-2025 के लिए आमंत्रित किया। सीएम योगी ने विशिष्टजनों को निमंत्रण पत्र के साथ ही महाकुम्भ 2025 के लोगो वाला प्रतीक चिह्न, कलश, महाकुम्भ से जुड़ा साहित्य, नववर्ष का टेबल कैलेंडर व डायरी भेंट की। 13 जनवरी से 26 फरवरी 2025 तक प्रयागराज में होने जा रहे महाकुम्भ में विशिष्टजनों को आमंत्रण देने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार

को दिल्ली पहुंचे थे। शनिवार को उन्होंने पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद, गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष व केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जगत प्रकाश नड्डा, मिजोरम के राज्यपाल जनरल वीके सिंह से मुलाकात की थी। सीएम योगी ने सभी विशिष्टजनों को महाकुम्भ से संबंधित उपहार भी भेंट किए। रविवार को भी सीएम योगी ने अपने एक्स हैंडल पर विशिष्टजनों से भेंट की तस्वीर पोस्ट करते हुए अमूल्य समय प्रदान करने के लिए उनका आभार भी जताया। उल्लेखनीय है कि महाकुम्भ प्रारंभ होने में अब कुछ ही समय शेष रह गया है। सीएम योगी और उनके मंत्रीगण विभिन्न राज्यों में जाकर विशिष्ट और आमजनों को महाकुम्भ के लिए आमंत्रित कर रहे हैं।

संवेदनहीनता : प्लेटफॉर्म पर लेटे यात्रियों पर आधी रात डाला पानी, सर्दी में पानी पड़ते ही सहम गए बच्चे-बुजुर्ग

जन एक्सप्रेस | लखनऊ

राजधानी लखनऊ स्थित चारबाग रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर आठ व नौ पर ट्रेन के इंतजार में सो रहे यात्रियों को सफाईकर्मियों ने सर्दी में पानी डालकर जगाया। सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने के बाद अफसरों ने सफाईकर्मियों को फटकारा। ऐसा दोबारा ऐसी हरकत न करने की हिदायत दी। सोशल मीडिया एक्स पर राजू यादव ने डीआरएम सचिंद्र मोहन शर्मा को वीडियो शेयर किया है। इसमें सफाईकर्मी प्लेटफॉर्म धुलने के लिए सो रहे यात्रियों पर पानी डालकर जगा रहे हैं। जिन यात्रियों पर पानी डाला गया, उनमें बच्चे भी शामिल हैं। सफाईकर्मियों का कहना है कि दिन में भीड़ होती है। इसलिए रात में प्लेटफॉर्म की धुलाई व सफाई का काम किया जाता है। चारबाग रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नबंर 8-9 पर सफाईकर्मियों की संवेदनहीनता से ट्रेन का इंतजार कर रहे यात्रियों को खासी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। चारबाग रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नबंर 8-9 पर देर रात सफाईकर्मी पानी डालकर सफाई करने पहुंचे। बताया गया कि दिन में भीड़ अधिक होने से रात में धुलने का काम किया जाता है। चारबाग रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नबंर 8-9 पर सफाईकर्मियों ने पानी डाला तो बच्चे ठंड से ठिठुरने लगे।

नया वर्ष 2025 को नशामुक्त वर्ष बनाने के लिए लखनऊ में 31 दिसंबर को प्रात: 10 बजे होगी नशामुक्त महिला फुल मैराथन दौड़

जन एक्सप्रेस | लखनऊ

देश की सबसे ज़्यादा पुरुस्कार वाली नशामुक्त महिला फुल मैराथन का आयोजन नशामुक्त भारत अभियान के तहत ÷नशामुक्त समाज आंदोलन अभियान कौशल÷ का के तत्वाधान में लखनऊ के दुबग्गा से भिठौली रोड पर किया जा रहा है। इस महिला मैराथन में हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल महामहिम शिव प्रताप शुक्ला जी मुख्य अतिथि के रूप शामिल होकर मैराथन की प्रतिभागियों को हरी झंडी दिखाकर मैराथन की शुरुआत करेंगे। इस नशामुक्त महिला मैराथन के आयोजक एवं भारत सरकार के पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री कौशल किशोर ने जानकारी देते हुए कहा कि इस नशामुक्त महिला फुल मैराथन का उद्देश्य आगामी आने वाले नए वर्ष 2025 में नई पीढ़ी के लड़के

व लड़कियां जो अभी नशे की शुरुआत नहीं किए हैं उनको नशे की शुरुआत करने से रोकने का है यदि नई पीढ़ी के लोग नशा नहीं शुरू करेंगे तो नशे के ग्राहकों की संख्या घटती जाएगी और नशे के सौदागर नशे का कारोबार अपने आप ख़त्म कर देंगे। कौशल किशोर ने यह भी जानकारी दी कि इस मैराथन में जो महिला प्रथम आएगी उसको 5 लाख का पुरस्कार व द्वितीय आने वाली महिला को 3 लाख रुपये का पुरस्कार व तृतीय स्थान पर आने वाली महिला को 1.5 लाख रुपये का पुरस्कार दिया जाएगा अन्य पचास महिलाओं को भी मिलाकर कुल पच्चीस लाख रुपये का पुरष्कार दिया जाएगा । सबसे ख़ास बात यह है कि इस नशामुक्त महिला मैराथन का आयोजन के सभी पुरस्कार जनसहयोग से किए जा रहे हैं जिसमें लगभग 5,000 महिलाएं इस मैराथन में भाग ले रही हैं इस महिला मैराथन में शिक्षक, वकील, डॉक्टर, व्यापारी,कर्मचारी , शिक्षा मित्र, शिक्षा प्रेरक , विद्यालय प्रबंधक समिति के लोग सहित सभी वर्ग व सभी समुदाय के लोग शामिल हो रहे हैं ! सभी का एक ही मकसद है अपने बच्चों व पड़ोस के बच्चों तथा भारत को नशे से बचाना इस अभियान में सभी लोग शामिल होकर नशामुक्त परिवार व नशामुक्त भारत बनाने में आगे आयें।

नशा मुक्ति महिला फुल मैराथन दौड़ की तैयारीयों का एडीसीपी ने लिया जायजा

लखनऊ में 31 दिसम्बर को आयोजित होने वाली देश की दूसरी नशा मुक्त महिला मैराथन की तैयारियों का जायजा लेने पुलिस विभाग के डीसीपी पश्चिमी विश्वजीत श्रीवास्तव एडीसीपी धनंजय कुशवाहा और एसीपी काकोरी शकील अहमद पहुंचें। जहां भारी पुलिस बल के साथ दुबग्गा के जॉगर्स पार्क चौराहा का निरीक्षण किया। जॉगर्स पार्क से शुरू होकर मडियांव के भिटौली चौराहे तक निरीक्षण किया। वहीं इस दौरान इंस्पेक्टर दुबग्गा अभिनव वर्मा के साथ प्रसाशनिक अधिकारी व आयोजक मौजूद रहें।

डॉक्टर ने मरीज को पिता बनने लायक नहीं छोड़ा

मामले की सुनवाई करते हुए राज्य उपभोक्ता आयोग ने डॉक्टर पर 10 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है

- साथ ही, एक प्राइवेट हॉस्पिटल पर भी सरकारी डॉक्टर से इलाज कराने के कारण 1 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है
- मरीज ने प्रयागराज के डॉ. अरविंद गुप्ता से फिनिक्स अस्पताल में इलाज कराया था
- कोर्ट ने जुर्माने की पूरी रकम 30 दिन के भीतर चुकाने के आदेश दिया है

जन एक्सप्रेस | लखनऊ

लगातार 14 साल मरीज का गलत इलाज करना प्रयागराज के एक डॉक्टर को भारी पड़ गया। मरीज पर दवाओं का ऐसा साइड इफेक्ट हुआ कि जीवन भर वह पिता नहीं बन सकता। मामले की सुनवाई करते हुए राज्य उपभोक्ता आयोग ने डॉक्टर पर 10 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है। साथ ही एक प्राइवेट हॉस्पिटल पर भी सरकारी डॉक्टर से इलाज कराने के कारण 1 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है। कोर्ट ने जुर्माने की पूरी रकम 30 दिन के भीतर चुकाने के आदेश दिया है। जौनपुर के एक पीड़ित ने उपभोक्ता आयोग में याचिका दाखिल की थी। युवक ने अपनी याचिका में बताया था कि शादी के बाद बच्चा प्राप्त करने के लिए 14 साल तक नामचीन डॉक्टर्स से इलाज कराया था। प्रयागराज के डॉ. अरविंद गुप्ता से फिनिक्स अस्पताल में इलाज कराया था। डॉक्टर अरविंद गुप्ता प्रयागराज के मोतीलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज में नेफ्रोलॉजी के प्रोफेसर थे। गुप्ता फिनिक्स अस्पताल समेत कई संस्थानों में भी प्रैक्टिस करते थे। इलाज के दौरान पीड़ित को हार्मोन के कई इंजेक्शन लगाए गए थे।

इलाज के साइड इफेक्ट के चलते पीड़ित के पिता बनने की संभावना समाप्त हो गई

इलाज के बाद भी आराम न मिलने पर युवक ने दूसरे डॉक्टर से संपर्क किया था। दूसरे डॉक्टर की जांच में साफ हुआ कि डॉक्टर अरविंद गुप्ता के इलाज से पीड़ित का भारी नुकसान हुआ है। डॉक्टर अरविंद गुप्ता के इलाज के साइड इफेक्ट के चलते पीड़ित के पिता बनने की संभावना समाप्त हो गई थी।

बांग्लादेशी अवैध रूप से कर रहे कारोबार, हटाने गई नगर निगम की टीम से मारपीट, महापौर बोलीं, होगी कार्रवाई

जन एक्सप्रेस | लखनऊ

राजधानी लखनऊ में रविवार को अवैध रूप से ठेला लगाने वालों व नगर निगम टीम के बीच कहासुनी हो गई। कहासुनी मारपीट में बदल गई। ठेला वाले बांग्लादेशी बताए जा रहे हैं। मामला नगर निगम जोन-7 इंद्रा प्रियदर्शनी वार्ड का है। मारपीट की सूचना मिलने पर महापौर सुषमा खर्कवाल ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। महापौर ने मौके पर उपस्थित नगर निगम कर्मचारियों और पुलिस अधिकारियों से विस्तृत जानकारी प्राप्त की। साथ ही मामले की जांच के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अवैध कारोबार करने वाले बांग्लादेशियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। नगर निगम कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाएगी। महापौर ने जिलाधिकारी और लखनऊ कमिश्नर को फोन कर मामले की जानकारी दी।

नगर निगम के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे

आवश्यक कार्रवाई के निर्देश के साथ पीएससी भेजने के लिए बोला है। उन्होंने कहा कि शहर में अवैध कारोबार और अपराधिक गतिविधियों को रोकने के लिए सख्त होगी। मौके पर नगर आयुक्त इंद्रजीत के साथ नगर निगम के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

'भगवान के दर्शन दुर्लभ नहीं, दर्शन की लालसा दुर्लभ है'

- श्रीरामलला सदन अयोध्या पीठाधीश्वर स्वामी राघवाचार्य लखनऊ में कर रहे हैं अमृत वर्षा

जन एक्सप्रेस | लखनऊ

राजधानी के मोती महल में चल रही श्रीराम कथा के चौथे दिन श्री रामलला सदन अयोध्या के पीठाधीश्वर स्वामिश्री राघवाचार्य जी महाराज ने ज्ञान जिज्ञासुओं को संबोधित करते हुए कहा कि भगवान के दर्शन दुर्लभ नहीं है, वस्तुतः भगवान के दर्शन की लालसा दुर्लभ है। जब हमारी लालसा भगवान के लिए रोने लग जाती है, तब भगवान की कृपा बरस पड़ती है। उन्होंने कहा कि गोपियों में भगवान के दर्शन की लालसा जब रुदन कर पड़ी, तब उसी क्षण भगवान गोपियों संग रास कर उठे। स्वामिश्री ने भक्त श्री बिन्दु जी का उदाहरण देते हुए कहा- उल्फत नशे का जिस दिन सच्चा सुरूर होगा, परमात्मा उसी दिन हाजिर जरूर होगा। कथा व्यास स्वामी राघवाचार्य ने आज की कथा में यज्ञ के महत्व पर विशेष प्रकाश डाला और कहा कि भगवान यज्ञ के रक्षक भी हैं और विनाशक भी। वह एक ओर विश्व कल्याण की कामना से

विश्वामित्र द्वारा कराए जा रहे यज्ञों की रक्षा करते हैं, वहीं दूसरी ओर रावण और मेघनाद द्वारा किए जा रहे तामसिक यज्ञ का विध्वंस वानर सेना से कराते हैं। उन्होंने कहा, भगवान यज्ञपति, यजमान, यज्ञ के अंग और यज्ञ के वाहक भी हैं। वह यज्ञ के भोक्ता भी हैं और यज्ञ के साधन भी। उन्होंने कहा कि प्रजापिता ब्रह्मा ने यज्ञ के सहित प्रजा को उत्पन्न किया। स्वामी जी महाराज ने सभी से यज्ञीय जीवन जीने की अपील की।।

पूज्य स्वामी जी ने कहा कि राम उसी के पास रहते हैं जिसके जीवन में सत्य और धर्म है।

महर्षि वशिष्ठ का उदाहरण देते हुए कहा -वस्तुत= राम ही सत्य हैं और सत्यनारायण हैं। स्वामी राघवाचार्य जी महाराज ने संतों को इस धरती की विशेष विभूति कहा और उनकी उपमा तीर्थ से की। उन्होंने कहा कि संतों के चरणों में तीर्थ निवास करते हैं, इसीलिए संत को तीर्थंकर भी कहा जाता है। स्वामिश्री महाराज ने संत समाज का आवाहन किया कि वे जनसामान्य के बीच उतरें और उनका सशक्त एवं सम्यक मार्गदर्शन करें। उन्होंने कहा कि भगवान आद्यगुरु शंकराचार्य ने संतों को सतत प्रवज्या पर रहने की प्रेरणा दी है। स्वामी जी महाराज ने कहा कि यदि अध्यात्म जगत के सभीजन जनसामान्य का मार्गदर्शन करने के लिए जनता के बीच उतर पड़े, तो देशवासियों के वैचारिक, सामाजिक, पारिवारिक एवं वैयक्तिक जीवन को सुन्दर व सुदृढ़ बनाया जा सकता है। कथा संयोजक डॉ. सप्तर्षि मिश्र ने बताया कि आगामी 2 जनवरी को कथास्थल पर विशाल संत सम्मेलन का आयोजन श्री रामकथा सेवा समिति द्वारा किया गया है। संयोजक अधिवक्ता संजीव पाण्डेय से प्राप्त जानकारी के अनुसार आज की कथा में अयोध्याधाम से पधारे जगद्गुरु रामानंदाचार्य स्वामी श्री ओम प्रपन्नाचार्य जी महाराज ने भी श्रोताओं को अपने आशीर्वचनों से अभिसिंचित किया। राम कथा के आज के जजमान धनंजय सिंह पूर्व सांसद, आदेश सिंह एडवोकेट, अनिल उपाध्याय केयर टेक्स ने व्यास पूजन किया। आज की कथा में पूर्व उप मुख्यमंत्री दिनेश शर्मा, श्याम बिहारी गुप्ता अध्यक्ष गौ सेवा आयोग, आचार्य आलोक दीक्षित, पंकज तिवारी ज़िला अध्यक्ष कॉग्रेस रायबरेली, आदेश यादव, सुनील मिश्रा, राघवेंद्र शुक्ला, विनय सिंह, रमन बाजपेयी, मनोज त्रिपाठी, सुशील शर्मा, संजय श्रीवास्तव, सुशील पाण्डेय, एडवोकेट लक्ष्मी नारायण मिश्र आदि ने पूज्य गुरु जी का माल्यार्पण किया।

मैड्रिड और बर्लिन में होगा अंतरराष्ट्रीय पर्यटन उद्योग का व्यापार मेला

- स्पेन और जर्मनी में होगा प्रदेश की समृद्धि विरासत का प्रचार-प्रसार-जयवीर

जन एक्सप्रेस | लखनऊ

उत्तर प्रदेश की पर्यटन संपदा और सामर्थ्य को विश्व समुदाय के समक्ष प्रदर्शित कर विदेशी पर्यटकों को यूपी की ओर आकर्षित करने के लिए पर्यटन विभाग स्पेन की राजधानी मैड्रिड में 24 से 28 जनवरी, 2025 तथा जर्मनी की राजधानी बर्लिन में 04 से 06 मार्च, 2025 तक अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन उद्योग मेले में अपनी जोरदार उपस्थिति दर्ज कराने का निर्णय लिया है। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि वैश्विक मंच पर प्रदेश में स्थित 12 टूरिज्म सर्किट, ओडीओपी, हस्तशिल्प एवं अन्य विशेषताओं का प्रदर्शन एवं प्रचार प्रसार किये जाने की रणनीति बनाई गयी है। इसके अलावा प्रदेश का गौरवशाली इतिहास समृद्ध विरासत और विशेषताओं की विदेशी पर्यटकों को जानकारी दी जायेगी। इस मेले में भाग लेने का उद्देश्य विदेशी पर्यटकों को यूपी की ओर आकर्षित करना है ताकि यूपी विदेशी पर्यटकों के मामले में भी पूरे देश में पहले स्थान पर स्थापित हो। अंतर्राष्ट्रीय मेले में यह भी बताया जायेगा कि अब यूपी नये भारत का नया उत्तर प्रदेश है। जहां सुरक्षा के साथ रेल, वायु, वाटर-वे तथा एक्सप्रेसवे की बेहतर कनेक्टिविटी है। उत्तर प्रदेश पर्यटन 40 वर्ग मीटर में प्रदर्शनी लगाएगा। यहां 12 टूरिज्म सर्किट के महत्वपूर्ण स्थलों के अलावा हस्तकला, विभिन्न कलाकृतियों और एक जिला, एक उत्पाद आदि का प्रदर्शन किया जाएगा। वीवीआईपी लाउंज, इंटरएक्टिव सेल्फी जोन और डिजिटल माध्यम जैसे- स्क्रीन, मोबाइल ऐप और ब्रोशर के जरिए दर्शकों से जुड़ने का प्रबंध होगा। इस आयोजन में टूर ऑपरेटरों और अन्य हितधारकों के साथ बिजनेस-टू-बिजनेस और बिजनेस-टू-कंज्यूमर इंटरैक्शन को बढ़ावा दिया जाएगा, जिससे उत्तर प्रदेश को एक प्रमुख पर्यटन स्थल के रूप में स्थापित किया जाएगा। इन आयोजनों में उत्तर प्रदेश के प्रमुख पर्यटन स्थलों और विषयों को वैश्विक मंच पर लाया जाएगा।

इलाज के दौरान विवाहिता की मौत

पति ने अस्पताल पर लगाया गलत इंजेशन देने का आरोप

जन एक्सप्रेस । अमेठी

जनपद के निजी नर्सिंग होमो में मौत के मामले कम होने का नाम नही ले रहे हैं।तीन दिन पहले पेट दर्द की शिकायत के बाद इलाज के लिए निजी अस्पताल में भर्ती एक महिला की मौत हो गई।अस्पताल ने मामले को रफा दफा करते हुए मृतका को जिला अस्पताल रायबरेली भेज दिया।पति ने निजी नर्सिंग होम पर गलत इंजेक्शन देकर मौत का आरोप लगाया है।पीड़ित ने नर्सिंग होम के डॉक्टर के खिलाफ थाने में तहरीर दी है।बावजूद इसके पुलिस ने चौबीस घंटे बाद भी मुकदमा दर्ज नही किया है।पूरा मामला जायस थाना क्षेत्र के कस्बे में स्थित नवजीवन हॉस्पिटल का है।जहाँ तीन दिन पहले कालीपुर तेलियानी थाना नसीराबाद का रहने वाला मो जावेद पुत्र जुबैर अपनी पत्नी आफरीन को पेट दर्द की शिकायत के बाद अस्पताल में भर्ती कराया।कुछ देर बाद इलाज के लिए पैसों का इंतजाम करने घर चला गया।करीब दो घंटे बाद अस्पताल के डॉक्टर ने उसे फोन किया।और कहा कि तुम्हारी पत्नी की तबियत ज्यादा खराब है।उसे जिला अस्पताल रायबरेली भेजा गया है।जावेद जब जिला अस्पताल पहुँचा तो डॉक्टरों ने बताया कि आफरीन की मौत यहां आने से पहले ही हो चुकी है।शनिवार को जावेद ने जायस थाने में तहरीर देकर नवजीवन अस्पताल जायस और डॉक्टरो के खिलाफ कार्यवाही की मांग की है।बावजूद इसके पुलिस द्वारा अभी तक कोई कार्यवाही नही की गई है।

पति का आरोप है कि डॉक्टर द्वारा गलत इंजेक्शन दिया गया।जिससे उसकी पत्नी की मौत हुई है।पीड़ित ने अस्पताल को सील करते हुए अस्पताल में लगे सीसीटीवी कैमरों को भी चेक करने की मांग की है।मामले को लेकर सीएमओ अंशुमान सिंह ने कहा कि मामले की जांच की जा रही है।जांच के बाद वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।वहीं स्वास्थ्य विभाग के एक कर्मचारी ने बताया कि इस अस्पताल का लाइसेंस नहीं है।और इसे एक महिला संचालित करती है।कई बार इसके खिलाफ शिकायत भी हुई है।लेकिन कोई कार्रवाई नहीं होती है।महिला का काफी रसूख भी है।इसलिए कोई कार्यवाही करने की हिम्मत नहीं जुटा पाता।

श्री हेमकुंड पब्लिक स्कूल में सब लेफ्टिनेंट अभिनव सिंह का भव्य सम्मान समारोह

जन एक्सप्रेस । रायबरेली

श्री हेमकुंड पब्लिक स्कूल में भारतीय नौसेना के सब लेफ्टिनेंट अभिनव सिंह के सम्मान में एक भव्य समारोह का आयोजन किया महाराजगंज के निवासी अभिनव सिंह ने भारतीय नौसेना में सब लेफ्टिनेंट के रूप में कमीशन प्राप्त किया उन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा नेवी चिल्ड्रेन स्कूल और डीपीएस लखनऊ से पूरी की उन्होंने नेवल अकादमी में प्रवेश लिया और कठिन प्रशिक्षण के बाद प्रतिष्ठित उपलब्धि हासिल कीकार्यक्रम के दौरान विद्यालय प्रबंधन पुष्पेंद्र सिंह गांधी ने उनकी यह उपलब्धि न केवल उनके परिवार बल्कि पूरे जिले के लिए गर्व की बात है इससे छात्रों को नई प्रेरणा और ऊर्जा मिलेगी वे भी अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए प्रयासरत रहेंगे विद्यालय की प्रधानाचार्य आस्था सिंह ने उनकी और उनके परिवार को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उनकी सफलता छात्रों के लिए एक आदर्श प्रस्तुत करती हैउप-प्रधानाचार्य विक्रम सिंह ने भी उनकी प्रशंसा करते हुए कहा कि यह मेहनत और अनुशासन हर छात्र के लिए प्रेरणादायक है

कार्यक्रम में छात्रों ने अतिथियों के स्वागत में गीत और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं इस अवसर पर सब लेफ्टिनेंट अभिनव सिंह ने छात्रों को भारतीय रक्षा बलों में करियर बनाने के लिए प्रेरित किया उन्होंने कहा मेहनत अनुशासन और सही दिशा में प्रयास हर लक्ष्य को संभव बना सकते हैं छात्रों ने उनके विचारों से प्रेरणा ली और उनके अनुभवों को आत्मसात कियाकार्यक्रम के अंत में विद्यालय की ओर से सब लेफ्टिनेंट अभिनव सिंह को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गयायह सम्मान समारोह प्रेरणादायक और ज्ञानवर्धक रहा छात्रों ने न केवल भारतीय नौसेना की सेवाओं के बारे में सीखा बल्कि अपने सपनों को साकार करने के लिए नई ऊर्जा प्राप्त कीविद्यालय परिवार ने इस आयोजन को सफल और यादगार बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

ग्राम पंचायतों में स्ट्रीट लाइट के नाम पर लाखों खर्च, फिर भी छाया रहता अंधेरा

जन एक्सप्रेस । अमेठी

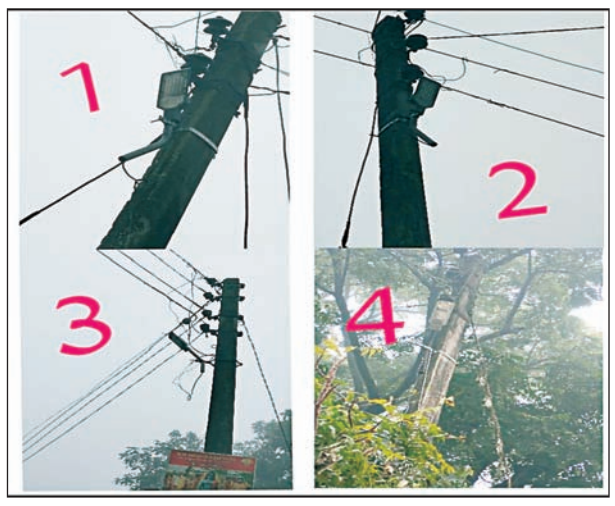

ग्राम पंचायतों में विकास की जिम्मेदारी प्रधानों पर होती है। लेकिन जब जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लिया जाए,तो हालात खराब हो जाते हैं।जनपद के भेटूवा विकास खंड अंतर्गत ग्राम पंचायत मई में लाखों रुपये की लागत से लगाई गईं स्ट्रीट लाइटें महीनों से खराब पड़ी हैं। ठंड और कोहरे के बीच छाया अंधकार न केवल ग्रामीणों की परेशानी बढ़ा रहा है,बल्कि अराजक तत्वों और चोर-उचक्कों के लिए अच्छा मौका बन गया है।

ग्रामीणों का कहना है कि स्ट्रीट लाइटें सिर्फ कागजों में चालू हैं।और खंभों पर शोभा बढ़ा रही हैं।हकीकत यह है कि ये महीनों से बंद पड़ी हैं। कुछ दिनों पहले अंधेरे का फायदा उठाकर गौ तस्करों ने गांव में वारदात को अंजाम दिया।लेकिन न तो ग्राम प्रधान ने इस पर कोई ध्यान दिया और न ही जिम्मेदार अधिकारियों ने।ग्रामीणों का आरोप है,कि प्रधान और सचिव की मिलीभगत से विकास कार्यों के नाम पर केवल धन उगाही होती है। योजनाएं कागजों तक सीमित रह जाती हैं,और जमीन पर कुछ भी नहीं बदला जाता।ठंड और कोहरे के मौसम में छाए अंधेरे से ग्रामीणों की सुरक्षा खतरे में है।महिलाएं और बच्चे शाम होते ही घरों में कैद हो जाते हैं।गांव के लोग जिला प्रशासन से इस मामले में त्वरित कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।उनका कहना है कि यदि जल्द ही स्ट्रीट लाइटें ठीक नहीं की गईं,तो वे विरोध प्रदर्शन करने को मजबूर होंगे।आखिर सवाल यह है कि इस अनदेखी का जिम्मेदार कौन है? प्रधान,सचिव,या ब्लॉक अधिकारी? और कब तक ग्रामीण ऐसे ही परेशान रहेंगे?यह तो समय ही बताएगा।

ताइक्कांडो कलर बेल्ट टेस्ट प्रतियोगिता का आयोजन हुआ

जन एक्सप्रेस । लालगंज, रायबरेली

ताइक्कांडो खेल का कलर बेल्ट टेस्ट प्रतियोगिता का आयोजन लालगंज कस्बे के डाश रिज़वी मेमोरियल पब्लिक स्कूल मे किया गया। जिसमे जिले के तीन क्लबों लालगंज मार्शल आर्ट क्लब, आर्यन मार्शल आर्ट क्लब टिकरा, एमसीएफ मार्शल आर्ट क्लब से 70 खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया। यह प्रतियोगिता रायबरेली जिला ताइक्कांडो संघ के द्वारा आयोजित की गई थी। संघ की ओर से परीक्षक के रूप मे डिम्पी तिवारी तथा पूनम यादव को परीक्षा की जिम्मेदारी सौपी गई थी व्हाइट से यलो बेल्ट के लिए विराट, शौर्य, कवि, आराध्य, अंशिका, अभिनव, रियांश यलो से ग्रीन बेल्ट के लिए अथर्व सिंह लवांश गुप्ता, वंदना कुमारी मीणा, चैतन्य, प्रीति यादव, इंद्रजीत कुमार, समर कोठ वाल, रिया सिंह, शिवानी, प्राची, आदर्श ग्रीन से ग्रीन वन मे आरुष केशव, आरोही कुमार अनुप्रिया कुमारी, अभिनव, राज, आरव पटेल, मीनाक्षी रंजन, विराट सिंह, तान्या कुमारी, वैष्णवी रंजन ग्रीन वन से ब्लू में अभ्युदय तिवारी, महिमा सोनकर ब्लू से ब्लू वन, हर्ष शेर बहादुर, दिव्यांश तिवारी ब्लू वन से रेड बेल्ट में पूर्णिमा पटेल, आर्यन कुमार रेड से रेड वन मे मयंक कुमार, दिव्या रानी, साक्षी रानी, माही यादव ने परीक्षा पास किया इस अवसर पर ऐसोसिशन के सचिव अताउर रहमान, आर्यन मार्शल आर्ट टिकरा क्लब की कोच अंशिका यादव, सुयश शुक्ला, विजय यादव,किरन देवी, अरविन्द ओझा,अभय सिंह, अनिल कुमार सहित समस्त अभिभावक मौजूद रहे।

व्यापारियों को सुरक्षित ही नहीं बल्कि संरक्षित करने की जरूरत है

जन एक्सप्रेस । रायबरेली

ऊंचाहार भाजपा ओबीसी मोर्चा के प्रांतीय मंत्री अभिलाष चंद कौशल के नेतृत्व में ऊंचाहार के मुख्य चौराहे पर व्यापारियों की आम बैठक हुई जहां क्षेत्रीय विधायक डॉ मनोज पांडेय मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुएभाजपा नेता ने उनसे आग्रह किया कि ऊंचाहार के व्यापारियों की सुरक्षा के साथ-साथ उनके संरक्षण के भी जरूरत है इस बैठक में ऊंचाहार के बड़ी संख्या में व्यापारियों ने भाग लिया व्यापारियों को संबोधित करते हुए क्षेत्रीय विधायक ने कहा कि व्यापारी हित के लिए सरकार लगातार कार्य कर रही है और विशेषकर छोटे व्यापारियों को मजबूत करने के लिए सरकार ने कई योजनाएं चलाई हैं इस मौके पर भाजपा ओबीसी मोर्चा के प्रांतीय मंत्री अभिलाष चंद कौशल ने कहा कि व्यापारियों की सुरक्षा सबसे बड़ा मुद्दा हैसाथ व्यापारियों की संरक्षा की भी जरूरत है विधायक ने कहा कि व्यापारियों और ऊंचाहार के हर जनमानस की समस्याएं को निराकरण करने का प्रयास करता रहता हूं और आगे करता रहूंगा तथा आने वाले भविष्य में वह समाज एवं व्यापारियों को उनके उनके सम्मान, स्वाभिमान में आंच नहीं आने दूंगा इस अवसर पर राधेश्याम सोनी जिलाध्यक्ष भाजपा ओबीसी मोर्चा, मोनू कौशल सोनू सोनी, गिरधारी सोनी, राजू सोनी, ओम प्रकाश साहू, विकास श्रीवास्तव, पूर्व प्रधान लालचंद कौशल, बृजेश कौशल, राकेश कौशल, अमरेश यादव, जयचंद यादव, दिलीप कौशल बबलू जायसवाल सुनील पांडेय, सरोज शुक्ला, गया प्रसाद, गुंजन त्रिवेदी सहित तमाम लोग मौजूद रहे

राम मंदिर को आकाशीय बिजली से बचाने के लिए होंगे खास इंतजाम

जन एक्सप्रेस । अयोध्या

राम मंदिर का निर्माण कार्य मार्च 2025 तक पूरा हो जाएगा। निर्माण में यह पूरा ध्यान रखा जा रहा है कि मंदिर हजारों साल तक सुरक्षित रहे। इसके लिए खास इंतजाम किए जा रहे हैं।

राम मंदिर भवन निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र ने बताया कि राम मंदिर परिसर में चल रहे सभी निर्माण कार्य मार्च से जुलाई के बीच में पूरे हो जाएंगे। केवल परकोटा के निर्माण का काम अक्तूबर तक चलेगा। मंदिर का निर्माण कार्य मार्च 2025 तक पूरा हो जाएगा। शिखर का निर्माण सबसे चुनौती पूर्ण है।

शिखर पर मंदिर को आकाशीय बिजली से सुरक्षित रखने के लिए तड़ित चालक भी लगाया जाएगा। इसके लिए तांबे के 28 तार शिखर से जमीन तक डाले जाएंगे। इसके ऊपर एक यंत्र भी लगाया जाएगा। लोअर प्लिंथ में अब तक 60 म्यूरल लगाने की तैयारी हो चुकी है। इस पर ड्राइंग का काम पूरा कर लिया गया है। अब तक 21 म्यूरल बनकर आ गए हैं।

इसके अलावा भूतल, प्रथम व द्वितीय तल के गर्भगृह का जो परिक्रमा पथ है, वहां विशेष जालियों का निर्माण किया जा रहा है। इसका निर्माण टाइटेनियम से हो रहा है। कुल 30 जालियों का निर्माण रक्षा मंत्रालय की संस्था कर रही है।

परिजनों से मिली घर से बिछड़ी महिला

जन एक्सप्रेस । अमेठी

जिला प्रोबेशन अधिकारी अनिल कुमार मौर्य ने बताया महिला सशक्तिकरण के लिए संचालित वन स्टाप सेंटर अमेठी में घरेलू हिंसा, बाल विवाह,दहेज उत्पीड़न, छेड़छाड़ जैसे मामलों को लेकर वन स्टॉप सेन्टर बालिकाओं और महिलाओं को राहत दिलाने के लिए किसी संजीवनी से कम नहीं हैं।वन स्टाप सेंटर की केंद्र प्रबंधक गायत्री देवी ने बताया कि शनिवार को यूपी 112 द्वारा सखी वन स्टाप सेंटर में रात्रि दो बजे एक अज्ञात महिला को दाखिल किया गया था।जो मानसिक रूप से अस्वास्थ्य थी।रविवार को वन स्टाप सेंटर की केन्द्र प्रबंधक व केस वर्कर वन स्टॉप सेन्टर द्वारा महिला से पूछताछ की गयी तो महिला कुछ भी नहीं बता पा रही थी महिला बहुत डरी हुई थी।महिला को समझाया गया आप मुझसे अपनी बात बता सकती है।तो महिला ने कहा मुझे कुमारगंज पिपरी हलियापुर जाना है।हलियापुर चौकी प्रभारी से बात किया गया तो महिला से संबधित कोई जानकारी नहीं मिली तत्पश्चात महिला से पूछा गया तो महिला ने मोबाइल नंबर बताया। मोबाइल नंबर पर सम्पर्क किया गया तो महिला की ननद से महिला के बारे में पूछा गया,तो महिला ने बताया कि मेरी भाभी है।तीन दिन से बिना बताये घर से गायब है।सब उसको ढूंढ़ रहे हैं।तब महिला की ननद ने महिला का नाम पिंकी सिंह पति नाम अंकुर सिंह ऊर्फ अनुज सिंह गांव का नाम अजीत नगर ठकुराईया थाना कोतवाली नगर चौकी मकन्दरूगंज जनपद प्रतापगढ़ बताया।महिला की ननद रेनू सिंह को बताया गया कि आपकी भाभी जी सखी वन स्टाप सेंटर अमेठी में सुरक्षित हैं।तो महिला के पति सखी वन स्टाप सेंटर अमेठी आये पति पत्नी दोनों मिलकर बहुत खुश हुए और अपने साथ घर ले गये।एवं वन स्टॉप सेन्टर के समस्त कर्मचारियों का आभार प्रकट किया। इस मौके पर वन स्टॉप सेन्टर की केंद्र प्रबंधक गायत्री देवी,केस वर्कर सहित 112 की टीम उपस्थित रहे।

अयोध्या को विश्व स्तरीय नगरी बनाने में आर टी आई का योगदान: राज्य सूचना आयुक्त

जन एक्सप्रेस । अयोध्या

राज्य सूचना आयुक्त डॉ दिलीप अग्निहोत्री ने कहा कि अयोध्या को विश्व स्तरीय बनाने के अभियान में जन सूचना अधिकारी अपना योगदान सुनिश्चित करें। पारदर्शी व्यवस्था और लोगों की समस्याओं के निवारण में सूचना का अधिकार एक माध्यम है। राज्य सूचना अधिकारी अयोध्या सर्किट हाउस में ग्राम्य विकास से जन सूचना अधिकारियों और प्रथम अपीलीय अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर रहे थे। उन्होंने कहा कि यहां हजारों करोड़ रुपए की योजनाओं पर कार्य चल रहा है। अयोध्या को विश्व की सबसे सुंदर नगरी बनाने का लक्ष्य है। इस कार्ययोजना के क्रियान्वयन के बाद अयोध्या विश्व स्तरीय तीर्थाटन केंद्र के रूप में प्रतिष्ठित होगा।इस नगरी में आधुनिकता, वैज्ञानिकता और आध्यात्मिकता तीनों का समन्वय होगा।

सौ से ज्यादा देशों में प्रभु राम को अपना वंशज मानने वाला समुदाय है।

इक्ष्वाकुपुरी के रूप में सरयू के तट पर एक आध्यात्मिक सांस्कृतिक नगरी का सपना साकार होगा।

इसे विकसित करने के लिए नुजूल, वन और उद्यान विभाग की भूमि उपयोग में लाई जाएगी। इस संबंध में सूचना मांगने वाले नागरिकों के आवेदनों का भी समाधान करना होगा। इससे पूरी व्यवस्था का पारदर्शिता के साथ क्रियान्वयन सुनिश्चित होगा।

राना बेनी माधव सिंह समिति शंकरपुर के पदाधिकारियों ने किया क्षेत्र सम्पर्क एवं भ्रमण

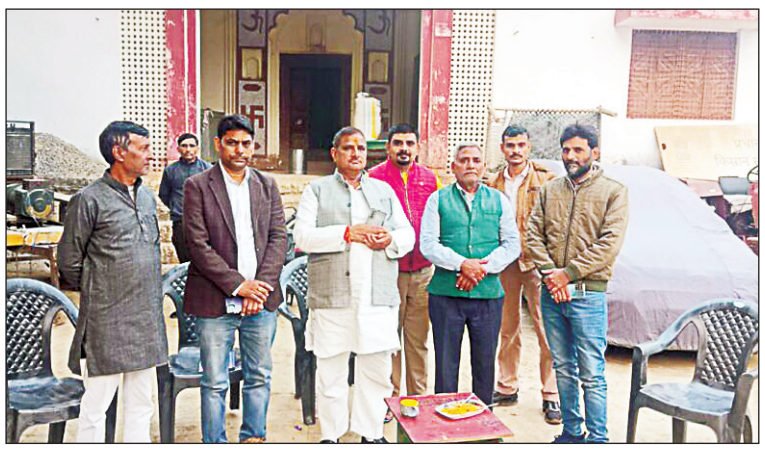

जन एक्सप्रेस । रायबरेली

रायबरेली जगतपुर राना बेनी माधव सिंह स्मारक समिति शंकरपुर द्वारा जनसंपर्क अभियान के क्रम में जनपद के पूरे इच्छा सिंह, मधवापुर, पूरे चौहानन, लक्ष्मणपुर, जगतपुर, नेवादा, बाबूगंज, ऐहारी मिर्जापुर, रोहनिया, ऊंचाहार सराय सहिजन, गनश्री मनीरामपुर, फरीदपुर, भदोखर, मेजरगंज, परमानपुर, कंदरावां, अरखा व चडरई आदि ग्रामों का भ्रमण राना बेनी माधव सिंह प्रतिमा स्थापना के परिपेक्ष में किया गया समिति पदाधिकरी डॉ0 आजेंद्र प्रताप सिंह, समर सिंह, बीपी सिंह, राम अकबाल बहादुर सिंह ने समिति के अध्यक्ष हरिचन्द्र बहादुर सिंह के साथ दर्जनों गांवो का दौरा किया और राना साहब से जुड़ी ऐतिहासिक जानकारियां क्षेत्र के बुजुर्गों द्वारा इकट्ठा कीश्री सिंह ने बताया है कि जनवरी के प्रथम सप्ताह में राना साहब की प्रतिमा आजाएगी और मूर्तिकारों कलाकारों द्वारा प्रतिमा स्थापना एवं साज सज्जा का कार्य पूरा किया जाएगा वहीं जनवरी के तीसरे या चौथे सप्ताह में विशालकाय प्रतिमा राना पार्क शंकरपुर में स्थापितकीजाएगीइस कार्यक्रम में स्थानीय, जनपद प्रदेश और देश से अतिथि आमंत्रित किए जाएंगे उन्होंने कहा कि अंग्रेजों के दांत खट्टे करने वाले और अंग्रेजो को भारत से भगाने वाले भारतीय वीर ऐतिहासिक महापुरुष 1857 की क्रांति के क्रांतिकारी अमर सेना नायक राजा राणा बेनी माधव सिंह की यादों को संजोने का ऐतिहासिक कार्य उनकी प्रतिमा को स्थापित कर विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से किया जाएगासम्पन्न होने वाले कार्यक्रम को लोग अपनी यादों में युगों युगों तक संजोए रहेंगे साथ ही आने वाली पीढ़ियों के लिए भी यह गौरव गाथा बन हमेशा जीवंत रहेगा।

रामनगरी में नववर्ष और रामलला की प्रतिष्ठा द्वादशी के लिए फुल हुए होटल और धर्मशालाएं

जन एक्सप्रेस । अयोध्या

रामनगरी में नववर्ष और रामलला के प्राण प्रतिष्ठा की पहली वर्षगांठ के लिए सभी होटल फुल हो चुके हैं। जहां भी जाइए वहां पर सोल्ड आउट की आवाज आपको सुनाई पड़ेगी। इसके साथ ही प्रयागराज में होने वाले महाकुंभ को लेकर भी श्रद्धालु अयोध्या पहुंचने वाले हैं। इसको लेकर भी सभी होटल और धर्मशालाएं फुल हो चुके हैं। नववर्ष से पहले रामलला के दर्शन करने वालों का यहां तांता लगा हुआ है। इसके साथ ही रामलला का प्रतिष्ठा द्वादशी पर्व भी मनाया जाना है। इसमें देश भर से श्रद्धालु अयोध्या पहुंचेंगे। यही नहीं फूलों की भी डिमांड बढ़ गई है। मंदिरों में पूजा-अर्चना और सजावट के लिए फूलों की डिमांड बढ़ गई है। रामलला की प्रतिष्ठा द्वादशी पर्व के लिए अयोध्या धाम को फूलों से सजाया जाएगा।

केंद्रीय कानून मंत्री बोले- वन नेशन वन इलेक्शन और वक्फ अमेंडमेंट बिल पर जेपीसी की रिपोर्ट सदन में पेश की जाएगी

जन एक्सप्रेस । अयोध्या

रामलला का दर्शन करने अयोध्या पहुंचे केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन नाम मेघवाल ने वन नेशन वन इलेक्शन और वक्फ अमेंडमेंट बिल पर कहा कि यह दोनों विधेयक जेपीसी के पास हैं, जब रिपोर्ट आएगी तो इसे सदन में रखा जाएगा। मेघवाल ने कहा कि कुछ बिल ऐसे होते हैं, जो रेगुलर पार्लियामेंट्री स्टीयरिंग कमेटी के पास जाते हैं लेकिन सदन में इन दोनों बिलों के लिए जेपीसी की मांग की गई। इसके बाद दोनों बिल को जेपीसी के हवाले कर दिया गया है। जिस तरह से 2024 में सदन में बिल पेश किए गए, वैसे ही 2025 में भी बिल पेश किया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि उनके तीसरे कार्यकाल में तीन गुना ज्यादा काम होगा। जो भी बिल जरूरी होंगे, उनको सदन में पेश किया जाएगा। अयोध्या को लेकर मेघवाल ने कहा कि अयोध्या धीरे-धीरे आध्यात्मिक केंद्र के रूप में विकसित हो रही है और यह बहुत ही शुभ संकेत हैं। लाखों श्रद्धालु प्रतिदिन अयोध्या आ रहे हैं। यह एक सांस्कृतिक चेतना है, जो जाग रही है, ये देश के लिए अच्छी बात है।

नेहरू युवा केन्द्र द्वारा नशा मुक्ति और मादक पदार्थ सेवन पर विशेष कार्यक्रम आयोजित हुआ

जन एक्सप्रेस । रायबरेली

हरचंदपुर नेहरू युवा केंद्र के तत्वाधान में हरचंदपुर विकास खंड में बाबू एल पी एस विद्यालय में जिला युवाअधिकारी गोपेश पांडेय के निर्देशन में नशा मुक्ति और मादक पदार्थ सेवन पर विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवाओं को नशे की बुरी लत और मादक पदार्थों के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना थाकार्यक्रम का संचालन सुरेश कुमार द्वारा किया गया जिन्होंने कार्यक्रम को सुचारु रूप से आगे बढ़ाते हुए उपस्थित लोगों को विषय की गंभीरता से अवगत कराया। मुख्य वक्तव्य समाज सेवक अनूप अवस्थी द्वारा दिया गया जिसमें उन्होंने नशा और मादक पदार्थों के दुष्प्रभावों पर विस्तार से चर्चा कीउन्होंने बताया कि नशे की लत न केवल व्यक्ति के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करती है, बल्कि परिवार और समाज पर भी नकारात्मक प्रभाव डालती है सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के डाक्टर सचिन निगम ने युवाओं को समझाया कि नशा सिर्फ एक व्यक्तिगत समस्या नही है बल्कि यह सामाजिक और राष्ट्रीय विकास में बाधा बनता हैउन्होंने नशा छोड़ने के लिए उपलब्ध संसाधनों और पुनर्वास केंद्रों के बारे में भी जानकारी दीविद्यालय

कीप्राचार्या सपना श्रीवास्तव नेअपनेसंबोधन में कहा कि भारत को सशक्त बनाने के लिए युवाओं को अपनी ऊर्जा रचनात्मक और सकारात्मक कार्यों में लगानी होगीउन्होंने युवाओं से अपील की कि वे नशे से दूर रहकर अपने भविष्य को उज्जवल बनाएं और दूसरों को भी इसके प्रति जागरूक करेंकार्यक्रम के दौरान विशेषज्ञ वक्ताओं ने भी अपनी बात रखी उन्होंने मादक पदार्थों के सेवन से जुड़ी स्वास्थ्य समस्याओं और इनके दुष्प्रभावों पर जागरूक किया इसके साथ ही नशा मुक्ति के लिएअपनाईजानेवाली तकनीकों और सामाजिक समर्थन की महत्ता पर जोर दिया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में युवा, स्थानीयनागरिक सामाजिक कार्यकर्ता और अन्य सम्मानित अतिथियों ने भाग लियाउपस्थित लोगों ने इस पहल की सराहना करते हुए नशा मुक्ति के अभियान को सफल बनाने में सहयोग देने का संकल्प लिया।

कानपुर नगर एक्सप्रेस

हिंदी दैनिक, जन एक्सप्रेस | @janexpressnews | janexpresslive | www.janexpresslive.com/epaper | janexpresslive | लखनऊ, सोमवार, 30 दिसंबर, 2024

जिला स्तरीय बेसिक टीचिंग स्टाफ क्रिकेट...

रविवार को जिला स्तरीय बेसिक टीचिंग स्टाफ क्रिकेट टूर्नामेंट का शुभारंभ गन्ना विकास एवं चीनी मिल राज्य मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार संजय सिंह गंगवार के द्वारा स्वंय... ▶ शेष पेज 10 पर...

मेयर मैडम ने फिर बंद पड़े मंदिर को खुलवाया

जन एक्सप्रेस । कानपुर नगर

शहर में बंद पड़े मंदिरों को खुलवाए जाने का अभियान मेयर प्रमिला पांडे का जारीहै। रविवार की सुबह मेयर डिप्टी पड़ाव स्थित बैंड मंदिरों को खुलवाने के लिए पहुंची। इस अभियान में दो कंपनी पीएसी और पांच थाने की फोर्स उनके साथ चल रही थी। नियर मैडम करीब 100 मी तंग गलियों से होते हुए बंद पड़े मंदिर तक पहुंची। वहां देखा कि मंदिर के आसपास कब्जा किया गया था। मंदिर की जमीन पर एक हिंदू परिवार नहीं कब्जा कर रखा था। यह मंदिर पूरी तरह सुरक्षित था। मेयर मंदिर के अंदर गई और पूजा अर्चना की। हिंदू परिवार का कहना है कि उन्होंने मंदिर को बचाने के लिए चारों तरफ से घर बनाकर उसे कवर कर लिया था। मेयर ने कहा कि बैंड मंदिरों को खोला जाएगा और इनमें पूजा भी की जाएगी। बता दे मेयर का यह तीसरा अभियान है। इससे पहले 19 दिसंबर 23 दिसंबर को भी मंदिरों से कब्जा हटाया गया था।

मुस्लिम बाहुल्य क्षेत्र में स्थित है यह सारे मंदिर

भारी पुलिस फोर्स के साथ महापौर अंदर दाखिल हुई तो मंदिर पूरी तरह सुरक्षित देखने को मिला। एक हिंदू परिवार मंदिर को सुरक्षित रखे हुए हैं। आसपास मुस्लिम बाहुल्य क्षेत्र है। मंदिर के अंदर सभी देवी देवताओं की प्रतिमा सुरक्षित अवस्था में मिली है। हिंदू परिवार मंदिर में रोजाना पूजा अर्चना करता है। महापौर ने कहा कि अवैध निर्माण किया गया है इसे तोड़ा जाएगा। मंदिर की देखरेख करने वाले आदर्श तिवारी ने कहा कि मंदिर करीब 100 साल पुराना है। यह पूरा मुस्लिम एरिया है। मंदिर की रक्षा करने के लिए आसपास दुकान और मकान बनाया गया है। यह नहीं बनते तो मंदिर भी सुरक्षित नहीं बचता। मंदिर का गुंबद भी पूरी तरह सुरक्षित है। मंदिर का स्थान पूरी तरह बचा कर रखा गया है। मंदिर के चारों तरफ अवैध अतिक्रमण किया गया है। लोगों का कहना है कि मंदिर आने-जाने के लिए पहले चौड़ा रास्ता हुआ करता था। लेकिन अब मंदिर के आगे मात्र 5 फीट चौड़ा सकरा रास्ता ही बचा है। आगे बड़ी मार्केट का निर्माण कर दिया गया है। मेयर मैडम ने कहा यहां पर भी पूरा कब्जा है। जब सभी मंदिरों को तुड़वा कर ठीक करेंगे तो उसमें यह मंदिर भी शामिल होगा।

किशोरी के साथ पिता के दोस्त ने की अश्लील हरकत, किशोरी ने की आत्महत्या

जन एक्सप्रेस । कानपुर नगर

ग्वालटोली थाना क्षेत्र में बीते दिन एक किशोरी उम्र लगभग 17 वर्ष में आत्महत्या कर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। मामले में आरोपी किशोरी के पिता का दोस्त है। जिसे वह चाचा का कर बुलाती थी। वह उसके साथ अश्लील हरकत करता था और करैक्टर पर सवाल उठता था। इन्हीं सब बातों से परेशान होकर लड़की ने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। बेटी की मौत के बाद पिता ने आरोपी के खिलाफ 28 दिसंबर को ग्वालटोली थाने में मुकदमा दर्ज कर दिया है। पुलिस मामले की जांच पड़ताल में जुड़ गई है। पीड़िता के पिता के मुताबिक शूटर गंज ग्वालटोली के रहने वाले योगेश साहू से 2 साल पहले उसकी दोस्ती हुई थी। वह जनरल स्टोर चलता है। उसे जब भी मौका मिलता था घर पर आता जाता था। धीरे-धीरे पारिवारिक रिश्ते हो गए। मेरी दोनों बेटियां योगेश साहू को चाचा बुलाती थी। योगेश मेरी बड़ी बेटी पर बुरी नियत रखता था। जिसकी शिकायत बेटी ने अपनी मां से की थी। जब उन्हें इसकी जानकारी हुई तो उन्होंने योगेश की मां और पत्नी से शिकायत की। उसके बाद योगेश के आने-जाने पर रोक लगा दी गई।

बेटी को कॉलेज आते जाते समय करता था परेशान

पिता ने यह भी आरोप लगाया है कि पत्नी और मन से शिकायत किए जाने के बाद भी योगेश अपनी हरकतों से बाज नहीं आया। वह बड़ी बेटी को कॉलेज आते जाते वक्त परेशान करने लगा। मुझे जब इस बात की जानकारी हुई तो मैं खुद बेटी को कॉलेज छोड़ने और वहां से लाने का काम करने लगा। इन सब गेटों से मेरी बेटी डिप्रेशन में आ गई और गुमसुम रहने लगी थी।

छोटी बेटी को भी बनाना चाहता था हवस का शिकार

पिता ने यह भी बताया की बड़ी बेटी के संकट से वो जूझ रहे थे। इसी दौरान छोटी बेटी उम्र लगभग 16 वर्ष ने जानकारी दी कि योगेश ने उसके साथ भी कई बार गलत हरकत करने का प्रयास किया था। योगेश उसे अपने फोन पर अश्लील फोटो और वीडियो दिखाता था। पिता के मुताबिक इन्हीं सब कर्म के चलते बीते 2 साल से उन्हें योगेश से पूरी तरह से सारे रिश्ते समाप्त कर लिए थे। उन्हें लगा था कि यह सब करने के बाद योगेश उनकी बेटियों को परेशान नहीं करेगा। मगर ऐसा नहीं हुआ। 31 अगस्त 2024 को बड़ी बेटी का जन्मदिन था। इस दिन योगेश ने उसे मैसेज किया। जब वह स्कूल जाने के लिए निकली तो रास्ते में रोकड़ उसके बात करने की कोशिश की।

बेटी की शादी तय की तो अज्ञात नंबर से की अभद्र टिप्पणी

पीड़ित पिता ने बताया कि उन्होंने बड़ी बेटी की मंगनी 1 दिसंबर 2024 को तय कर दी। योगेश को जब इसकी सूचना मिली तो उसने 14 दिसंबर 2024 को भिलाई में रहने वाली उनकी बहन को एक दूसरे नंबर से फोन कराया। फोन करने वाले ने बड़ी बेटी के चरित्र के बारे में उल्टा सीधा कहा। इतना ही नहीं आप शब्दों का भी प्रयोग किया। उसी दिन शाम को वह पत्नी से इन सभी बिंदुओं पर चर्चा कर रहे थे तभी बड़ी बेटी ने सब सुन लिया। वह रोने लगी और कहने लगी कि योगेश अंकल मेरा जीवन बर्बाद कर देंगे। मैं बेटी को समझाया और उसको कमरे में भेज दिया।

कमरे के अंदर जाकर लगाई फांसी

जब बातचीत खत्म हो गई तो उन्होंने छोटी बेटी से कहा कि कमरे से अपनी दीदी को बुला लाओ। छोटी बेटी उसके कमरे में पहुंची तो जोर से चिल्लाने लगी। आवाज सुनकर हम लोग कमरे में पहुंचे तो देख बड़ी बेटी फांसी पर लटक रही थी। उसके बाद उसे फंदे से उतर कर प्राइवेट अस्पताल ले गए जहां डॉक्टर ने उसे अमृत घोषित कर दिया। मामले में ग्वालटोली थाना प्रभारी दुर्गेश मिश्रा ने बताया कि मामला संज्ञान में आया है। आरोपी के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का केस दर्ज किया गया है। इसकी जांच की जा रही है आरोपी को अभी गिरफ्तार नहीं किया गया है। जल्दी आरोपी सलाखों के पीछे होगा।

विपरीत दिशा से आ रही कार ने दो को रौंदा, एक की मौके पर मौत एक घायल

जन एक्सप्रेस । कानपुर नगर

शिवराजपुर। रविवार की शाम दुबियाना गाँव के पास हाईवे की सर्विस रोड पर विपरीत दिशा से आ रही तेज रफ्तार अनियंत्रित कार ने साइकिल सवार और मोपेड सवार को पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि साइकिल के परखच्चे उड़ गए और अधेड़ की मौत पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि मोपेड चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। रविवार शाम ककवन थाना क्षेत्र के औरोंतहारपुर गांव निवासी रामनारायण पुत्र देवी दयाल और वार्ड नंबर 7 राजा सती प्रसाद निवासी बुधलाल शिवराजपुर की ओर से आ रहे थे। तभी दुबियाना गांव के समीप हाईवे की सर्विस रोड पर विपरीत दिशा में आ रही अनियंत्रित कार ने मोपेड सवार और साइकिल सवार को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों उछलकर दूर जा गिरे जिससे साइकिल सवार की मौके पर ही मौत हो गई और मोपेड सवार वार्ड नंबर 7 निवासी बुधलाल गंभीर रूप से घायल हो गया सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल बुधलाल को सीएचसी शिवराजपुर में भर्ती कराया जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसे कानपुर रेफर कर दिया गया वहां मौजूद राहगीरों ने बताया कि कार चालक की लापरवाही के कारण यह दुर्घटना हुई। पुलिस ने मृतक के परिजनों को सूचना देने के साथ शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया पुलिस ने कार चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

अगर आपके पास भी है कार तो हो जाएं सावधान, रिम चुराने वाला गिरोह हुआ सक्रिय

जन एक्सप्रेस । कानपुर नगर। कानपुर शहर में कर टायर रिम चुराने वाला गिरोह सकरी हो गया है। अकेले नजीराबाद थाना क्षेत्र की बात करें तो बीते कुछ दिनों में 30 रिम से अधिक चोरी हो चुके हैं। रिम चुराई जाने का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। रिम चोरों से परेशान होकर कारोबारी ने नजीराबाद थाने में मुकदमा दर्ज करवाया है। नारायणपुरवा नजीराबाद के रहने वाले मनदीप सिंह ने पुलिस को दिए गए प्रार्थना पत्र के माध्यम से बताया कि उनकी सरोजिनी नगर में टायर व रिम की दुकान है। उनके यहां से 13 दिसंबर को चोरों ने आठ रिम, इसी तरह 15 दिसंबर को नारायण पूर्व के देवेंद्र सिंह के यहां से पांच रिम, 16 दिसंबर को इन्हीं के यहां से 10 रिम, इसके अलावा 19 दिसंबर को सरोजिनी नगर के गुनीत सिंह भाटिया के यहां से 10 दिन चोरी कर लिए हैं।

पति बोला, इंस्पेक्टर साहब मुझे मेरी बीवी से बचाओ, वरना मार डालेगी

जन एक्सप्रेस । कानपुर नगर

चकेरी थाना क्षेत्र में पति और पत्नी का झगड़ा भी सड़क पर हाईटेक रूप में उतर आया। पत्नी ने पति को इस कलर भयभीत कर दिया कि उसने चकेरी थाने में पत्नी और साल के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर दिया। 20 सड़क पर पत्नी ने पति को रोक कर खुले आम धमकी दी की एक माह में उसे मार देगी। पति ने बताया उसके ससुराल वाले दबंग किस्म के लोग हैं, और उसे जान का खतरा बना हुआ है। चकेरी पुलिस के मुताबिक मामले में जांच की जा रही है जो भी तथ्य प्रकाश में आएंगे उसके अनुसार कार्रवाई की जाएगी।

शिवशंकर पुरम चकरी निवासी रवि द्विवेदी प्राइवेट नौकरी करते हैं। रवि के मुताबिक उसकी शादी राधा नाम की महिला से हुई थी। शादी के बाद उनके संबंध ससुराल वालों से अच्छे नहीं रहे। जिस कारण पत्नी राधा भी उनके साथ नहीं रहती थी। रवि का आरोप है कि 18 दिसंबर की शाम लगभग 4.00 बजे वह मोटरसाइकिल से अपने मित्र अजय यादव के साथ जा रहा था। इस दौरान पटेल नगर व अहिरवा पुल के बीच पत्नी राधा और उसके भाई अनुभव ने रवि का रास्ता रोक लिया। उसकी उसकी मोटरसाइकिल रुकवा ली। मोटरसाइकिल को रोकने के बाद पत्नी के भाई अनुभव ने उसके साथ गाली गलौज की। इस दौरान पत्नी ने अनुभव को पीछे किया और खुद आगे आ गई। रवि का आरोप है की पत्नी ने उससे कहा कि देखते जाओ एक मां के बीदर तुम्हें मार दूंगी। रवि के मुताबिक उसे दिन के बाद से वह बहुत भयभीत है। उसे अपनी जान का डर सता रहा है क्योंकि उसके ससुराल वाले दबंग किस्म के लोग हैं। रवि चकेरी थाने पहुंचा और फिल्मी स्टाइल में बोला मुझे मेरी बीवी से बचाव वह मुझे मार डालेगी। मामले में इंस्पेक्टर चकेरी अशोक कुमार दुबे ने कहा कि मामला संदिग्ध है।

पीड़ित की तारीख के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है मगर इस मामले में ठीक से जांच पड़ताल के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सर्राफा कारोबारी का डेढ़ करोड़ का सोना लेकर कारीगर हुआ था फरार

जन एक्सप्रेस । कानपुर नगर। कानपुर में सर्राफा कारोबारी गौरव पॉल और शेख सरफराज अली का डेढ़ करोड़ का सोना लेकर कारीगर मानस हेत परिवार समेत फरार हो गया था। इस मामले में शेख सरफराज अली ने थाना फीलखाना में 6 दिसम्बर को एफआईआर दर्ज करवाया था। जिसके बाद पुलिस की एक टीम पश्चिम बंगाल रवाना हो गई थी। अजय ज्वेलर्स के मालिक सराफा कारोबारी गौरव पॉल ने बताया कि मूलरूप से पश्चिम बंगाल के ग्राम मुजलिसपुर के सागरपुर का रहने वाला कारीगर मानस हेत पिछले 18 वर्षों से उनकी दुकान पर काम कर रहा था। उन्होंने बताया कि मानस उनकी दुकान से भी जेवर बनाने के लिए 995 ग्राम सोना ले गया, जिसकी कीमत उन्यासी लाख दस हजार दो सौ पचास रुपये है। दूसरे सर्राफा कारोबारी शेख सरफराज अली की बिरहाना रोड़ पर रफ ज्वेलर्स के नाम से दुकान है। उन्होंने मानस को 24 कैरेट का 891 ग्राम सोना जेवर बनाने के लिए पांच दिसंबर को दिया था। जिसकी कीमत सत्तर लाख रूपये से ज्यादा है। मानस का पता न चलने पर पुलिस की एक टीम गौरव पॉल के साथ पश्चिम बंगाल गई थी। वहां पुलिस ने मानस के घर और ससुराल में दबिश दी थी।

ब्लॉक प्रमुख निधि से पूर्व सांसद की स्मृति में खेलकूद मैदान और ओपन जिम का निर्माण

- ब्लॉक प्रमुख ने पूर्व प्रधानमन्त्री स्व डॉ0 मनमोहन सिंह को दी गई श्रद्धांजलि

जन एक्सप्रेस । कानपुर नगर

ब्लॉक कल्याणपुर के अंतर्गत ग्राम सुरार में ब्लॉक प्रमुख अनुराधा अवस्थी ने स्वयं की निधि से पूर्व सांसद स्व श्याम बिहारी मिश्र की स्मृति में खेलकूद मैदान और ओपन जिम का निर्माण कराया, जिसे पूर्व सांसद स्व श्याम बिहारी मिश्र की पत्नी जयंती मिश्रा को समर्पित किया गया। इस अवसर पर मिश्र जी का पूरा परिवार उपस्थित रहा।

सभी ने ब्लॉक प्रमुख को धन्यवाद प्रेषित किया। कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने पूर्व प्रधानमंत्री स्व डॉ0 मनमोहन सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित करने के साथ साथ 2 मिनिट का मौन भी रखा गया।

कार्यक्रम में वरिष्ठ भाजपा नेता दिनेश अवस्थी, ब्लॉक प्रमुख अनुराधा अवस्थी, कल्याणपुर विधायक नीलिमा कटियार, क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रकाश पाल, जिला अध्यक्ष दिनेश कुशवाहा, एम एल सी अविनाश सिंह चौहान, प्रदेश अध्यक्ष व्यापार मंडल मुकुंद मिश्र, रामदेव शुक्ल,दीप अवस्थी, कार्मेंद्र पाण्डेय, दिनेश बाजपेई, दीपू पाण्डेय एवं श्याम बिहारी मिश्र को चाहने वाले सभी लोग मौजूद रहे।

जीआरपी पुलिस के हत्थे चढ़ा शराब तस्कर

जन एक्सप्रेस । कानपुर नगर

सेंट्रल स्टेशन पर जीआरपी पुलिस ने अवैध इंग्लिश शराब की बोतलों के साथ एक युवक को गिरफ्तार कर लिया है। पकड़े गए युवक से जीआरपी पुलिस पूछताछ कर रही है। आपको बताते चले बीते कई महीनो से जीआरपी पुलिस लगातार ट्रेनों में चोरी की घटनाओं और मादक पदार्थ तस्करी को रोकने के लिए अभियान चला रही है। इसी अभियान के अंतर्गत सूचना के बाद युवक को गिरफ्तार किया गया। जिसके पास से इंग्लिश शराब की बोतले बरामद हुई है। पकड़े गए आरोपों के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई अमल में लाई गई है। कानपुर सेंट्रल के प्लेटफार्म नंबर एक के पास से युवक को पकड़ा गया है। जिसके पास से इंग्लिश शराब की बोतल मिली है। मामले में जीआरपी इंस्पेक्टर ओम नारायण ने बताया कि स्टेशन पर लगातार मादक पदार्थ तस्करी के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में रविवार को भी अभियान चलाया जा रहा था तभी सूत्रों ने बताया की बिहार के रहने वाले संजय दास नाम के एक युवक जो की अंग्रेजी शराब की बोतलों को लिए हुए खड़ा हुआ है। इसके बाद तुरंत कार्रवाई करते हुए जीआरपी इंस्पेक्टर ओम नारायण और उनकी टीम ने युवक को प्लेटफार्म नंबर एक पर पकड़ लिया। युवक के पास से 32 इंग्लिश शराब के क्वार्टर मिले हैं। पकड़े गए युवक से पूछताछ करने के बाद वैधानिक कार्रवाई अमल में लाई गई है।

उर्सला अस्पताल में नर्स के भाई ने युवती पर चाकू से किया जानलेवा हमला

जन एक्सप्रेस । कानपुर नगर

शहर के जाने-माने गुरसरा अस्पताल में इलाज के नाम पर लिए गए 50 हजार रुपए वापस मांगने पर नर्स के भाई ने युवती पर चाकू से जानलेवा हमला कर दिया। युवती ने मामले की शिकायत कोतवाली थाने में की है। युवती की तहरीर पर आरोपी युवक के खिलाफ हत्या के प्रयास की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। मुकदमा दर्ज किए जाने के बाद रविवार के सुबह पुलिस ने आरोपी को हिरासत में ले लिया और पूछताछ शुरू कर दी।

घटनाक्रम के मुताबिक बजरिया थाना क्षेत्र में रहने वाली युवती सुजाता ने बताया कि वह 5 महीने पहले अपने बीमार माता-पिता का इलाज करने के लिए उर्सला अस्पताल गई थी। यहां पर उसकी मुलाकात अस्पताल परिसर में रहने वाली एक नर्स के भाई अमन उर्फ आर्यन से हुई। आर्य ने इलाज करने में मदद का झांसा देकर ?50 हजार रुपए ले लिए। इसके बाद इलाज भी नहीं कराया। सुजाता ने बताया कि उन्होंने जब रुपए वापस मांगे तो अमन ने 27 दिसंबर को अस्पताल परिसर में बुलाया था और कहा था कि पापा से पैसा दिलवा देगा। सुजाता ने आप यह भी लगाया है कि जब वह रुपए लेने पहुंची तो अमन घर से नीचे सुन सा जगह पर ले गया और कहां की मेरे पास रुपए नहीं है। फिर उसने कहा कि आज तुम्हारा काम तमाम कर दूंगा। जब तुम नहीं रहोगी तो रुपए कौन मागेगा। इतना कहते हुए उसने चाकू से गर्दन पर कई वार किए। युवती ने बचने का काफी प्रयास किया और अपनी जान बचाकर वहां से भाग निकली। यूपी में शनिवार शाम को हालत में सुधार होने पर कोतवाली थाने में मामले की शिकायत दर्ज कराई है। कोतवाली थाना प्रभारी संतोष शुक्ला ने बताया कि हत्या के प्रयास में रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। चाकू भी बरामद हो गया है। रविवार को उसे कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया।

मसाले की गाड़ी छोड़ने पर 4 जीएसटी अधिकारी हुए सस्पेंड

जन एक्सप्रेस । कानपुर नगर

शहर में पान मसाला कारोबारियों द्वारा बड़े पैमाने पर जीएसटी चोरी का खेल खेला जा रहा है। कारोबारी जीएसटी अधिकारियों के मिली भगत से ही इस पूरे खेल को अंजाम देने में सफल हो पा रहे हैं। इसका मामला लखनऊ तक पहुंच गया तो सीएम योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर मामले में दोषी पाए गए चार जीएसटी अधिकारियों को तुरंत सस्पेंड कर दिया गया है।

उत्तर प्रदेश की राजधानी में पकड़ी गई चार पान मसाला गाड़ियां

कानपुर से लखनऊ जा रही चारों गाड़ियों में करोड़ों रुपए का पान मसाला था। जिसका करोड़ का जीएसटी बनता था। लेकिन अफसर ने ई-वे बिल जांच बिना इन्हें कानपुर से जाने दिया मगर लखनऊ में पकड़ ली गई। मामले में राज्य कर आयुक्त ने कानपुर जोन दो के अंकुर द्विवेदी, सचल दल के संदीप कुमार, जगत प्रकाश, वह जगदीश प्रसाद को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। इनमें से दो को आगरा और दो को इटावा कार्यालय से संबद्ध किया गया है। इन अधिकारियों पर आरोप है कि इन्होंने ई-वे दिल को स्कैन और जांच किए बिना ही माल को ले जाने दिया। मामले में इनके ऊपर पान मसाला वालों से मिली भगत का अंदेशा जताया जा रहा है। इस मामले की जांच लखनऊ के अधिकारियों को सौंपी गई है। इसमें देखा जाएगा कि कितने की जीएसटी चोरी का मामला है। अफसर की कितनी मिली भगत रही है। जिसके बाद अफसर पर आगे की कार्रवाई का निर्धारण किया जाएगा।

हो सकती है बड़ी कार्रवाई

प्रमुख सचिव के आदेश के बाद भी करोड़ों का माल बगैर जांच के जाने देने का मामला उजागर होने पर कारोबारी से अफसर के सांठगांठ पर अंदर खाने की चर्चा तेज हो गई है। कानपुर में लंबे समय से तैनात पांच सहायक आयुक्त पर जल्द ही बड़ी कार्यवाही हो सकती है। प्रमुख सचिव स्तर पर इन पांचो को तलब करने के साथ ही इनकी जांच भी कराई जा रही है। पान मसाला कारोबारी के साथ उनकी मिली भगत के पक्के साक्ष्य भी मिले हैं। पांचो की काली करतूत की शिकायत सीएम कार्यालय तक पहुंचा दी गई है। विभागीय सूत्रों के अनुसार लंबे समय से कानपुर में तैनात पांच सहायक आयुक्त पान मसाला कारोबारी से मिले हुए थे। यह भी बताया जा रहा है कि पान मसाला कारोबारी से जीएसटी अफसर के मिली भगत में वरिष्ठ अफसर के भी शामिल होने के बाद सामने आ रही है। सूत्रों के अनुसार करीब एक माह पहले कानपुर में तैनात अपर आयुक्त स्तर के दो अधिकारियों को प्रमुख सचिव की ओर से चार्ज शीट भी मिल चुकी है। इसी मामले में कानपुर में और बड़ी कार्रवाई होने की संभावना बताई जा रही है। शहर के कई बड़े मसाला कारोबारी पर भी कार्यवाही हो सकती है।

जन एक्सप्रेस

सम्पादकीय

पंजाब में पैर पसारता गैंगस्टर कल्चर

पंजाब में फिरौती और अपहरण की घटनाएं लगातार बढ़ रही है। प्रदेश में बढ़ती अपराधिक घटनाओं से जनता में सरकार के प्रति आक्रोश बढ़ता जा रहा है। गैंगस्टरों के गुर्गे लोगों में डर पैदा करने के लिए फायरिंग का सहारा ले रहे हैं। इन लोगों द्वारा फिरौती की मांग की जाती है यदि उनकी मांग पूरी नहीं होती तो गुर्गे घर के बाहर फायरिंग करके उन्हें भयभीत करने की कोशिश करते हैं। गैंगस्टरों के लिए काम करने वाले लोग अपने गली मोहल्लों में भोले भाले बनकर रहते हैं। सूत्रों से पता चला है कि गैंगस्टरों के गुर्गों को काम सौंपा गया है कि वह धनी लोगों की लिस्ट बनाएं।

पंजाब में जिस प्रकार गैंगस्टर कल्चर पनपने लगा है ,वह सरकार और पुलिस के लिए चिंता का विषय बना हुआ है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार गैंगस्टरों के गुर्गे किशोर और नवयुवा लड़कों को शीघ्र अमीर बनने के सपने दिखाने के साथ साथ ब्रांडेड कपड़े और जूते का भी लालच देकर उन्हें गुनाह की दुनिया में धकेल रहे हैं। अक्सर यह गुर्गे गरीब बच्चों की तलाश में रहते हैं और जो टीन एजर्स बच्चे इनके जाल में फंस जाते हैं उनके हाव-भाव में बड़ा अंतर देखने को मिल जाता है। ऐसे बच्चे महंगे हथियारों के भी शौकीन होते जा रहे हैं। पंजाब के शिक्षकों का कहना है कि पहले पंजाब में भगत सिंह,शहीद ऊधम सिंह, राजगुरु और सुखदेव नौजवानों के आदर्श थे लेकिन अब यहां नवयुवकों एवं किशोरों ने लॉरेंस बिश्नोई, जग्गू भगवानपुरिया, अनमोल बिश्नोई, गोल्डी बरार, सचिन बिश्नोई, काला जटेडी, विक्रम बराड़ को अपना आदर्श मानना शुरू कर दिया है। एक विशेषज्ञ क्राइम ने बताया कि आजकल पढ़े-लिखे भी इन अपराधियों की गैंग में भर्ती हो रहे हैं, क्योंकि लाख कोशिशों के बाद भी यहां के युवाओं को सरकारी नौकरी या ढंग का रोजगार नहीं मिल पा रहा है। पैसा कमाने,रोजी रोटी चलाने और भौतिक चमक दमक से भरे सपनों को पूरा करने के लिए पंजाब के युवा इन गैंगस्टरों की ओर आकर्षित हो रहे हैं। पंजाब पुलिस के बड़े अधिकारियों का कहना है कि अब जितने गैंगस्टर रोजाना पकड़े जा रहे हैं उससे ज्यादा पैदा हो रहे हैं। आज सामाजिक ताना-बाना ही बिगड़ चुका है। आजकल स्कूल जाने वाले बच्चे भी गैंगस्टरों के लिए काम कर रहे हैं। टीन एजर्स बच्चे गैंगस्टरों के कहने पर फिरौती लेने के लिए लोगों के घरों के बाहर गोलियां चलाकर डराने का वातावरण पैदा कर रहे हैं। मानसा, मुक्तसर, बरनाला ,फिरोजपुर जिलों में ऐसी घटनाएं हो चुकी है।गैंगस्टर बच्चों का भी प्रयोग कर रहे हैं। छोटे-छोटे बच्चों से रेकी करवाई जा रही है और महिलाओं से हथियार भेजे जा रहे हैं। पंजाब में बढ़ते गैंगस्टर कल्चर का आलम यह है कि किसी घटना को अंजाम देने के पश्चात गैंगस्टर तुरंत सोशल मीडिया पर घटना की जिम्मेवारी ले लेते हैं। पंजाब सरकार और पंजाब पुलिस के लिए ये चुनौती देते दिख रहे हैं। पंजाब, हरियाणा ,राजस्थान,मुंबई और मध्य प्रदेश में हुई कुछ वारदातों का संबंध पंजाब के गैंगस्टरों से होने के कारण पंजाब पुलिस के हाथ पांव फूले हुए हैं। पिछले दिनों पंजाब पुलिस ने 51 गैंगस्टरों के गुर्गों का लंगड़ा अभियान अवश्य चलाया है जिससे गैंगस्टरों में थोड़ी घबराहट जरुर महसूस की जा रही है। पंजाब पुलिस कुख्यात गैंगस्टर अनमोल बिश्नोई को अमेरिका से लाने की कोशिश कर रही है। उधर, दिल्ली और हरियाणा की पुलिस गैंगस्टरों के एनकाउंटर करने में लगी हुई है। वहीं,पंजाब का प्रसिद्ध गैंगस्टर जग्गू भगवानपुरिया मारा जा चुका है उसने लॉरेंस बिश्नोई के विरुद्ध अभियान छेड़ा हुआ था। कहा जा रहा है कि उसके कार्यकर्ता पुलिस से जा मिले हैं,जो लॉरेंस गैंग को कमजोर करने में लगे हुए हैं। सूत्रों के अनुसार पिछले एक महीने में 231 गैंगस्टरों के गुर्गे पकड़े जा चुके हैं, 23 एनकाउंटर और 37 गैंगस्टरों को पकड़ा जा चुका है। पंजाब में अधिकतर गैंगस्टर नॉनवेज और महंगी शराब के शौकीन हैं, लूट का माल वह जिस तरह उड़ाते हैं देखने वाले दंग रह जाते हैं।

एक्सप्रेस आलेख

दूसरी तरफ, भाजपा को हर वक्त बुरा-भला कहने वाले यह भी जान लें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने ही अपने कार्यकाल में अभी तक मुसलमान औरतों के हक में तमाम बड़ी योजनाएं लागू की हैं। मोदी सरकार की ही पहल पर मुसलमान औरतों को तीन तलाक से मुक्ति मिली। इस बाबत सुप्रीम कोर्ट का ऐतिहासिक फैसला आया। इसने मुसलमान औरतों को तीन तलाक की बर्बर कुप्रथा से मुक्ति दिलवा दी है। सुप्रीम कोर्ट ने इस दौरान तीन तलाक पर रोक लगा दी। हालांकि, कट्टरपंथी मुस्लिम संगठन ट्रिपल तलाक को जारी रखने की पुरज़ोर वकालत कर रहे थे। यह वही लोग थे, जिन्होंने शाह बानो की लड़ाई का विरोध किया था।

शाह बानो के आंसू रुलाते ही रहेंगे कांग्रेस को

डॉ. आर.के. सिन्हा

सच यह है कि वक्त आने पर मुसलमान औरतों के हक में तीस्ता सीतलवाड़ से लेकर वे तमाम लेखक और कैंडल मार्च निकालने वाले बुद्धिजीवी भी नदारद रहते हैं, जो बात-बात पर दीन-हीन मुसलमान औरतें के हक में सोशल मीडिया पर लिखते-बोलते रहते हैं।

इंदौर की बेबस तलाकशुदा शाह बानो भारत में मुसलमान औरतों की बेबसी के प्रतीक के रूप में 1980 के दशक में सामने आईं थीं। उसके बाद के कालखंड में जब भी ऐसा लगने लगता है कि देश उन्हें भूल रहा है, तब ही उनकी फिर से किसी न किसी रूप में चर्चा प्रारंभ हो जाती है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हाल ही में संसद में संविधान के 75 साल पूरा होने पर हुई चर्चा के दौरान शाह बानो मामले का ज़िक्र किया। उन्होंने कहा, सुप्रीम कोर्ट से शाह बानो को हक़ मिला था। राजीव गांधी ने सुप्रीम कोर्ट की उस भावना को, नकार दिया। उन्होंने वोट बैंक की राजनीति की ख़ातिर संविधान की भावना को बलि चढ़ा दिया। यह सच है कि इंसाफ के लिए तड़प रही एक महिला की बजाय राजीव गांधी ने इस्लामिक कट्टरपंथियों का खुलकर साथ दिया था। संसद में अपनी बहुमत के बल पर आनन फानन में क़ानून बनाकर सुप्रीम कोर्ट के फ़ैसले को एक बार फिर पलट दिया गया था। दरअसल शाह बानो केस भारत की राजनीति और कानूनी प्रणाली में एक महत्वपूर्ण मोड़ था। यह मामला 1985 में सामने आया था और इसने देश में एक बड़ी बहस छेड़ दी थी। शाह बानो इंदौर की एक मुस्लिम महिला थीं, जिन्हें उनके पति ने तलाक दे दिया था। उन्होंने गुजारा भत्ता (भरण-पोषण) की मांग करते हुए अदालत का दरवाजा खटखटाया। निचली अदालतों ने उनके पक्ष में फैसला सुनाया। लेकिन , उनके पति ने इस फैसले को मानने की बजाय सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दे डाली थी। सुप्रीम कोर्ट ने शाह बानो के पक्ष में फैसला सुनाया। अदालत ने कहा कि दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 125 के तहत, तलाकशुदा मुस्लिम महिलाओं को भी गुजारा भत्ता पाने का अधिकार है। अदालत ने यह भी कहा कि यह कानून सभी धर्मों के लोगों पर लागू होता है। सुप्रीम कोर्ट के फैसले ने देश में एक राजनीतिक भूचाल सा ला दिया। मुस्लिम समुदाय के कुछ लोगों ने इस फैसले का विरोध किया और इसे अपने धार्मिक कानूनों में हस्तक्षेप माना। उन्होंने सरकार पर मुस्लिम पर्सनल लॉ में बदलाव करने का आरोप लगाया। वे किसी भी रूप में शाह बानो के हक में खड़े होने के लिए तैयार नहीं थे। शाह बानो एक बुजुर्ग औरत थीं । उसका साथ देने के लिए कोई भी मुस्लिम संगठन खडा नहीं हुआ । उन्होंने उसे अपनी हाल पर मरने के लिए छोड़ दिया था। तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी की सरकार ने इस मामले में एक अत्यंत ही विवादास्पद कदम उठाया। उन्होंने मुस्लिम महिला (तलाक पर अधिकारों का संरक्षण) अधिनियम, 1986 पारित किया। इस अधिनियम ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले को पलट दिया और तलाकशुदा मुस्लिम महिलाओं को गुजारा भत्ता देने की जिम्मेदारी उनके पति के बजाय उनके परिवार या वक्फ बोर्ड पर डाल दी। वक्फ बोर्ड जैसे महा भ्रष्ट संगठन ने किसकी किसकी कब मदद की, यह बात न राजीव गांधी को पता थी और न उनके करीबियों को। राजीव गांधी सरकार के फैसले की व्यापक आलोचना हुई। कई लोगों ने इसे अल्पसंख्यक तुष्टीकरण और लैंगिक न्याय के खिलाफ माना। जो सच भी था। इस मामले ने भारतीय राजनीति में धार्मिक और लैंगिक मुद्दों को केंद्र में ला दिया। शाह बानो केस ने धार्मिक आधार पर भारतीय समाज को ध्रुवीकृत भी कर दिया। इसने भारत में महिला अधिकारों और लैंगिक न्याय पर एक नई बहस छेड़ दी। शाह बानो केस ने राजनीतिक दलों की भूमिका और अल्पसंख्यकों के प्रति उनके दृष्टिकोण को उजागर किया। देश के आम अवाम को समझ आ गया कि कांग्रेस मुसलमानों के वोट हासिल करने के लिए किसी भी हदतक समझौता कर सकती है।बेशक, शाह बानो केस भारतीय इतिहास में एक महत्वपूर्ण घटना बनी हुई है , जो आज भी प्रासंगिक है। यह मामला बताता है कि कैसे धार्मिक और राजनीतिक मुद्दे सामाजिक न्याय और समानता को प्रभावित कर सकते हैं। शाह बानो केस में मुस्लिम संगठनों का असली चेहरा सामने आ गया। वे तलाकशुदा मुस्लिम महिला को अपने पूर्व पति से गुजारा भत्ता पाने का हकदार नहीं मानते थे। उनका तर्क था कि यह फैसला मुस्लिम पर्सनल लॉ में हस्तक्षेप करता है। इसके बाद ही, राजीव गांधी सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले को पलट दिया था। कांग्रेस ने इस मामले में मुस्लिम समुदाय को खुश करने के लिए तुष्टिकरण की नीति अपनाई। इसके चलते कांग्रेस को देश ने नकारना शुरू कर दिया। शाह बानो केस में कांग्रेस के स्टैंड से नाराज सख्त नाराज होकर वरिष्ठ कांग्रेस नेता और केंद्रीय मंत्री आरिफ मोहम्मद खान ने पार्टी छोड़ी थी। आरिफ साहब की पहचान मुस्लिम और हिंदू धर्म ग्रंथों के विद्वान एवं एक स्वतंत्र विचारों के व्यक्ति के रूप में रही है। वे मुस्लिम होने के बावजूद कट्टर नहीं हैं । बल्कि उदार और बुद्धिजीवी व्यक्ति हैं। आरिफ मोहम्मद खान राजीव गांधी की कैबिनेट में होने के बावजूद शाहबानो मामले में उनसे भिड़ गए थे और मंत्रिपद से इस्तीफा देकर विरोध में खड़े हो गए थे। राजीव गांधी के तुष्टिकरण ने शाहबानो की रूह को बुरी तरह कुचल दिया था सर्वोच्च न्यायालय के उस फैसले को पलट कर जिसमें तलाकशुदा शाहबानो को गुजारा भत्ता दिए जाने का निर्देश दिया गया था। इसके लिए उन्हें नया कानून बनाना पड़ा। उद्देश्य था कट्टरपंथी मौलवियों को खुश करना। और अर्थ था संविधान के ऊपर शरीयत की वरीयता।बोलना तो पड़ेगा, विशेषकर कांग्रेस को और उसमें भी ज़्यादा राहुल गांधी को, जो हर मौके पर हाथ में संविधान की प्रति लेकर खतरा खतरा चिल्लाते रहते हैं। उन्हें फैसला करना पड़ेगा कि वो संविधान के पक्ष में हैं या शरीयत के मुल्ला मुस्लिम पर्सनल लॉ के या तलाकशुदा महिलाओं के गुजारा भत्ते के बड़ी मुश्किल डगर है।

आरिफ मोहम्मद खान राजीव गांधी की कैबिनेट में होने के बावजूद शाहबानो मामले में उनसे भिड़ गए थे और मंत्रिपद से इस्तीफा देकर विरोध में खड़े हो गए थे। राजीव गांधी के तुष्टिकरण ने शाहबानो की रूह को बुरी तरह कुचल दिया था सर्वोच्च न्यायालय के उस फैसले को पलट कर जिसमें तलाकशुदा शाहबानो को गुजारा भत्ता दिए जाने का निर्देश दिया गया था।

एक्सप्रेस कविता

तिनके सा तेरे सामनें बिखर जायेंगे !
गजरे सा तेरे गेसुओं में संवर जाएंगे।
जरा अपनी सांसों को रखिए महफूज,
खुशबू सा तेरी सांसो मे ठहर जायेंगे!
महसूस करने की कोशिश तो कीजिए!
यादों सा तेरे दिल में उतर जायेंगे!!

जेहन में रहकर भी क्यों इतनी दूरियां,
करीब आइये थोड़ा हम निखर जाएंगे।
जरा नजरें इनायत तो करिए हुजूर,
आपके दिल में उतरते नजर आएंगे!!
थक गई आंखें अब तेरे इंतजार में
ख्वाब बन पलकों में ठहर जाएंगे।

संजीव ठाकुर

एक्सप्रेस ज्ञान

हर चीज का समाधान आपके अंदर है बस उसे अच्छे से जानने की ज़रूरत है

आज का पंचांग

किसी भी शुभ कार्य को करने के लिए सही मुहूर्त, सही समय, और सही नक्षत्र का होना जरुरी होता है, आज हम आपको आज के दिन का सही समय जो की सही कार्य करने का है, और आज कब कौन सी दशा कौन से टाइम में चल रही है उसका समुचित विवरण हिन्दू कैलेंडर और हिन्दू पंचाग के अनुसार दे रहे है, आज आपका दिन मंगलमयी रहे, यही शुभकामना है। आज का दिन शुभ कार्य के लिए सही कार्य है या नहीं आज के चौघड़िया के अनुसार जानें। अगर आप आज वाहन खरीदने का विचार कर रहे हैं या आज कोई नया व्यापार आरंभ करने जा रहे हैं, गृह प्रवेश कर रहे हैं, गृह निर्माण कर रहे है, प्रॉपर्टी खरीद रहे है, या कोई अन्य शुभ कार्य करने के लिए सोच रहे है तो पहले यहाँ सही समय देख लें, आपका कार्य शुभ और सफल होगा, यही हमारी ओर से शुभ मंगल कामना है।

तिथि:	अमावस्या 27:56 तक
नक्षत्र:	मूल 23:57 तक
पक्ष:	कृष्ण
वार:	सोमवार
योग:	वृद्धि, 20:31
सूर्योदय:	07:13
सूर्यास्त:	17:33
चंद्रमा:	धनु राशि में
राहुकाल:	08:31-09:48
विक्रमी संवत्:	2081
शक सम्वत:	1946
मास:	पौष
शुभ मुहूर्त:	12:03-12:44

जन एक्सप्रेस

पल पल है प्रहार !

जोर शोर से सबका ।
चल रहा प्रचार ।।
जी जान लगा कर ।
पल पल है प्रहार ।।
हैं हम ही बस आपके ।
रहे इतना ध्यान ।।
बैठे यदि हम कुर्सी ।
फिर आपका सम्मान ।।
देकर हमको आशीर्वाद ।
राह नई बनाएं ।।
खो रहे हम धैर्य ।
और नहीं तड़पाएं ।।
आने से हमारे ही ।
हो सकता सुधार ।।
मिली अगर हमें सत्ता ।
फिर वो यादगार ।।

- कृष्णेन्द्र राय

एक्सप्रेस स्वास्थ्य

त्वचा और मांसपेशियों को प्रभावित कर सकता है बेकर्स नेवस सिंड्रोम

बेकर नेवस सिंड्रोम के लक्षण

- त्वचा पर असामान्य भूरे रंग के निशान दिखाई देना।
- प्रभावित व्यक्ति के शरीर के एक हिस्से की हड्डियां या मांसपेशियां असामान्य रूप से बढ़ सकती हैं।
- प्रभावित क्षेत्र में त्वचा मोटी हो सकती है।
- यह निशान चेहरे, कंधे, या छाती पर दिखाई दे सकते हैं।

लाइफस्टाइल और खानपान में बदलाव की वजह से लोगों को कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। इन दिनों युवा हो या बुजुर्ग सभी को जंक फूड खाना पसंद होता है। साथ ही, बाहर का तला-भूना खाना भी आपकी सेहत के लिए नुकसानदायक हो सकता है। इससे हार्मोनल बदलाव होता है। वहीं, तला-भूना खाना शरीर में फैट बढ़ाने और मोटापे की वजह बन सकती है। मोटापा और हार्मोनल बदलाव त्वचा से जुड़ी समस्याओं का कारण बन सकती है। त्वचा पर उभरने वाले दाग-धब्बों को आप हर बार स्किन इंफेक्शन से जोड़कर नहीं देख सकते हैं। कई बार यह बेकर नेवस सिंड्रोम का संकेत हो सकते हैं। डॉक्टरों के मुताबिक यह त्वचा से जुड़ी एक दुर्लभ समस्या है। यह आमतौर पर जन्म के समय मौजूद नहीं होता है, लेकिन किशोरावस्था के दौरान त्वचा पर दिखाई देने लगता है। इस स्थिति को बेकर्स मेलानोसिस के नाम से भी जाना जाता है। इस समस्या में स्किन पर लाइट ब्राउन और डार्ट ब्राउन स्पॉट दिखाई देते हैं।

बेकर नेवस सिंड्रोम क्या है?: यह एक दुर्लभ त्वचा विकार है, इसमें त्वचा पर भूरे रंग का बालों से कवर एक निशान दिखाई देता है। यह निशान कंधे, छाती या पीठ पर उभरता है। इसके साथ, व्यक्ति की हड्डियां, मांसपेशियां और अन्य अंगों को में असमानताएं दिखाई देता है।

बेकर नेवस सिंड्रोम के कारण: बेकर नेवस सिंड्रोम के सटीक कारण अभी तक पूरी तरह से ज्ञात नहीं है। कई बार इस स्थित को जन्मजात माना जाता है। बेकर नेवस सिंड्रोम, एंड्रोजन हार्मोन (पुरुष हार्मोन) की अधिक के कारण हो सकते हैं। यह समस्या मेलानिन को प्रभावित कर सकता है। साथ ही बालों की हेयर ग्रोथ को प्रभावित कर सकती है। इसके अलावा, जीन म्यूटेशन के कारण भी इस तरह की समस्या हो सकती है। इस रोग की जांच के लिए डॉक्टर बायोप्सी, इमेजिंग टेस्ट आदि करने की सलाह दे सकते हैं। इस रोग की पहचान के बाद डॉक्टर मरीज की लाइफस्टाइल और डाइट में बदलाव के साथ हेयर ग्रोथ को कम करने के लिए टॉपिकल क्रीम व दवाएं दे सकते हैं। सही समय पर इलाज शुरु करने से इस रोग के लक्षणों को काफी हद तक कम किया जा सकता है।

एक्सप्रेस विशेष

विलफुल डिफॉल्टर: बैंकिंग प्रणाली के लिए गंभीर चुनौती

प्रो. आरके जैन

बैंकों को कर्ज वितरण प्रक्रिया में कठोरता और सतर्कता बरतनी होगी। डिजिटल तकनीकों जैसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और ब्लॉकचेन का उपयोग करके कर्ज वितरण और निगरानी प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित की जा सकती है।

देश की बैंकिंग प्रणाली में विलफुल डिफॉल्टरों की संख्या में बढ़ोतरी एक गंभीर और चिंताजनक चुनौती बन गई है। यह समस्या आर्थिक स्थिरता को कमजोर करने के साथ-साथ वित्तीय संस्थानों की साख और कार्यकुशलता पर भी गहरा प्रभाव डाल रही है। मार्च 2024 तक 2,664 विलफुल डिफॉल्टरों पर लगभग 2 लाख करोड़ रुपये का ऋण बकाया है। बीते पांच वर्षों में इस संख्या में 24 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जो बैंकिंग प्रणाली में अनुशासन और नियामकीय व्यवस्था की कमियों को उजागर करती है। यह समस्या मात्र आंकड़ों तक सीमित नहीं है, बल्कि देश की आर्थिक संरचना को भी प्रभावित करने की क्षमता रखती है। विलफुल डिफॉल्टर वे व्यक्ति या कंपनियां होती हैं, जो जानबूझकर अपने कर्ज का भुगतान नहीं करतीं, जबकि उनके पास इसे चुकाने की पूरी क्षमता होती है। इनमें गीतांजलि जेम्स, एबीजी शिपयार्ड और कॉक्स एंड किंग्स जैसी कंपनियां शामिल हैं, जिन पर हजारों करोड़ रुपये का बकाया है। ऐसे डिफॉल्टर बैंकिंग प्रणाली पर दबाव बढ़ाते हैं और छोटे एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) जैसे क्षेत्रों को प्रभावित करते हैं, जो पहले से ही वित्तीय कठिनाइयों से जूझ रहे हैं। कर्ज वसूली में कानूनी और प्रशासनिक देरी इस समस्या को और जटिल बना देती है, जिससे बैंकिंग और व्यापारिक क्षेत्र की विश्वसनीयता प्रभावित होती है। इस समस्या के पीछे वित्तीय अनुशासन और पारदर्शिता की कमी जैसे गंभीर कारण छिपे हैं। कई कंपनियां अपनी वास्तविक आर्थिक स्थिति को छिपाकर बैंकों से कर्ज हासिल करती हैं और फिर उसे जानबूझकर नहीं चुकातीं। इसके अलावा, बैंकों की कर्ज वितरण प्रक्रिया में लापरवाही और कमजोर नियामकीय तंत्र इस संकट को और गहराई देते हैं। कानूनी प्रक्रियाओं में देरी डिफॉल्टरों को अपने दायित्वों से बचने का आसान रास्ता प्रदान करती है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने इस समस्या से निपटने के लिए सख्त दिशा-निर्देश जारी किए हैं। बैंकों को ऐसे डिफॉल्टरों की पहचान करने, उनकी संपत्तियां जब्त करने और उनके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। इसके अलावा, कर्ज वसूली प्रक्रिया को तेज और प्रभावी बनाने के लिए बैंकों को छह महीने की समय सीमा में कार्रवाई करने को कहा गया है। हालांकि, कानूनी प्रक्रियाओं में देरी और प्रशासनिक जटिलताएं इन प्रयासों को धीमा कर देती हैं। विलफुल डिफॉल्टरों की समस्या से निपटने के लिए ठोस और व्यापक कदम उठाने की आवश्यकता है। बैंकों को कर्ज वितरण प्रक्रिया में कठोरता और सतर्कता बरतनी होगी। डिजिटल तकनीकों जैसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और ब्लॉकचेन का उपयोग करके कर्ज वितरण और निगरानी प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित की जा सकती है। साथ ही, कर्ज वसूली प्रक्रिया को तेज और प्रभावी बनाने के लिए विशेष अदालतों और न्यायाधिकरणों की स्थापना की जानी चाहिए। एमएसएमई क्षेत्र को वित्तीय संकट से उबारने के लिए सरकार को लक्षित नीतिगत सहायता प्रदान करनी होगी। इनके लिए विशेष पुनर्भुगतान तंत्र और वित्तीय पैकेज उपलब्ध कराए जाने चाहिए। बैंकों को एमएसएमई कर्जदारों के लिए एक समर्पित निगरानी और सहायता प्रणाली स्थापित करनी चाहिए, जो उनकी वित्तीय चुनौतियों का प्रभावी समाधान प्रदान कर सके। यह समस्या केवल बैंकों तक सीमित नहीं है, बल्कि देश की आर्थिक संरचना और विकास पर गहरा प्रभाव डालती है। बड़े डिफॉल्टरों द्वारा कर्ज न चुकाने से बैंकों को एनपीए (नॉन-परफॉर्मिंग एसेट्स) की गंभीर चुनौती का सामना करना पड़ता है, जो उनकी वित्तीय स्थिरता को कमजोर करता है। इस जटिल समस्या के समाधान के लिए सरकार, बैंकिंग क्षेत्र और न्यायपालिका को मिलकर सख्त नियमों का क्रियान्वयन और पारदर्शी तंत्र की स्थापना करनी होगी।

विलफुल डिफॉल्टरों की समस्या देश की आर्थिक स्थिरता के लिए एक गंभीर चुनौती बन चुकी है। इसे सुलझाने के लिए ठोस नीतियां, सख्त निगरानी और डिजिटल तकनीकों का व्यापक उपयोग आवश्यक है। यह न केवल बैंकिंग प्रणाली को मजबूती प्रदान करेगा, बल्कि समग्र आर्थिक विकास को भी गति देगा।

मादक द्रव्य तस्करी के मामले में नेपाल की जेलों में बंद है 21 भारतीय युवा 321 नेपाली

जन एक्सप्रेस । अशोक उपाध्याय/नवी अहमद

बहराइच। नेपाल के रास्ते भारत को बड़े पैमाने मादक पदार्थों की तस्करी हो रही है। वही भारतीय क्षेत्र से नशीली दवाइया व स्मैक तस्करी कर नेपाल भेजी जा रही है। दोनों देशों की खुली सीमा तस्करों के लिए वरदान बन रही है। दोनों देशों के सुरक्षाकर्मी मादक पदार्थ के तस्करों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई कर रहे हैं। मादक द्रव्यों की तस्करी रोकने के लिए जनहीन रास्तों में भी सुरक्षाबलों के जवान कड़ी पहरेदारी करते हैं। इसके बावजूद चोरी-छिपे मादक द्रव्य की तस्करी जा रही है। नेपाल से भारत को की जा रही मादक द्रव्यों की तस्करी में अधिक संख्या नेपाली मूल के नागरिकों की है। तस्कर इनको थोड़े धन की लालच देकर अपना मोहरा बनाते हैं। यही लोग सुरक्षा कर्मियों के हत्थे चढ़ते हैं। जबकि तस्कर गिरोह के सरगना बच निकलते हैं। अब दोनों देशों के सीमा सुरक्षा से जुडे अधिकारियों की निगाहे तस्कर गिरोह के सरगनाओं पर टिकी हैं। जिससे मादक द्रव्य की तस्करी पर प्रभावी अंकुश लग सके। नेपाल के पश्चिम और सुदूरपश्चिम इलाकों के पहाड़ी जिले के लोगों का मुख्य रूप से आवागमन नेपालगंज के रास्ते से होता है। नेपाल के दुर्गम पहाड़ी इलाकों में चरस व गांजों का उत्पादन होता है। जानकारी होने पर नेपाली पुलिस इनकी खेती को नष्ट भी करती है। इसके बावजूद चोरी छिपे चरस और गांजा पहाड़ी इलाके के आसपास रहने वाले लोग मैदानी इलाकों तक पहुंचा देते हैं। इनको तस्करों की ओर से धन की बड़ी लालच दी जाती है। तस्कर दुर्गम पहाड़ी इलाकों से जंगल के रास्ते गांजा और चरस की खेप लेकर नेपाल के रास्ते भारत पहुंचाते हैं। तस्कर मादक द्रव्य में चरस, गांजा व अफीम की बड़े पैमाने पर तस्करी करते हैं। मादक द्रव्य की तस्करी रोकने के लिए दोनों देशों के सुरक्षा से जुड़े अधिकारियों की त्रैमासिक बैठक भी होती हैं। जिस दौरान इस पर प्रभावी अंकुश लगाने की रणनीति बनती है। दोनों देशों की सीमा पर तैनात सुरक्षाकर्मी गहनता से छानबीन करते हैं।

सुरक्षाकर्मी काफी हद तक मादक द्रव्य तस्करों के खिलाफ कार्रवाई करने में कामयाब भी हुए हैं। बडी संख्या में तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। इसके साथ ही भारी मात्रा में मादक पदार्थों की बरामदगी की गई है।

मादक पदार्थ तस्करों के खिलाफ आपरेशन जारी, सरगनाओं की तलाश तेज: एसपी बांके

उधर नेपाल के सीमा से लगे बांके जिले के एसपी तुल बह्युदर कार्की का कहना है कि मादक द्रव्य तस्करों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जा रही है। कई दर्जन तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। इन तस्करों के पास से भारी मात्रा में मादक द्रव्य बरामद किया गया है। यह मादक द्रव्य युवाओं के जीवन को नष्ट कर सकते थे। नेपाल के एसपी का कहना है कि बीते माह में पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों की बैठक में तस्करी पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस कर्मियों को सख्ती से निपटने के आदेश दिए गए थे। उन्होंने कहा कि खुली सीमा का लाभ उठाकर तस्कर मादक द्रव्य की तस्करी करते हैं। नेपाल के मादक द्रव्य के तस्कर इस धंधे में दुर्गम पहाड़ी क्षेत्र के गरीब लोगों को अपनी ढाल के रुप में इस्तेमाल करते हैं। लेकिन तस्करों के मंसूबे को कामयाब नही होने दिया जायेगा।

युवा वर्ग को किया जा रहा सचेत- एसपी बांके

नेपाली सीमा क्षेत्र में रैली निकालकर लोगों को जागरूक किया जा रहा है। जमुनहां सीमा पर तैनात डाग स्क्वायड पड़ोसी नेपाली जिला बांके के एसपी तुल बहादुर कार्की ने बताया कि जिले के युवा वर्ग भारतीय क्षेत्र में नशीले पदार्थो का सेवन करने हेतु जा रहे है। इसके लिए हमने जिले में कई बार सचेतना रैलिया निकाली है। बांके जिले के विभिन्न विद्यालयों में जाकर विद्यार्थियों को नशे से होने वाली हानियों को बताया गया है। सामाजिक संस्थाओं द्वारा हमारी देख-रेख में नशा उन्मूलन हेतु नुक्कड़ नाटक चैराहे-चैराहे पर कराये जा रहे है। यही नही हमने सादे वेश में भारतीय सीमा से सटे क्षेत्रों में पुलिस कर्मियों की गस्त लगा दी है। एसपी ने बताया कि अधिक्तर लोग रूपईडीहा से स्मैक खरीदकर लाते व स्मैक पहुंचाते वक्त नेपाल सीमा में पुलिस ने पकड़ा है। जिसमें अधिक्तर भारतीय युवा शामिल है। सीमा से सटे जमुनहां चेक पोस्ट पर डाग स्क्वायड को तैनात कर दिया गया है। भारत से नेपाल आने लोगों को शक होने पर डाग स्क्वायड से जांच करायी जा रही है।

नेपाल के बांके जिले की पुलिस ने मादक द्रव्य तस्करों पर कसा शिकंजा

नेपाल पुलिस के आंकडों के अनुसार वर्ष 2022-23 में 235 लोगों को मादक द्रव्य की तस्करी के साथ पकडा गया। जिनमें 11 भारतीय व 224 नेपाली हैं। इनके पास से 16 किलोग्राम चरस, 4 किलोग्राम अफीम, 12 किलोग्राम गांजा, स्मैक, नशीली दवाइयां बरामद की गई हैं। जबकि वर्ष 2023-24 में अब तक सीमा क्षेत्र से 97 तस्करों को पकडा गया है। जिनमें 10 भारतीय व 87 नेपाली शामिल हैं। इनके कब्जे से 8.5 किलोग्राम चरस, अफीम 34 किलोग्राम, गांजा 53 किलोग्राम के साथ भारी मात्रा में नशीली दवाइयां बरामद की गई हैं।

संदिग्ध मादक पदार्थ तस्करों पर पुलिस की नजर

प्रभारी निरीक्षक रूपईडीहा प्रभारी निरीक्षक ददन सिंह ने मादक पदार्थ तस्करी के संबंध में पूछने पर बताया कि इस थाने पर आये हुए अभी कुछ माह ही हुए है। परन्तु दो माह के भीतर पुलिस व एसएसबी की संयुक्त जांच में चरस व स्मैक के साथ कई तस्करों को पकड़ा गया है। इन सभी से पूछताछ की गयी है। कुछ संदिग्ध लोगों पर पुलिस की नजर है। मादक पदार्थ तस्करों पर पुलिस सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी।

पीएचडी में प्रवेश दिलाने का लालच दे शिक्षक ने युवक से की ढाई लाख की ठगी

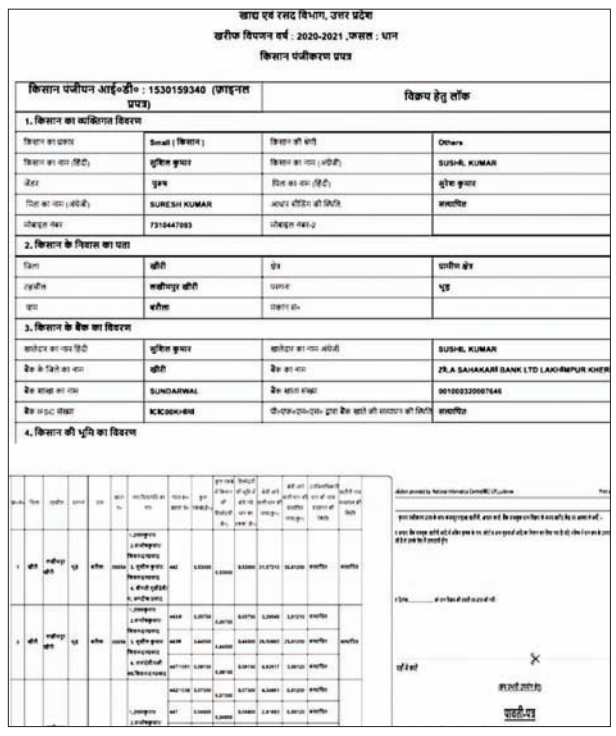

- कोर्ट के आदेश पर पुलिस ने धोखाधड़ी समेत कई अन्य संगीन धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है

जन एक्सप्रेस । लखीमपुर खीरी

थाना भीरा के गांव शंकरपुर निवासी एक युवक ने अपने शिक्षक पर पीएचडी कराने का झांसा देकर ढाई लाख रुपये ठगने का आरोप लगाया है। कोर्ट के आदेश पर थाना भीरा पुलिस ने आरोपी शिक्षक के खिलाफ धोखाधड़ी समेत कई गंभीर धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गांव शंकरपुर निवासी नीरज कुमार ने बताया कि गांव निवासी अमित कुमार भार्गव उसके पूर्व में शिक्षक रहे हैं। वर्तमान में वह बिजुआ स्थित जानकी देवी इंटर कॉलेज में तैनात हैं। पीड़ित नीरज ने बताया कि शिक्षक अमित कुमार ने उसे अपने घर बुलाया और कहा कि तुम पीएचडी कर लो। तुम्हारा भविष्य उज्जवल हो जायेगा। साथ में यह भी कहा कि अगर तुम चाहो तो तुम्हे चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ से पीएचडी करवा दूंगा। विश्वास करके वह प्रवेश लेने को तैयार हो गया। इसके लिए आरोपी ने 16 मार्च 22 को उससे 50,000 रुपये बैंक खाते से लेकर उसके सभी शैक्षिक प्रमाण पत्रों की प्रमाणित प्रतियां ले लीं, लेकिन प्रवेश को लेकर उसे कोई जानकारी नहीं दी। 20 जनवरी 24 को आरोपी ने उसके खाते से अपने खाते में 1,00,000 रुपये ट्रांसफर करवा लिए और कहा कि तुम शांत बैठो। जब जरूरत होगी, तब तुम्हारी परीक्षा भी कराई जाएगी। आरोप है कि उसका प्रवेश कहीं भी नहीं कराया और झूठी बातें बताकर विश्वास में लेता रहा। धोखाधड़ी करते हुए उसे चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय मेरठ द्वारा जारी पीएचडी उत्तीर्ण का सर्टिफिकेट 22 मई 23, रजिस्ट्रेशन प्रमाण पत्र व एक अन्य सर्टिफिकेट की छाया प्रति अपने घर बुलाकर उसे यह कहते हुए दे दी कि डेढ़ लाख रुपये और दो तो मूल प्रमाण पत्र लाकर दे देंगे। उसने जब प्रमाण पत्रों की जांच विश्वविद्यालय, मेरठ की साइट पर की तो साइट पर प्रपत्रों का कोई विवरण नहीं मिला। उसने यह बात जब आरोपी से बताई तो हम स्वयं जांच कर बताने का आश्वासन दिया। 14 अगस्त 24 को वह अपने पिता को लेकर आरोपी के पास गया तो आरोपी ने कहा कि किसी को मत बताना और धीरे-धीरे तुम्हारे सारे रुपये लौटा देंगे। इसके बाद आरोपी ने अलग-अलग दिनों ने कुल 50 हजार रुपये वापस लौटा दिए। 12 अक्टूबर 24 को जब शेष 2,00,000 रुपये लौटाने की बात कही तो रुपये लौटाने से मना कर दिया। आरोपी के बुलाने पर अगले दिन वह उनके घर गया तो कमरे में बैठाकर उसे अंदर बंद कर दिया। काफी डराया धमकाया। मानसिक रूप से काफी प्रताड़ित किया। उसने घटना की तहरीर पुलिस को दी, लेकिन पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज नहीं की।

संभावित शीतलहर से बचाव को लेकर एडवाइजरी जारी- अपर जिलाधिकारी

जन एक्सप्रेस । सीतापुर

अपर जिलाधिकारी ने ठण्ड से बचाव के उपायों के बारे में बताते हुए कहा कि जनसामान्य लगातार समाचार पत्रों, रेडियो एवं टीवी के माध्यम से मौसम की जानकारी लेते रहें तथा जिला प्रशासन व राहत आयुक्त कार्यालय द्वारा समय-समय पर जारी किये जाने वाली एडवाइजरी को प्राप्त कर जानकारी लेते रहें। उन्होंने बताया कि कान, नाक व गले को ढक कर रखें। कई परत वाले गर्म कपड़े पहनें। स्नान हेतु गरम पानी का प्रयोग करें। विशेष परिस्थितियों के लिए ईंधन बचाकर रखें। शरीर को गरम रखने हेतु पेय पदार्थों एवं पौष्टिक आहार का सेवन करते रहें। शरीर के अंगों का सुन्न होना, हाथ पैर, कान पर सफेद या पीले रंग के दाग पड़ने पर तुरनत डाक्टर से सम्पर्क करें। शराब या मदिरा का सेवन न करें क्योंकि यह शरीर के तापमान को कम कर देता है। कंप कपी को नजर अंदाज न करें तुरन्त डाक्टर से सम्पर्क करें और सबसे जरूरी बात यह कि अपने पशुओं को रात में ढक कर रखें तथा उन्हें सड़कों पर न चराएं।

जिला आपदा विशेषज्ञ हीरालाल ने बताया कि कमरे को गर्म रखने के लिए जलावन यानी लकड़ी का प्रयोग कतई न करें क्योंकि इससे कमरे में धुआं फैलने का खतरा उत्पन्न हो जाता है। कोयले की अंगीठी, हीटर या ब्लोअर आदि का प्रयोग आप कर सकते हैं लेकिन सावधानी बरतते हुए। कमरे की खिड़कियां खोल के रखें ताकि अंगीठी से उत्पन्न जहरीले धुएं से आपको नुकसान न हो तथा कमरे में आक्सीजन की कमी भी न होने पाये। ठण्ड से बचने के लिए सर्दियों में तिल का सेवन करना काफी फायदेमंद होता है। इसके अलावा खजूर का सेवन करें खजूर में विटामिन-ए, विटामिन-बी, कैल्शियम, पोटैशियम और अन्य विटामिन्स भरपूर मात्रा में मौजूद होते हैं जिससे शरीर के पर्याप्त पोषक तत्व मिलते हैं।

सर्दी में अंडे का भी सेवन करना चाहिए, अंडे में प्रोटीन और अन्य पोषक तत्व पर्याप्त मात्रा में पाए जाते हैं। इसके साथ ही गुड़, अदरक, शहद और हल्दी दूध आयुर्वेदिक गुणों से भरपूर है, इसका सेवन भी बहुत फायदेमंद होता है।

योगी राज में धान खरीद का जबरदस्त घोटाला

- जनपद खीरी में धान खरीद में जबरदस्त खेला, हजारों किसानों के दो दो बाप बना डाले सरकारी महकमें ने
- जबरदस्त भ्रष्टाचार की लिखी गई पटकथा में करोड़ों का वारा न्यारा
- लगभग 11 लाख कुंटल जिले में धान खरीद में सभी धान मिल की है संलिप्तता

जन एक्सप्रेस । सुनहरा

लखीमपुर खीरी। वर्ष 2024, 2025 में जनपद लखीमपुर खीरी में ज्यादातर गन्ना उत्पादन क्षेत्र में फर्जी धान खरीद हो चुकी है और हो रही है। जनपद में धान खरीद पर जबरदस्त खेल हो रहा है। सरकारी विभाग और जनपद की समस्त धान मिलों द्वारा धान खरीदी में कमीशन बाज़ी के चलते हुए धान खरीद में जबरदस्त भ्रष्टाचार हुआ है जिसकी बानगी जनपद लखीमपुर खीरी में 50 कुन्तल किसान पंजीकरण कराकर जो भी धान खरीद हुई है वह 90त्न धान खरीद फर्जी है। किसान पंजीकरण इस प्रकार से फर्जी हुए है। जिसका उदाहरण जैसे आधार कार्ड में श्री कृष्ण के पिता वासुदेव है।तो मजे की बात यह है। कि भूलेख में पिता का नाम दूसरा होगा इसके साक्ष्य पर प्रकाश डाला जाए तो फर्जीवाड़ा है। उक्त फर्जी धान खरीद जिला खाद्य विपणन अधिकारी एवं ए एम ओ एवं व विपणन निरीक्षक राईश मिलर्स एवं बिचौलियों का एक सिंडीकेट बनाकर खरीदा जा चुका है एवं खरीदा जा रहा है। जो जांच का विषय है।अगर जांच कराई जाएं तो बहुत बड़ा राहस्य सामने आएगा लेकिन इस हमाम में सभी नंगे विपरण के अधिकारी कहते है कि 50 कुंतल खरीद तक सत्यापन नही होगा तो क्या एक किसान के दो बाप हो जाएंगे।

धान क्रय नीति यूपी में स्पष्ट लिखा है प्रपत्र देख कर वास्तविक किसान का ही धान खरीदा जाएगा।

तो इस पर अमल क्यों नहीं किया जा रहा है।

सांसद उत्कर्ष वर्मा का प्रथम आगमन पर जोरदार स्वागत

जन एक्सप्रेस । पलिया कला खीरी

नगर के मोहल्ला इकराम नगर मैं आयोजित स्वागत कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे सांसद उत्कर्ष वर्मा उत्कर्ष वर्मा ने मौजूद जनता को संबोधित करते हुए कहा। कि देश के गृहमंत्री अमित शाह ने बाबा भीमराव अंबेडकर के खिलाफ जो बयान बाजी की है वह निंदनीय है।नगर में हुए उपचुनाव के बारे में कहां पलिया की जनता जानती है भाजपा ने किस तरीके से जीत हासिल की है। एक तरफ भाजपा सरकार है जो बंटवारे की बात करती हैं एक तरफ समाजवादी है जो पीडीए की बात करती है।

उन्होंने कहा कि बाबा साहब हैं तो हम हैं आखिर में उन्होंने जनता का लोकसभा चुनाव में मिले समर्थन का आभार प्रकट किया।कार्यक्रम आयोजक ब्लाक महासचिव राजा खान रहे। इस मौके पर पूर्वी ब्लॉक प्रमुख गुरप्रीत सिंह जार्जी पूर्व पालिका अध्यक्ष महमूद हुसैन अशोक वर्मा नरेश यादव रिसाल अहमद संजीव कुमार मुन्ना फुरकान अंसारी अताउर रहमान गोपी जफर अहमद ध्रुव सिंह नितेश शुक्ला मोहम्मद हफीज मेहराब अंसारी रियासत इजहार आदि मौजूद रहे।

विद्यालय जाने वाले टूटे व जर्जर मार्ग को बनवाए जाने की ग्रामीणों ने मांग की

जन एक्सप्रेस । सीतापुर

तहसील लहरपुर की विकास खण्ड परसेंडी की ग्राम पंचायत चांदपुर के मजरा जानीपुर में प्राथमिक विद्यालय को जाने वाले मुख्य मार्ग पर खड़ंजे के धसने की वजह से रास्तों पर कीचड़ व जलभराव हो रहा है। जिससे स्कूली बच्चों व ग्रामीणों को गन्दगी की समस्या से जूझना पड़ रहा है। इसी रास्ते पर रोज सैकड़ों बच्चे विद्यालय जाने के लिए व किसान अपने खेतों के लिए निकलते हैं। ग्रामीणो ने मुख्य विकास अधिकारी सीतापुर को ज्ञापन देकर बताया कि विद्यालय को जाने वाले मुख्य मार्ग पर जलभराव होने की वजह से लोगों को पैदल निकलना मुश्किल हो रहा है। लगातार हो रहे जलभराव से गांव में गंभीर बीमारियों के फैलने का खतरा बना हुआ है। जिससे ग्रामीणों को निकलने में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।ग्रामीणों ने बताया कि पूर्व में भी इस समस्या को लेकर हम लोगों ने 1 अक्टूबर को खण्ड विकास अधिकारी परसेंडी को ज्ञापन देकर उक्त मार्ग को बनवाये जाने की मांग की थी।

परन्तु तीन माह बीतने के बाद भी अभीतक स्थिति जस की तस बनी हुई है।

ज्ञापन देने वालों में मुख्य रूप से ज्ञानेंद्र कुमार कन्नौजिया, बांकेलाल कन्नौजिया, मंजू, भारत प्रसाद, मो0जीशान, विकास शर्मा, अंकित, पूनम, चन्द्रभाल कन्नौजिया, आदि दर्जनों ग्रामीणों ने प्राथमिक विद्यालय को जाने वाले रास्ते को बनवाये जाने व जलभराव की समस्या से मुक्ति दिलाये जाने की मांग की है।

एक्सप्रेस खबरें...

बाजार बंदी को लेकर व्यापारियों में दिखाई दी एकजुटता

जन एक्सप्रेस । बहराइच। रुपईडीहा। प्रत्येक माह की पहली तारीख को सीमावर्ती नगर पंचायत के प्रमुख कस्बा रूपईडीहा में व्यापारी अपने बंद रखेंगे इसको लेकर व्यापारियों ने धन्यवाद सभा का आयोजन शाम 6 बजे किया एक स्थानीय एक रिसॉर्ट में किया। जिसमें बंदी के प्रति व्यापारियों में एक एकजुटता दिखाई दी। तमाम कशमकश के बाद भी गत 1 दिसंबर को उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल रुपईडीहा के आव्हान पर रुपईडीहा बाजार पूर्ण रूपेण बंद रहा। यहां तक की सब्जी, ठेले, पान व चाय तक के लिए लोग छटपटाते देखे गए थे। इसी अभूतपूर्व बंदी को लेकर व्यापारी नेताओ ने सभी छोटे बड़े व्यापारी को धन्यवाद दिया। प्रतिष्ठित व्यापारी सुशील बंसल ने कहा कि सभी दुकानदार भाईयों के लिए बंदी का फैसला लाभदायक है। बंदी के दिन आप परिवार के साथ घूमने जा सकते है। इलाज के लिए जा सकते हैं, दुकान की साफ सफाई कर सकते हैं। आपको अपनी दुकान स्वयं बंद करनी है। किसी के कहने से नही। प्रतिनिधि मंडल रुपईडीहा इकाई के अध्यक्ष शैलेश जायसवाल, महामंत्री योगेंद्र शर्मा व कोषाध्यक्ष संतोष अग्रवाल सहित खेसाल फारूकी व अमित कौशल आदि ने भी व्यापारियों के प्रति बंदी को लेकर आभार व्यक्त किया। आगामी 1 जनवरी की बंदी को लेकर सभी व्यापारियों ने हाथ उठाकर सहमति व्यक्त की व करतल ध्वनि से स्वागत की।

पुलिस लाइन से अस्पताल चौराहा तक गरजा नगर पालिका परिषद का बुल्डोजर

जन एक्सप्रेस । बहराइच। पुलिस लाइन से अस्पताल चौराहा तक अतिक्रमण की शिकायत को संज्ञान में लेकर शनिवार को नगर पालिका परिषद की ओर से बुलडोजर की कार्रवाई की गई। शहर के पुलिस लाइन से अस्पताल चौराहा तक लोगों ने सड़क की पटरियों पर कब्जा कर लिया था। जिसके चलते वाहनों के आवागमन पर समस्या होती थी। प्रतिदिन जाम लगती थी। जाम से आम लोगों को आवागमन में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। इसकी शिकायत क्षेत्र के लोगों नगर पालिका की अधिशासी अधिकारी से की। शिकायत का संज्ञान लेकर शनिवार को ईओ प्रमिता सिंह बुलडोजर के साथ पुलिस लाइन पहुंची। उन्होंने सड़क किनारे पटरियों पर बने निर्माण और कब्जे को बुलडोजर से हटवा दिया। ईओ ने बताया कि शिकायत पर अतिक्रमण के विरुद्ध कार्रवाई की गई है। लगभग 80 दुकानों के सामने से अतिक्रमण हटवाया गया है। अगर पुन: अतिक्रमण हुई तो सम्बन्धित के विरुद्ध कार्रवाई के लिए पत्र लिखा जायेगा। अतिक्रमण अभियान को लेकर लोगों में हड़कंप की स्थिति रही।

माहौल खराब करने का किया जा रहा भरसक प्रयास

जन एक्सप्रेस । लखीमपुर खीरी। एक बार फिर माहौल खराब करने का किया जा रहा भरकश प्रयास नहीं रूक रहा लखीमपुर खीरी में हिंदू देवी देवताओं पर अभद्र टिप्पणी करने का सिलसिला सनातन संस्कृति हिंदू धर्म के देवी देवताओं पर अभद्र टिप्पणी का सिलसिला अब्दुल लतीफ के ट्विटर अकाउंट से देवी देवताओं को कहे गए अप शब्द धौरहरा थाने में मुकदमा दर्ज।

खेल से होता है शारीरिक के साथ मानसिक विकास: कौशल

- सीमा जागरण मंच के भारत नेपाल खेल महोत्सव में दोनों टीमों ने किया बेहतर खेल प्रतिभा का प्रदर्शन

जन एक्सप्रेस । बहराइच

सीमा जागरण मंच की ओर से रविवार को किसान पीजी कॉलेज के क्रीड़ांगन में भारत नेपाल खेल महोत्सव का प्रारंभ प्रातः काल 8 बजे हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत रन फॉर राम से शुरू हुआ, जिसमें भारत और नेपाल से आए हुए तमाम सारे प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। विशेष कर नेपाल की तीन टीमें और भारत में सिद्धार्थनगर, बलरामपुर तथा बहराइच संघ की दृष्टि से अलग जिला नानपारा, पीलीभीत और लखीमपुर की टीमें रहीं । हालांकि टीम छोटे-छोटे स्थान के नाम से है। प्रतियोगिता में 147 बालक वर्ग के और 18 बालिका वर्ग के प्रतिभागी शामिल हुए। प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान के प्रतिभागियों का चुनाव किया गया। इसके अलावा 10 सांत्वना पुरस्कार दिए गए। इसी प्रकार बालिकाओं में भी प्रथम द्वितीय और तृतीय के साथ सांत्वना पुरस्कार दिए गए?। उसके उपरांत खेल महोत्सव का प्रारंभ 10.00 बजे प्रारंभ हुआ। जिसमें सबसे पहले अंगद सिंह एमएलसी और क्रीड़ा भारती के प्रांत उपाध्यक्ष और एमएलसी क्रीड़ा भारती के प्रांत अध्यक्ष अवनीश है ने मिलकर प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। शुभारंभ से पूर्व महाविद्यालय के संस्थापक ठाकुर हुकुम सिंह की प्रतिमा माल्यार्पण किया गया और उसके बाद खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त करके वॉलीबॉल तथा कबड्डी की टीमों का खेल शुरू हुआ। दोनों टीमों में लगभग 12-12 खिलाड़ी रहे। दोनों खेलों में बारह-बारह टीमों ने प्रतिभाग किया। नेपाल और भारत की सब मिला करके और उनके तमाम सारे लीग मैचेज और सेमीफाइनल होने के बाद फाइनल होने की प्रक्रिया चली। अंत में रस्सा कसी प्रतियोगिता हुई । इस प्रतियोगिता में मिहींपुरवा विजई हुई। पुरस्कार वितरण राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांत प्रचारक कौशल ने किया। उन्होंने कहा कि खेल से शरीर के साथ-साथ मस्तिष्क का भी विकास होता है भारत नेपाल के बीच खेल महोत्सव का आयोजन दोनों देशों के संबंधों को और प्रकार बने के उद्देश्य से किया गया है उन्होंने इस कार्यक्रम के सफल आयोजन में अपना सक्रिय सहयोग देने के लिए किसान पीजी कॉलेज प्रबंध समिति के सचिव मेजर डॉक्टर एसपी सिंह के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने विजेता खिलाड़ियों को बधाई देते हुए उपविजेता खिलाड़ियों का आह्वान किया कि वे सक्रिय रूप से अपना अभ्यास से अभी रखें उन्हें भी सफलता अवश्य मिलेगी। इस कार्यक्रम में क्रीड़ा भारती के अध्यक्ष एमएलसी अवनीश क्रीड़ा भारती के उपाध्यक्ष एमएलसी अंगद सिंह नेपाल के संघ चालक मणि यादव और नेपाल के अन्य प्रचारक भी मौजूद रहे। उनकी टीम में भी रही इस टीम में केडीसी बहराइच की टीम में योग का प्रदर्शन जो हमारे योग प्रशिक्षक है सत्यम सिंह द्वारा किया गया साथ ही महाविद्यालय की बालिकाओं ने सरस्वती वंदना और अतिथियों के स्वागत में स्वागत गीत गए कार्यक्रम अभी चल रहा है और संभवत 1 घंटे में इसका समापन होगा। पयागपुर के विधायक सुभाष त्रिपाठी की उपस्थिति में दौड़ प्रारंभ कराई। हरी झंडी पूर्व कैबिनेट मंत्री मुकुट बिहारी वर्मा तथा गौरव वर्मा ने संयुक्त रूप से दिखाई। एमएलसी प्रज्ञा त्रिपाठी जी और नानपारा के विधायक रामनिवास वर्मा ने पूरे समय खिलाड़ियों का उत्साह वर्धन किया। सांसद आनंद गोंड एम एल सी पद्मसेन चौधरी किसान पीजी कॉलेज के प्राचार्य डॉ. विनय सक्सेना महाविद्यालय कार्य विभाग प्रमुख पंकज सिंह, केडीसी के हिंदी विभाग प्रभारी डॉ. नीरज पांडे, कार्यालय अधीक्षक राजवंत सिंह, स्टेनो अमित सिंह राठौड़ तथा अभिषेक प्रताप सिंह का विशेष योगदान रहा।

पत्रकारों को मिले काम करने की स्वतंत्रता- एस.पी.रामनयन सिंह

- श्रमजीवी पत्रकार यूनियन के वार्षिक सम्मान समारोह में पुलिस अधीक्षक ने बताया मीडिया का महत्व

जन एक्सप्रेस । बहराइच

श्रमजीवी पत्रकार यूनियन की स्थानीय इकाई की ओर से शगुन पैलेस में वार्षिक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पुलिस अधीक्षक रामनयन रहे। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन के साथ हुई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पुलिस अधीक्षक रामनयन ने कहा कि पत्रकारों को अपना काम स्वतंत्र तरीके से करने देना चाहिए और पत्रकारिता में किसी भी प्रकार के गुण दोष की जिम्मेदारी भी उन्हीं की होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि रात के समय प्रायस्लोग सोचते तब पुलिस और पत्रकार को भूमिका होती है समाज को जागृत करते हैं। सभी शब्द लोग थक कर सो जाते हैं उस समय यदि कोई जागता है तो वह पुलिस या तो पत्रकार होता है। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि पत्रकारों की सकारात्मक भूमिका लोकतंत्र को मजबूत करती है उन्होंने कहा कि पत्रकार यदि कुछ लिखता है तो उसे गंभीरता से लेने की आवश्यकता होती है क्योंकि कभी-कभी अखबारों में लिखी किसी खबर को जब जिम्मेदार लोग हल्के में लेते हैं तो फिर उसका परिणाम घातक होता है। उन्होंने जिलाधिकारी के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि जब वह इस जिले में आए तो उनके साथियों ने कहा कि आप बहुत भाग्यशाली हो आपको वहां बहुत अच्छी कलेक्टर मिली है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि वह इस जनपद में अभी पूरी तरीके से लोगों को पहचानते नहीं लेकिन अब तक जिस भी उनकी मुलाकात हुई उससे मिलकर उन्हें प्रसन्नता हुई उन्होंने पत्रकारों का आह्वान किया कि वह विकास संबंधी योजनाओं पर पहली नजर रखें और वस्तु स्थिति से उन्हें अखबार के माध्यम से अवगत कराते रहे। अपर जिला अधिकारी गौरव रंजन नेवी पत्रकार और प्रशासन की भूमिका पर प्रकाश डाला तथा बहराइच के पत्रकारों को उचित मापदंड पर काम करने वाला व्यक्ति बताया। सांसद आनंद गोंड ने नेपाल सीमा पर बसे बहराइच जनपद में इस प्रकार के आयोजन को सार्थक बताते हुए श्रमजीवी पत्रकार यूनियन की सराहना की। पयागपुर के विधायक सुभाष त्रिपाठी ने भी पत्रकारिता संविधान के चौथा स्तंभ की सभा की और कहा कि पत्रकारिता ही देश हित में सर्वोपरि है आंसर की थोड़ी कमियां आ गई है आजादी की लड़ाई में पत्रकार की अहम भूमिका रही है। विश्व मित्र और आज जैसा अखबारों ने आजादी की लड़ाई लड़ी है। उन्होंने यह भी कहा कि वह भी पत्रकार रह चुके है। सदर विधायक अनुपमा जायसवाल ने पत्रकारिता को चुनौती पूर्ण कार्य बताते हुए इसके महत्व पर चर्चा की। महसी के विधायक सुरेश्वर सिंह मेघा की पत्रकार एक चौकी है चुनौती है। हाल के दिनों में मेरे क्षेत्र में भेड़िए का आतंक था। देश विदेश की मीडिया कवरेज करने के लिए आए थे लेकिन पत्र साथियों ने बड़ा सहयोग किया। नानपारा के विधायक रामनिवास वर्मा एमएलसी डॉक्टर प्रज्ञा त्रिपाठी ने भी पत्रकारिता राजनीति और प्रशासन की भूमिकाओं को एक दूसरे का पूरक बताते हुए लोकतंत्र में इसके महत्व को उजागर किया। अंत में धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत करते हुए यूनियन के अध्यक्ष संजय मिश्रा ने पत्रकारों का आह्वान किया कि यदि वह केवल पत्रकारिता करते हैं तो उनके कार्य व्यवहार से समाज में उन्हें सम्मान मिलेगा लेकिन यदि वह पत्रकारिता के अतिरिक्त धन कमाने के उद्देश्य से अपने नैतिक मूल्यों को गिरवी रख देते हैं तो इससे अपमानित होना पड़ेगा बल्किसमाज का भी नुकसान होगा। कार्यक्रम में आए हुए अधिकारियों तथा जनप्रतिनिधियों का यूनियन के पूर्व अध्यक्षों की ओर से स्वागत कराया गया तथा अतिथियों की ओर से पूर्व अध्यक्षों तथा पत्रकारिता के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले मीडिया कर्मियों को सम्मानित कराया गया। इस कार्यक्रम में यूनियन के पूर्व अध्यक्ष विपिन अग्रवाल, मनीष मल्होत्रा, हेमंत मिश्रा, एसएमएस जैदी, अशोक उपाध्याय, के अतिरिक्त प्रमोद शुक्ला अजी मिर्जा, अद्वैत भूषण अकलू समेत अनेक पत्रकार उपस्थित रहे।

अभी तक मन्नत हास्पिटल हुआ न सील ना ही दर्ज हुआ मुकदमा

अवैध हास्पिटल पर कार्रवाई के बजाए स्वास्थ्य महकमा बना हुआ धृतराष्ट्र

सीएमओ साहब! जच्चा-बच्चा को मौत की नींद सुलाने वाले मन्नत हास्पिटल पर क्यों नहीं दर्ज हो रहा है मुकदमा

जन एक्सप्रेस । कुशीनगर

विभाग-ए- हुक्मरान का संरक्षण कहे या फ्रि अवैध हास्पिटल संचालित करने वालो का रसूख, कि जिले मे दुसरे के नाम पर अवैध तरीके से संचालित हास्पिटल द्वारा लोगो को लगातार मौत की नींद सुलाने के बावजूद स्वास्थ्य महकमा धृतराष्ट्र बना हुआ है। बीते दिनो पडरौना सदर कोतवाली क्षेत्र के खिरकिया-बांसी मार्ग पर बेसमेंट मे अवैध रूप से धड़ल्ले से संचालित हो रहे मन्नत हास्पिटल के लापरवाही के कारण जच्चा-बच्चा की हुई मौत के बाद भी अब तक विभाग द्वारा न तो उस हास्पिटल को सील किया गया और न ही हास्पिटल संचालक के खिलाफमुकदमा दर्ज कराया गया है जो जनपद में चर्चा का विषय बना हुआ है। गौरतलब है कि बीते दिनो खिरकिया-बासी मार्ग पर बेसमेंट में अवैध तरीके से संचालित मन्नत हास्पिटल द्वारा प्रसव-पीड़ा से जूझ रही सोहरौना गांव के निवासी मुन्ना मंसूरी की पत्नी का आपरेशन किया गया था जहां चिकित्सक की लापरवाही के कारण आपरेशन के बाद दुनिया में आये नवजात शिशु की मौत हो गयी। बताया जाता है कि चिकित्सक की लापरवाही के कारण नवजात की हुई मौत को लेकर परिजन आक्रोशित हुए किन्तु संचालित द्वारा इसे कुदरत का खेल बताकर किसी तरह से परिजनो को शान्त करा दिया गद्मया। तीन दिन बाद 18 दिसम्बर की भोर में जब मुन्ना संसूरी की पत्नी की हालत बिगड़ने लगी तो अस्पताल संचालक ने उसे जिला मुख्यालय रवीन्द्रनगर स्थित मेडिकल कॉलेज रेफ्र कर दिया, जहां महिला की भी मौत हो गई। हास्पिटल की लापरवाही के कारण जच्चा-बच्चा की हुई मौत को लेकर आक्रोशित परिजन जिला अस्पताल से शव लेकर मन्नत हास्पिटल पहुंचे और हंगामा शुरू कर दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार परिजनों का तल्ख तेवर देख मन्नत हास्पिटल के संचालक परिजनो से मामले को मैनेज करने के लिए बिचौलियों को लगाकर अस्पताल पर ताला जड़ स्टाफके साथ फ्रार हो गया।

दलालो ने परिजनो को मैनेज कर शान्त कराया

ऐसी चर्चा है कि मन्नत हास्पिटल पर परिजनो द्वारा घंटो हो-हल्ला किया गया इसके बाद दलालो ने किसी तरह से मामले को मैनेज कर परिजनों को शव के साथ घर भेज दिया। इस दौरान सूचना पाकर स्वास्थ्य विभाग की टीम भी मौके पर पहुंची लेकिन अवैध हास्पिटल पर कार्रवाई व संचालक पर मुकदमा दर्ज कराने के बजाय भौकाल बनाकर चली आयी। सूत्र बताते है कि घटना के बाद हास्पिटल संचालक तबरेज, विभाग के जिम्मेदार लोगो से मिलकर मामले को मैनेज कर लिया ताकि जच्चा-बच्चा की हुई मौत के मामले में विभाग द्वारा कोई कार्रवाई नही की जाए। शायद यही वजह है कि घटना के दस दिन बीत जाने के बाद भी स्वास्थ्य विभाग के जिम्मेदार अधिकारी हास्पिटल संचालक तबरेज द्वारा मन्नत हास्पिटल बंद कर फ्रार होने की विलाप कर हाथ पर हाथ धरे बैठे है। नतीजतन विभाग द्वारा न तो अभी तक मन्नत हास्पिटल सील किया गया और न ही हास्पिटल के संचालक तबरेज के खिलाफमुकदमा दर्ज कराया गया है जबकि तबरेज के मन्नत हास्पिटल पर चिकित्सक के लापरवाही के कारण दो दिन के अन्तराल में नवजात व उसकी माँ को मौत की नींद सुला चुका है।

काश! लोगो के शिकायत पर हुई होती कार्रवाई

स्थानीय लोगो का कहना है कि काश पूर्व के शिकायतों पर बेसमेंट में तबरेज द्वारा अवैध तरीके से संचालित मन्नत हास्पिटल के खिलाफविभाग के जिम्मेदार लोगो ने कार्रवाई की होती तो मुन्ना मंसूरी की पत्नी व उसके नवजात शिशु की मौत नही हुई होती। लोगो का आरोप है कि विभाग के संरक्षण मे जनपद मे बिना डिग्रीधारी व झोलाछाप डाक्टरों का अवैध हास्पिटल संचालित हो रहा है।

बेसमेंट मे एक वर्षो से अवैध रुप से चल रहा था मन्नत हास्पिटल

स्थानीय लोगों का आरोप है कि तबरेज और स्वास्थ्य विभाग की आपसी गठजोड़ से मन्नत हास्पिटल अवैध तरीके से विगत एक वर्षों से बेसमेंट में संचालित हो रहा था। यहा के लोगो द्वारा विभाग से लगातार शिकायत की जाती रही है लेकिन आज तक स्वास्थ्य विभाग के जिम्मेदारो के कान पर जूँ नही रेंगा।

बिजली विभाग ने लगाया दो जगहों पर कैंप 12 लाख रुपए का बकाया बिल कराया भुगतान

जन एक्सप्रेस । पनियरा महाराजगंज

पनियरा विद्युत वितरण उपखंड द्वारा रविवार को उपभोक्ताओं की सुविधा के लिए दो अलग-अलग स्थानों पर कैंप का आयोजन किया गया। पनियरा उपखंड के रहसुगुर व मुजुरी के भवानीपुर में कुल 150 से उपभोक्ताओं आए थे। जिसमें 74 लोगो ने बिल का भुगतान कर छूट का लाभ प्राप्त किया। दोनों जगहों से 12 लाख रुपए का बिल भुगतान हुआ। जिसमें से पनियरा में सात लाख व भवानीपुर में पांच लाख। अधिशाषी अभियंता ई चंद्रेश उपाध्याय ने बताया कि यह पहल उपभोक्ताओं को लंबी कतारों और परेशानी से बचाने के लिए की गई थी। जिससे उपभोक्ताओं को काफी राहत मिल सके। इस दौरान उपखण्ड अधिकारी ई मुहम्मद शाहिद अंसारी, अवर अभियंता सुनील गुप्ता, अवर अभियंता अनुज कुमार, सूरज पांडे, अंकुर श्रीवास्तव, , सुभाष वर्मा, रजनीश मौर्या बुधराम निषाद सूर्य नारायण पासवान रविंद्र सिंह अजीत यादव वीरेंद्र यादव सुदर्शन अंकुर अमरनाथ गौड पवन त्रिपाठी अजय शर्मा व अन्य कर्मी मौजूद रहे।

बच्चे से सामूहिक रेप की नहीं हुई पुष्टि

परिजनों ने लगाया था आरोप, मेडिकल जांच में नहीं मिला अंदरूनी घाव

जन एक्सप्रेस । गोरखपुर

गोरखपुर शहर के राजघाट थाना क्षेत्र में बच्चे से सामूहिक रेप की पुष्टि नहीं हुई है। एक स्कूल में पढ़ने वाले इस छात्र के परिजनों ने स्कूल के ही सीनियर छात्रों पर 15 से 20 दिनों तक छात्र के साथ अप्राकृतिक सामूहिक रेप का आरोप लगाते हुए हंगामा किया था। जिसके बाद पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी थी। पीड़ित छात्र का मेडिकल परीक्षण कराया गया, जिसमें प्रथम दृष्टया आरोपों की पुष्टि होती नहीं दिख रही है। स्थिति को और स्पष्ट करने के लिए स्वैब को जांच के लिए फोरेंसिक साइंस लैब (एफएसएल) भेजा गया है।

आरोप के अनुसार शुक्रवार को कक्षा 4 में पढ़ने वाले बच्चे के परिजनों ने स्कूल गेट पर हंगामा किया था। उनका आरोप था कि कक्षा 7 व 8 के छात्रों ने उनके बेटे के साथ अप्राकृतिक दुष्कर्म किया है। हालांकि बच्चा किसी को पहचान नहीं सका था। उनका आरोप था कि बच्चा कई दिनों से डरकर स्कूल नहीं जा रहा था जबकि उसकी हाजिरी 24 दिसंबर तक मिली। आरोप के चलते अनुशासनहीनता में 4 छात्रों को निष्कासित कर दिया गया था।

स्कूल प्रबंधन ने एक दिन पहले सुनी थी बात

स्कूल प्रबंधन ने दोनों पक्षों को स्कूल पर बुलाया था। पीड़ित बच्चे के सामने अन्य बच्चों को बुलाया गया लेकिन वह किसी को पहचान नहीं सका। काफी देर पूछताछ के बाद उसने कुछ नाम बताए। जिसके आधार पर 4 छात्रों को निष्कासित कर दिया गया। पुलिस ने परिजनों की बात मानते हुए पाक्सो एक्ट में मुकदमा दर्ज कर लिया। पीड़ित बच्चे की मेडिकल जांच भी कराई गई लेकिन रिपोर्ट में अंदरूनी घाव नहीं पाया गया। प्रथम दृष्टया सामूहिक दुष्कर्म की पुष्टि नहीं हुई है।

राजनीतिक रंग देने की भी कोशिश

इस घटना को राजनीतिक रंग देने की कोशिश भी की गई। एक बार पीड़ित बच्चे के परिजन स्कूल से बात कर जा चुके थे। लेकिन इस मामले में बाद में राजनीति शुरू हो गई। एक स्थानीय नेता की भूमिका भी देखी जा रही है।

बोले एस पी सीटी

एसपी सिटी अभिनव त्यागी ने बताया कि परिजनों की मांग पर पहले मुकदमा दर्ज कराया गया है। शनिवार को मेडिकल जांच हुई लेकिन अंदरूनी चोट के निशान नहीं मिले हैं। उन्होंने बताया कि प्रथम दृष्टया सामूहिक दुष्कर्म की पुष्टि नहीं हुई है। एफएसएल की रिपोर्ट आने के बाद कार्रवाई की जाएगी।

गोरखपुर में एलआईसी एजेंट ने बांड पर करा दिया फर्जी लोन'

गोरखपुर। एलआईसी बांड पर फर्जी लोन कराए जाने का मामला अब तूल पकड़ता जा रहा है। एलआईसी एजेंट्स ने यह फ्रॉड एलआईसी के ब्रांच मैनेजरों की मिलीभगत से किया था। अब पुलिस ब्रांच मैनेजरों पर कार्रवाई की तैयारी कर रही है। पुलिस ने तीन मैनेजरों को नोटिस देकर पूछताछ के लिए बुलाया है। दरअसल, जांच में पता चला कि एजेंट ने यह घोटाला शाखा प्रबंधकों की मिलीभगत से अंजाम दिया। सभी फर्जी लोन उन्हीं के हस्ताक्षर से पास किए गए। अब तक इस मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है, जिनमें से एक शैलेंद्र के खाते में लोन की रकम गई थी। पुलिस की जांच में शाखा प्रबंधकों की भूमिका संदिग्ध पाई गई है। इसी के आधार पर तीन मैनेजरों को नोटिस जारी कर पूछताछ के लिए बुलाया गया है। एसपी सिटी अभिनव त्यागी ने बताया कि दस्तावेजों की गहन जांच की जा रही है। संदिग्ध प्रबंधकों को नोटिस देकर बुलाया गया है। जांच पूरी होने और साक्ष्य जुटने के बाद कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

गोरखपुर में बर्खास्त किए गए 9 बिजली कर्मी

निजीकरण के खिलाफआयोजित पंचायत में हुए थे शामिल

जन एक्सप्रेस । गोरखपुर

मुख्य अभियंता कार्यालय पर निजीकरण के खिलाफ 27 दिसंबर को लगी बिजली पंचायत में शामिल 9 बिजली कर्मी बर्खास्त कर दिए गए हैं। सभी संविदा कर्मचारी थे। उनकी नियुक्ति करने वाली वर्ल्ड क्लास सर्विसेज लिमिटेड ने यह कार्रवाई की है। कंपनी ने सेवा समाप्ति के आदेश में पहले दो बार दिए गए नोटिस का हवाला दिया है। इसमें किसी भी धरना-प्रदर्शन में शामिल होने से मना किया गया था।

बिजली निगम के अधिकारी व कर्मचारी निजीकरण के खिलाफ मुखर हैं। पूरे प्रदेश में विरोध चल रहा है। अलग-अलग शहरों में बिजली पंचायत लगाई जा रही है। इसी क्रम में शुक्रवार को गोरखपुर स्थित मुख्य अभियंता कार्यालय परिसर में पंचायत लगाई गई थी। इसमें गोरखपुर व बस्ती मंडल के अधिकारी, कर्मचारी शामिल थे। इस कार्रवाई से कर्मचारियों में आक्रोश है। हालांकि अभी उनकी ओर से कोई बयान नहीं आया है।

नए साल के पहले दिन काला दिवस मनाने का लिया है निर्णय

बिजली पंचायत में कर्मचारियों ने नए साल के पहले दिन 1 जनवरी को काला दिवस मनाने का निर्णय लिया है। इस दिन सभी कर्मचारी काली पट्टी बांधेंगे। वक्ताओं ने कहा था कि प्रबंधन औद्योगिक अशांति पैदा करने में लगा है। उन्होंने कहा कि सरकारी विद्युत वितरण निगम घाटा उठाकर लागत से कम मूल्य पर घरेलू उपभोक्ताओं को बिजली देते हैं। निजी कंपनी मुनाफे के लिए काम करती है। निजीकरण हुआ तो बिजली की दरों में काफी बढ़ोतरी होगी।

नोटिस में क्या कारण बताया?

कर्मचारियों को जारी सेवा समाप्ति के नोटिस में कंपनी ने धरना प्रदर्शन में शामिल होने को कारण बताया है। नोटिस में लिखा- आप पूर्व में ही अवगत हैं फर्म द्वारा 29 नवंबर 2024 व 7 दिसंबर 2024 को नोटिस जारी किया गया था कि कोई संविदा कर्मी किसी भी प्रकार के धरना प्रदर्शन, कार्य बहिष्कार एवं हड़ताल पर नहीं जाएंगे। यदि किसी संविदा कर्मी द्वारा ऐसा किया जाता है तो उसे तत्काल प्रभाव से फर्म से निष्कासित कर दिया जाएगा। इसके बावजूद आप धरना प्रदर्शन में गए जो फर्म के आदेशों का उल्लंघन है। इसलिए आपकी सेवा वर्ल्ड क्लास सर्विसेज लिमिटेड से तत्काल प्रभाव से समाप्त की जाती है।

सीएम पर जताया है विश्वास

संघर्ष समिति ने पदाधिकारियों ने सीएम योगी आदित्यनाथ पर पूरा भरोसा जताया है। वक्ताओं ने कहा कि सीएम के नेतृत्व में बिजली कर्मी लगातार सुधार में लगे हैं। घाटा लगातार कम हो रहा है। 2016-17 में घाटा 41 प्रतिशत था जो 2023-24 में 17 प्रतिशत रह गया है।

कर्मियों पर कार्रवाई का किया गया था विरोध

बिजली पंचायत में कर्मचारियों पर कार्रवाई का मामला भी उठा था। उनकी ओर से इसका विरोध किया गया था। कई क्षेत्रों में बिजली कर्मचारियों पर निलंबन की कार्रवाई की गई थी। पदाधिकारियों ने इसे उकसाने वाली कार्यवाही बताया था।

इन कर्मचारियों पर की गई है कार्रवाई

सहजनवा तहसील उपकेंद्र में तैनात रहे सुधीर तोड़ी, तुलसी प्रसाद, गीडा उपकेंद्र में तैनात देवेंद्र पासवान, सहजनवा ग्रामीण उपकेंद्र में तैनात अनिल यादव, गीडा उपकेंद्र के विवेक कुमार, धर्मेंद्र प्रजापति, सहजनवा ग्रामीण उपकेंद्र में तैनात रहे मनीष पासवान, ऋतुवेंद्र सिंह, भीटी रावत उपकेंद्र में पंकज पाल।

योगी सेवक दीपक सिंह ने ताइक्वांडो खिलाड़ियों को मेडल व प्रशस्ति पत्र देकर किया सम्मानित

जन एक्सप्रेस । महराजगंज

जनपद के पनियरा विधानसभा क्षेत्र के मुजुरी के एक मैरिज हाल में युवा समाजसेवी और क्षेत्र में योगी सेवक के रूप में महज कुछ ही दिनों में विख्यात दीपक सिंह ने ताइक्वांडो खिलाड़ियों को मेडल और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम के दौरान अपने सम्बोधन में युवा समाजसेवी दीपक सिंह ने कहा कि वर्तमान उत्तर प्रदेश की योगी और केन्द्र की मोदी सरकार खेलों का आयोजन कराकर क्षेत्रीय प्रतिभाओं को ब्लॉक, जनपद, प्रदेश के अलावा राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाने के लिए जगह जगह खेलो इण्डिया कार्यक्रम के माध्यम से एक विशेष स्थान मुहैया करा रही है जिससे ग्रामीण क्षेत्र के खिलाड़ी भी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए अपने क्षेत्र का नाम रोशन कर रहे हैं। सम्मान समारोह कार्यक्रम में रामनारायण चक्रवर्ती नेशनल कोच व नेशनल खिलाड़ी, रोशनी, तन्नू को नेशनल स्तर, सिद्धांत, आशुतोष कुमार, अनुराग राज गौड़ व अमित कुमार गौड़ को स्टेट चौम्पियनशिप तथा अनामिका, आदित्य, मांशू को जिलास्तरीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता में अपने हुनर का झंडा फहराने के लिए तथा उनके उत्साह वर्धन हेतु भाजपा नेता द्वारा मेडल व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया द्य वहीं युवा समाजसेवी दीपक सिंह ने उत्तर प्रदेश और केन्द्र सरकार की तमाम उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए सरकार की तमाम जनकल्याण कारी और महत्वाकांक्षी योजनाओं के सफल क्रियान्वयन की बात कही द्य इस दौरान वरिष्ठ भाजपा नेता काशीनाथ सिंह, मनोज पहलवान, अमरजीत निषाद, अजय सहानी, संदीप, विजय सिंह, आनन्द सिंह, मोहन सिंह व तमाम अन्य गणमान्य व खिलाड़ी रहे मौजूद।

नए साल पर मां सरयू महोत्सव व दीपदान का होगा भव्य आयोजन'

गोला गोरखपुर। उपनगर गोला में स्थित पक्का घाट पर हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी 1 जनवरी 2025 दिन बुधवार को नए साल के शुभ अवसर पर श्री सेठ लक्ष्मी प्रसाद सेवा ट्रस्ट द्वारा माँ सरयू महोत्सव का भव्य आयोजन होगा। जिसमें वाराणसी से पधार रहे विद्वान ब्राह्मणों द्वारा मां सरयू की महा आरती कराएंगे। बता दें कि माँ सरयू महोत्सव का भव्य आयोजन दिन में 12 बजे से शाम 5 बजे तक चलेगा। उपनगर के तहसील चौराहे के समीप स्थित लक्ष्मी प्रसाद मेमोरियल पब्लिक स्कूल के संरक्षक व पूर्व चेयरमैन गिरधारी लाल स्वर्णकार ने सम्मानित नगरवासियों और क्षेत्रवासियों से अपील करते हुए कहा कि आप सभी क्षेत्रवासियों नगरवासियों माताएं एवं बहनें 1 मां सरयू महोत्सव दीपदान एवं महा आरती में आप सादर आमंत्रित है तथा साथ ही आप सभी से विनम्र निवेदन है कि आप अपने अपने घरों से 5-5 दीपक लेकर सायंकाल 5 बजे माँ सरयू के पावन तट पर उपस्थित होकर दीपदान व माँ सरयू की भव्य महा आरती में सम्मिलित होकर पुण्य के भागी बनें।

जन जन को प्रेरणा देती है पीएम मोदी के मन की बात : डॉक्टर शलभ मणि त्रिपाठी

जन एक्सप्रेस । देवरिया

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मन की बात का 117 वाँ संस्करण शहर के विभिन्न स्थानों पर और जनपद के विभिन्न बूथों पर सुना गया । इस क्रम में बैतालपुर के बूथ संख्या 120, 121 पर सदर विधायक डा शलभ मणि त्रिपाठी ने कार्यकर्ताओं के साथ मन की बात सुनी । उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को श्मन की बातश् के 117 वें संस्करण में स्वास्थ्य क्षेत्र में मलेरिया और कैंसर के खिलाफलड़ाई, तमिल भाषा की प्राचीनता, फिल्मी हस्तियों की 100 वीं जयंती, बस्तर ओलंपिक, प्रयागराज महाकुंभ 2025 के ।प् चौटबोट सुविधा और संविधान के 75 वर्षों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि मन की बात में प्रधानंत्री जी बहुत ही बारीकी से राष्ट्र के मुद्दों और विकास कार्यों को रखते हैं । भाजपा जिलाध्यक्ष भूपेंद्र सिंह ने नगर मण्डल के बूथ संख्या 253 पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम के 117 वें संस्करण के लाइव प्रसारण को कार्यकर्ता साथियों के साथ सुना । उन्होंने कहा कि देश की प्रगति का सार होता है मन की बात कार्यक्रम में । उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जी मन की बात कार्यक्रम के माध्यम से 140 करोड़ देशवासियों के साथ संवाद स्थापित करके देश के लोगों को एक कुटुंब की तरह एकता का संदेश देते हैं । नगर मंडल के छत्रपति शिवाजी शक्ति केंद्र के बूथ संख्या 231 पर मन की बात सुनते हुए नगर अध्यक्ष रमेश वर्मा, वरिष्ठ नेता प्रेम अग्रवाल, जिला मीडिया प्रभारी प्रभाकर तिवारी, नगर उपाध्यक्ष संजू सोनी, शक्ति केंद्र संयोजक आनंद श्रीवास्तव, सभासद मनोज गोयल, मधु जायसवाल ,बूथ अध्यक्ष गण संदीप वर्मा, राहुल शर्मा, विकास वर्मा सागर बरनवाल, केशव रूंगटा आदि ने इस कार्यक्रम को कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणा स्रोत बताया।

मिशन शक्ति अभियान बना महज दिखावा

डार्क वेब के दौर में दुकानों पर अश्लील साहित्य ढूंढ रही पुलिस, 1278 दुकानों की कागज में कर दी जांच

जन एक्सप्रेस । गोरखपुर

गोरखपुर-बस्ती मंडल में यूपी पुलिस ने श्मिशन शक्तिश् अभियान के तहत 1278 दुकानों पर अश्लील साहित्य और सामग्री की तलाश की। कार्रवाई का उद्देश्य महिलाओं के खिलाफ अपराध को रोकना और अश्लील सामग्री को नष्ट करना था। लेकिन एक भी दुकान से आपत्तिजनक सामग्री बरामद नहीं हुई।

डिजिटल युग में बदल गए अश्लील सामग्री के स्रोत

सामाजिक कार्यकर्ता राजेश मणि का कहना है कि इंटरनेट के दौर में अश्लील सामग्री मोबाइल और डिजिटल प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध है। लोग इसे इसलिए पसंद करते हैं क्योंकि इसे छिपाना आसान है। किताबों और सीडी का चलन लगभग खत्म हो चुका है।

जिलावार की गई कागजी कार्रवाई का ब्योरा

- गोरखपुररू 428 दुकानें
- देवरियारू 319 दुकानें
- महराजगंजरू 217 दुकानें
- कुशीनगररू 68 दुकानें
- बस्तीरू 88 दुकानें
- संतकबीरनगररू 32 दुकानें
- सिद्धार्थनगर: 126 दुकानें पर इन जिलों में किताबों की दुकानों और इलेक्ट्रॉनिक्स स्टोर्स पर सघन जांच की गई।

पुलिस के लिए बना चुनौती

पुलिस के लिए सबसे बड़ी चुनौती यह है कि वह सभी के मोबाइल फोन की जांच नहीं कर सकती। हालांकि, साइबर कैफे और मोबाइल डाउनलोडिंग सेंटरों पर निगरानी रखी जाए तो कुछ हद तक सफलता मिल सकती है।

एजुकेशन फॉर ऑल सेमिनार का हुआ सफल आयोजन

जन एक्सप्रेस । गोरखपुर

शहीद स्मारक ऑडिटोरियम में आर्ट्स ऑफ गिविंग फाउंडेशन द्वारा श्एजुकेशन फॉर ऑलश् सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार का उद्देश्य शिक्षण संस्थानों में सुधार, नवाचार और खेलकूद के अवसरों को प्रोत्साहित करना था।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि चौरी चौरा के विधायक ई. श्रवण कुमार निषाद और अनुसूचित जाति एवं जनजाति आयोग के उपाध्यक्षधाज्यमंत्री बेचन राम ने आयोजन की सराहना की। उन्होंने कलिंगा इंस्टीट्यूट ऑफ इंडस्ट्रियल एंड टेक्नोलॉजी (ज्ञप्ज्) और इसके संस्थापक डॉक्टर. अच्युत सामंत के कार्यों की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि डॉक्टर. सामंत द्वारा शांति और खुशी को बढ़ावा देने के प्रयास प्रेरणादायक हैं।

नए साल से दिखेगा शीतलहर का सितम

जन एक्सप्रेस । गोरखपुर

गोरखपुर में जल्द ही ठंड का सितम और बढ़ेगा। इस हफ्ते मौसम में पूरी तरह बदलाव होने की संभावना है, जिसके बाद शीतलहर का कहर देखने का मिलेगा। मौसम विभाग के मुताबिक, जल्द ही जेट स्ट्रीम हवाओं के प्रभाव से ठंड में धीरे-धीरे बढ़ोतरी होगी, जिससे रातें काफी सर्द हो सकती हैं।

इस दौरान दिन का अधिकतम तापमान 20एब् तक रहने की उम्मीद है, लेकिन ठंड का एहसास 15एब् तक महसूस होगा। इस समय हवा में नमी भी अधिक रहेगी, जिससे ठंड की चुभन और भी तेज हो सकती है। मौसम विज्ञानी डॉ. कैलाश पांडेय के अनुसार, दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के ऊपर एक निम्न दबाव का क्षेत्र सक्रिय हो गया है, जो अगले कुछ दिनों में पूर्वी तट पर भारी बारिश का कारण बन सकता है। इस निम्न दबाव के प्रभाव से उत्तर भारत में मौसम का मिजाज और भी सर्द हो सकता है। मौसम विभाग ने 1 जनवरी से गोरखपुर समेत प्रदेश भर में बारिश के आसार जताए हैं। इसके साथ ही हल्की बारिश और बर्फीली हवाएं भी चल सकती हैं, जिससे ठंड में और इजाफा हो सकता है। डॉ. पांडेय ने बताया कि नए साल के पहले हफ्ते से कपकपाती ठंड का सामना करना पड़ सकता है, जो उत्तर भारत के कई हिस्सों में एक बार फिर शीतलहर की स्थिति पैदा कर सकती है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस मौसम में खासकर पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी की संभावना भी बनी हुई है, जिससे इन क्षेत्रों में ठंड और भी बढ़ेगी। साथ ही, मौसम में आए इस बदलाव के कारण शहरी और ग्रामीण इलाकों में लोगों को ठंड से बचाव के उपायों पर ध्यान देने की आवश्यकता होगी।

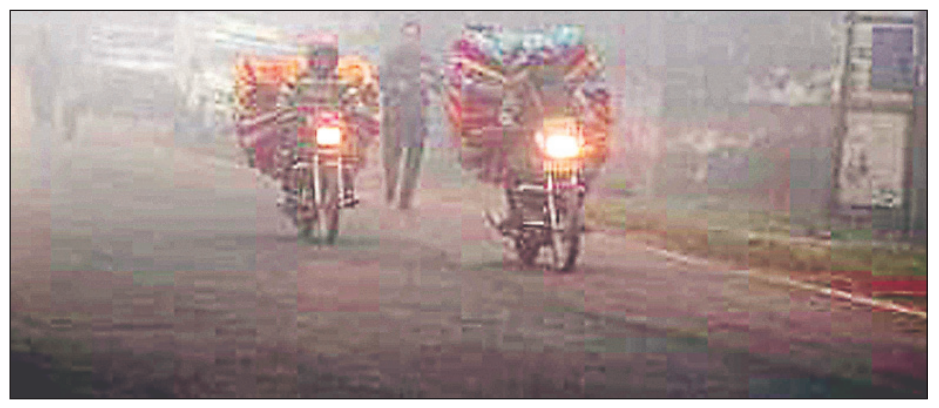

सामाजिक समरसता सहभोज कार्यक्रम विभिन्न वर्गों के लोग हुए शामिल

जन एक्सप्रेस । बलरामपुर

जनपद बलरामपुर भगवती यादव के विद्यालय इंटर कालेज के धर्मपुर मैदान में सेवाभारती बलरामपुर द्वारा हिन्दू समाज को संगठित करने के उद्देश्य से एवं जाति पांति से ऊपर उठकर सभी एक होकर राष्ट्र उत्थान एवं अपने धर्म के लिए एकजुट होकर कार्य करने के लिए सामाजिक समरसता सहभोज कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

जानकारी के अनुसार सामाजिक समरसता सहभोज कार्यक्रम की अध्यक्षता पंडित अटल बिहारी मेडिकल कालेज बलरामपुर के प्रिंसिपल डॉ राजेश ने किया । विशिष्ट अतिथि बौद्ध समाज के पूज्य संत भिक्षु रतन सागर ने समाज में व्याप्त बुराइयों से दूर रहने व भगवान बुद्ध के सन्देश को समाज मे रखा । उदासीन संगत मंदिर के महन्थ बृरजानन्द ने समाज के सामने आरएसएस की भूमिका का वर्णन किया । उन्होंने सेवाभारती के सेवा कार्यो की सराहना किया । कार्यक्रम के मुख्य वक्ता राजकिशोर ने गुरुनानक, संत रविदास, महावीर, वाल्मीकि एवं लोकमाता अहिल्याबाई होलकर के तीन सौवीं जन्म जयंती पर उनके द्वारा राष्ट्र के लिए किए गए कार्यों पर प्रकाश डाला । उन्होंने बताया कि डॉक्टर बाबा साहब भीमराव अंबेडकर को चुनाव हराने के लिए तत्कालीन प्रधानमंत्री की भूमिका एवं जनसंघ समर्थन के बारे में बाबा साहब के चुनाव के संयोजक दत्तोपंत ठेंगड़ी थे जो कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के असम प्रान्त के प्रचारक, भारतीय किसान संघ व स्वदेशी जागरण मंच के संस्थापक थे।

सेवाभारती बलरामपुर के जिलाध्यक्ष रूपेश मिश्र ने निकट भविष्य में शोषित, वंचित समाज में मिलजुल कर सेवा कार्य को गति देने पर जोर देते हुए कहा कि सेवा कार्य समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक पहुंचाया गया तो धर्मांतरण की गतिविधियों को रोका जा सकता है। सेवाभारती के गोंडा विभाग के विभाग अध्यक्ष बी.डी. जायसवाल ने सभी जातियों को आपस में समरस रहने का संदेश दिया । सेवाभारती के जिला उपाध्यक्ष सौरभ त्रिपाठी ने सेवा प्रकल्पों में जन जन तक पहुंचाने की बात पर जोर दिया । कार्यक्रम का समापन कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे डॉ राजेश के धन्यवाद ज्ञापित करने के साथ समाप्त हुआ । चिकित्सा आयाम प्रमुख डॉ विजय पांडेय ने चिकित्सा व शिक्षा के माध्यम से जरूरतमंदों की सेवा पर बल दिया । इस अवसर पर नगर संघचालक देव प्रकाश, जिला कार्यवाहक किरीट मणि, विधायक सदर पलटू राम ने अपना पूरा समय दिया । पूर्व जिलाध्यक्ष चन्द्र प्रकाश सिंह, श्याम मनोहर तिवारी, डॉ. प्रभात त्रिपाठी (चिकित्सा अधिकारी संयुक्त जिला चिकित्सालय) भगवती आदर्श विद्यालय प्रबंधक, विश्व गौरव, संगठन मंत्री डॉ आनंद, अजयवीर, डॉ राकेश चन्द्र श्रीवास्तव, गौरव मिश्रा, डी पी सिंह, कमलेश त्रिपाठी, कृष्ण कुमार गौतम, ओम प्रकाश मिश्रा, संजय यादव, डॉ पम्मी पांडेय, सुनीता सिंह जिला उपाध्यक्ष सेवाभारती, राम कृपाल शुक्ल, रमेश पहवा, सुनीता मिश्र, आद्या सिंह, मीना सोनकर, झूमा सिंह, शेरावाली शुक्ला, बृजेन्द्र तिवारी, श्याम सुंदर केसरवानी, सुन्दर बाबू, गंगा शर्मा, मंगल बाबू, रघुनाथ अग्रवाल, के के मौर्या, सूरज सोनी, रविन्द्र गुप्ता कमलापुरी, शिवम, नितिन, अभिषेक पुन्ज, हरेन्द्र, डॉ सुभाष, करन, राजू, विकाश कान्त, देव कुमार व मोनू सहित तमाम लोग उपस्थित रहे।

विनय दूसरी बार निर्विरोध युवा प्रदेश अध्यक्ष चुने गए

जन एक्सप्रेस/आगरा। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल द्वारा अयोध्या में शपथ ग्रहण समारोह आयोजन हुआ। प्रांतीय अध्यक्ष श्री बनवारी लाल कंछलजी द्वारा विनय कामरा को दूसरी बार 3 साल के लिए युवा प्रदेश अध्यक्ष मनोनित किया गया। विनय कामरा द्वारा व्यापारियों की विभिन्न परेशानियों को प्रशासन तक पहुंचाने एवं प्रशासन की नीतियों के बारे में समय-समय पर व्यापार मंडल को जागरुक करने एवम व्यापारियों के हित के लिए लगातार संगरहश एवम जुझारूपन को देखते हुए लगातार दूसरी बार 3 साल के कार्यकाल के लिए निर्विरोध प्रदेश अध्यक्ष चुना गया। शपथ ग्रहण समारोह अयोध्या में भव्य तरीके से संपन्न हुआ,जिसमे युवा एवम महिला प्रदेश एवम जिला अध्यक्ष एवम कार्यकारणी के सभी पदाधिकारी शपथ ग्रहण में सम्मिलित हुए। विनय कामरा ने दूसरी बार निर्विरोध युवा प्रदेश अध्यक्ष चुने जाने पर सभी प्रदेश एवम जिले के पदाधिकारियों एवम सदस्य एव व्यापारियों को साधुवाद दिया।

डॉ. मनमोहन सिंह एक महान व्यक्तित्व : श्री जीपी हिंदुजा

जन एक्सप्रेस । आगरा

श्री जीपी हिंदुजा ने अर्थशास्त्री डॉ. मनमोहन सिंह को याद करते हुए कहा कि अर्थशास्त्रियों में डॉ. सिंह एक महान व्यक्तित्व थे। जब दिवालियापन की कगार पर खड़े देश को किसी ऐसे अर्थशास्त्री की जरूरत थी जो भारत की बागडोर संभाले और भारत को एक नई दिशा दे सके, तब वे भारत के भाग्य विधाता बने। 1991 में उनके स्पष्ट दृष्टिकोण ने एक युगांतरकारी बजट के माध्यम से पुनर्जीवित कर राष्ट्र को उदारीकरण की राह पर आगे बढ़ाया जो पहले कभी नहीं देखा गया। उन्होंने भारत की पुरानी संरक्षणवादी नीतियों की बेड़ियों को तोड़ने में मदद की और भारत को दुनिया के लिए खोल दिया, यह एक परिवर्तनकारी कार्य था जिसे भविष्य में आधुनिक भारत के इतिहास में हमेशा स्वर्ण अक्षरों में याद किया जाएगा। जैसा कि हम जानते हैं कि भारतीय अर्थव्यवस्था के उदारीकरण से लेकर लाइसेंस राज के उन्मूलन तक, यह उनके प्रयास भी थे जिन्होंने भारत के आर्थिक परिवर्तन की नींव रखी और वैश्विक व्यापार के लिए दरवाजे खोले। भारत डॉ. सिंह के रूप में इस विनम्र लेकिन साहसी व्यक्ति का बहुत आभारी है, जिन्होंने भारत को परमाणु अलगाव से वैश्विक परमाणु राष्ट्रों की मुख्यधारा में लाने में एक अभिन्न भूमिका निभाई। इस प्रकार, वास्तव में डॉ. मनमोहन सिंह एक कुशल राजनेता थे जिन्होनें भारत को समृद्धि के पथ पर गौरवपूर्ण स्थान दिलाने में मदद की और इसके लिए उन्हें सदैव याद किया जाएगा।

पुलिस का लंगड़ा ऑपरेशन जारी फतेहाबाद पुलिस और बदमाश के बीच हुई मुठभेड़

मुठभेड़ के दौरान एक बदमाश के पैर में लगी गोली

जन एक्सप्रेस । आगरा

फतेहाबाद क्षेत्र अन्तर्गत शालूबाई के पास पुलिस और बदमाश के साथ हुई मुठभेड़ जिसमें एक बदमाश के पैर में लगी गोली घायल बदमाश को आगरा सन में कराया गया भर्ती अनिल राठौड़ पुत्र कंचन सिंह निवासी न्यू संजय नगर थाना मालगाड़ जिला ग्वालियर मध्य प्रदेश रात्रि पुलिस के गस्त करने के दौरान मुखबिर की सूचना पर फतेहाबाद क्षेत्र के अंतर्गत शालू बाई से वरना को जाने वाली सडक पर एक वाहन लोडर पर सवार 06 संदिग्ध व्यक्तियों को चेकिंग के दौरान रोकने का प्रयास किया गया तो नहीं रुके एवं सडक पर तेजी से भागे पुलिस द्वारा पीछा किया गया तो वाहन लोडर पर सवार बदमाशों द्वारा पुलिस पर फायर करते हुए भागने का प्रयास किया गया, पुलिस ने बदमाशों पर फायर कर दिया जिस पर एक बदमाश के पैर में गोली लगी एवं अन्य 05 बदमाशों को दौड़कर पकड़ने का प्रयास किया गया परन्तु बदमाश अन्धेरे का फायदा उठाकर भागने में सफल रहे। पकडे गये एक बदमाश से एक तमंचा .315 बोर, 03 खोखा कारतूस व 01 जिन्दा कारतूस 315 बोर व मोके पर खडे उक्त वाहन लोडर में 2 क्विंटल ताबे का कटा हुआ तार जो थाना हाजा के मुकदमा अपराध संख्या 301 / 24 धारा 303(2)/3.17(2) बीएनएस से बताया गया जो कि दिनांक 6 की रात्रि में उपाध्याय फीड प्लांट 628 विचौला आगरा में लगे ट्रान्सफार्मर से ताबें के तार चोरी करने की घटना की गई थी एंव थाना इरादतनगर व थाना शमशाबाद के ट्रान्सफार्मर तार चोरी की घटना से सम्बंधित माल बरामद हुआ है।

परियोजना निदेशक द्वारा एनटीपीसी टांडा की समीक्षा की गई

जन एक्सप्रेस । अम्बेडकर नगर

जनपद के एनटीपीसी लिमिटेड, के निदेशक (परियोजना) के एस सुंदरम ने एनटीपीसी टाण्डा की समीक्षा की। सरयू भवन अतिथि गृह पहुँचने पर टाण्डा परियोजना के मुख्य महाप्रबंधक जयदेव परिदा, नील कुमार शर्मा, महाप्रबंधक (प्रचालन एवं अनुरक्षण) एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने उनका स्वागत किया। अपने संक्षिप्त प्रवास पर सुंदरम ने मुख्य महाप्रबंधक परिदा तथा अन्य महाप्रबंधकों के साथ परियोजना के प्रथम और द्वितीय दोनों चरण के सयंत्रों का दौरा किया। इस अवसर पर उन्होंने कंट्रोल रुम, एफ.जी.डी. आदि का निरीक्षण करते हुए तैनात कर्मचारियों से वार्ता की और मार्गदर्शन भी किया। इस दौरान सुंदरम ने आवासीय परिसर स्थित नवनिर्मित %गेट कॉम्प्लेक्स% का उद्घाटन किया व साथ ही आवासीय परिसर में चल रहे नव निर्माण के कार्यों का अवलोकन कर आवश्यक सुझाव दिए।

इसके साथ ही परियोजना के प्रशासनिक भवन सम्मेलन कक्ष में यूनियन, एसोसिएशन एवं एस.एम.सी. सदस्यों के साथ बैठक कर गहन समीक्षा करके दिशा-निर्देश दिए। प्रस्थान से पूर्व, निदेशक (परियोजना) सुंदरम ने मुख्य महाप्रबंधक परिदा के साथ परियोजना के अतिथि गृह प्रांगण में वृक्षारोपण भी किया।

योग शिविर में सिखाए गए आसन एवं प्राणायाम

जन एक्सप्रेस । तुलसीपुर बलरामपुर

जनपद बलरामपुर में तहसील मुख्यालय तुलसीपुर स्थित गायत्री शक्तिपीठ मंदिर पर प्रातः नित्य योग ध्यान प्राणायाम का आयोजन किया जा रहा है । योग गुरु पुष्पेंद्र कुमार द्वारा प्रतिदिन मंदिर पर एकत्रित कार्यकर्ताओं को सूक्ष्म व्यायाम के साथ आसन, ध्यान, प्राणायाम, अनुलोम, विलोम, ताड़ासन, ग्रीवा संचलन आदि कराया जा रहा है । उन्होंने बताया कि नियमित योग आसन करने से हम अपनी बहुत से गंभीर बीमारियों से भी छुटकारा प्राप्त कर सकते हैं बशर्ते योग नियमित किया जाए । कार्यक्रम में मंजू जायसवाल, पल्लवी गुप्ता, सरोज गुप्ता, राखी गुप्ता, प्रदीप गोयल, अशर्फीलाल, राम भारती गोस्वामी, शिवराम उपस्थित रहते हैं।

पूर्व सांसद ने प्रदान की मैन ऑफ द मैच की ट्रॉफी

जन एक्सप्रेस । बलरामपुर

जनपद बलरामपुर जिला मुख्यालय के एमएलके पीजी कालेज में आयोजित हो रहे महाराजा सर भगवती प्रसाद सिंह अखिल भारतीय प्राइज मनी हॉकी टूर्नामेंट के सेमीफाइनल मैच में बतौर मुख्य अतिथि पूर्व सांसद अध्यक्ष जिला पंचायत श्रावस्ती दद्दन मिश्रा शामिल हुए । उन्होंने सेमीफइनल मुकाबला हाकी एकेडमी नागपुर एवं रेलवे भुसावल महाराष्ट्र के खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया एवं विजेता टीम नागपुर के उत्कृष्ट खिलाडी दिव्यांशु साहू को मैन आफ द मैच की ट्राफी देकर उत्साहबर्धन किया । पूर्व सांसद के साथ सदर विधायक बलरामपुर पलटू राम, प्राचार्य सचिव टूर्नामेंट प्रोश्र जेपी पाण्डेय, आयोजन सचिव डॉ राजीव रंजन, डॉ अलोक शुक्ला, डॉ ऋषि रंजन पाण्डेय, अध्यक्ष जिला पंचायत बलरामपुर आरती तिवारी, सुजीत कुमार, अतुल तिवारी, समप्रीत सिंह व विशाल यादव सहित तमाम गणमान्य लोग मौजूद रहे।

भारत के 10 बच्चो को मिली साईकिल, 60 को मिलीं ट्रॉफ़ियाँ व नेशनल रैंक

जन एक्सप्रेस । आगरा

ब्रेनबी की ओर से ब्रेनबी नेशनल ओलंपियाड परीक्षा का गुरुवार को समापन पर पुरुष्कार वितरण समारोह हुआ। जिसमे पांच से 15 वर्ष तक उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को ट्रॉफीज़ के साथ गोल्ड व सिल्वर मेडल देकर सम्मानित किया गया। देश के 10 टॉपर विद्यार्थियों को बीएसए साइकिल पुरस्कार के रूप में प्रदान की गयीं। जिसे पाकर बच्चो के चेहरे खुशी से खिल गए। निर्देशिका सोनाली खण्डेलवाल ने बताया कि चार वर्गों में ड्राइंग एंड कलरिंग, हेंडराइटिंग, मैंटल मैथ, जनरल नॉलिज विषय पर देश के 16 से अधिक प्रांत में हुई ऑनलाइन और ऑफलाइन परीक्षा में चुटकियों में जटिल से जटिल सवालों को हल करने वाले होनहार विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र देकर पुरुस्कृत किया है। ये प्रतियोगिता 20 चर्डों में देश के अलग अलग स्कूलों में ऑफलाइन मोड में हुई और दो चरणों में एक साउथ इंडिया और एक नार्थ इंडिया के लिये ऑनलाइन मोड में हुई ।जिसका समापन अब पूरे देश में हो चुका है। आगरा शहर के लगभग एक दर्जन से अधिक स्कूल - दिल्ली पब्लिक स्कूल आगरा, सैंट पीटर्स कॉलेज, सेंट क्लीयर्स यूनिट-1, गायत्री पब्लिक स्कूल, इंडियन हैरीटेज स्कूल, होली लाइट स्कूल, कर्नल ब्राइटलैंड पब्लिक स्कूल, प्रिल्यूड पब्लिक स्कूल, सुमित राहुल गोयल मेमोरियल स्कूल, आगरा पब्लिक स्कूल की पाँचों शाखायें , सनफ्लावर पब्लिक स्कूल, सेंट क्लेयर्स यूनिट-2 आदि ऑफलाइन मोड में प्रतियोगिता में शामिल हुए और बाहर के दिल्ली पब्लिक स्कूल दौलतपुर, न्यू होराइजन ग्रुप ऑफ स्कूल्स मुंबई की आठों शाखायें, पाइनवुड स्कूल सहारनपुर भी ऑफलाइन मोड में शामिल हुए और देश के बाक़ी सभी स्कूलों ने ऑनलाइन मोड में भाग लिया।

सांई लीलाशाह भगवान के भक्तों का जत्था रवाना

जन एक्सप्रेस/आगरा। श्री कृष्ण गौशाला शाहगंज आगरा से सांई लीलाशाह भगवान जी के भक्तों का जत्था सांई लीलाशाह भगवान के 02 दिवसीय वार्षिकोत्सव कार्यक्रम बल्लभग्राम खैरथल (अलवर) में उपस्थित होने के लिए रवाना हुआ, कारों बस से रवाना होने से पूर्व स्वामी जी की आरती की गई पंडित विष्णु शुक्ला द्वारा श्रीफल तोड़ने के बाद प्रसाद बांटकर यात्रा को रवाना किया गया अध्यक्ष गिरधारी लाल भक्तयानी वार्षिकोत्सव में जाने वालों में सैकड़ों लोगों पहुंचकर शोभा यात्रा में सम्मिलित होकर साईं के दर की खुशियां पाते।

हिस्ट्रीशीटर अपराधियों की गतिविधियों पर पुलिस की पैनी नजर, किया गया सत्यापन

जन एक्सप्रेस । अम्बेडकर नगर

जनपद के पुलिस अधीक्षक केशव कुमार के निर्देशानुसार समस्त थानों की पुलिस टीम द्वारा विशेष अभियान चलाकर *थाना क्षेत्र अंतर्गत पड़ने वाले कुल-670 हिस्ट्रीशीटर अपराधियों का सत्यापन किया गया।* इस अभियान के अन्तर्गत हिस्ट्रीशीटर अपराधियों की वर्तमान गतिविधियों पर निगरानी रखने के साथ साथ उन्हें किसी भी प्रकार के अपराध से दूर रहने के लिए शख्त हिदायत दी गई। समस्त थानों कि पुलिस टीम द्वारा सूचीबद्ध हिस्ट्रीशीटर अपराधियों के निवास स्थानों पर जाकर उनकी गतिविधियों का भौतिक सत्यापन किया गया तथा सभी अपराधियों को सख्त हिदायत दी गई कि वे किसी भी प्रकार की आपराधिक गतिविधि में संलिप्त न हों। उन्हें यह भी चेतावनी दी गई कि यदि वे कानून का उल्लंघन करते पाए गए तो उनके खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। सत्यापन अभियान के दौरान स्थानीय जनता को जागरूक किया गया और उनकी सुरक्षा को प्राथमिकता देने का आश्वासन दिया गया। जिन अपराधियों की गतिविधियां संदिग्ध पाई गईं, उनके खिलाफ निगरानी बढ़ाने और कानूनी कार्रवाई की प्रक्रिया प्रारंभ की गई। पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में जनपदीय पुलिस द्वारा जनता से अपील की है कि वे किसी भी प्रकार की आपराधिक गतिविधि की सूचना तत्काल स्थानीय पुलिस को दें।

सरीफ मलिक बने जिला सचिव

जन एक्सप्रेस/आगरा। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के निर्देश पर समाजवादी पार्टी जिला आगरा के जिला अध्यक्ष कृष्ण वर्मा ने शरीफ मलिक को जिला सचिव पद पर मनोनीत किया है। पूर्व में रहे कई महत्वपूर्ण पदों पर सक्रियता को देखते हुए पार्टी ने इन्दें ये नई जिम्मेदारी दी है। इनके मनोनीत राष्ट्रीय महासचिव व राज्यसभा सांसद रामजीलाल सुमन, डॉ वीरेंद्र सिंह चौहान, प्रदेश सचिव नितिन कोहली, सुरेंद्र चौधरी, सुरेश दिवाकर, तेजवीर सिंह बघेल, साबिर अली, पार्षद सज्जन अली, आरिफ उस्मानी, जितेंद्र बाल्मीकि, सचिन बघेल, पवन प्रजापति समस्त लोगों ने आभार प्रकट किया है। एवं इनके उज्जवल भविष्य की कामना की है।

पालिका अध्यक्ष ने प्रस्तावित प्रोजेक्ट कार्यों का किया निरीक्षण

जन एक्सप्रेस । बलरामपुर

जनपद बलरामपुर जिला मुख्यालय स्थित आदर्श नगरपालिका परिषद अध्यक्ष डॉ.धीरेन्द्र प्रताप सिंह धीरू एवं अधिशाषी अधिकारी लाल चन्द्र मौर्य ने पालिका ने प्रस्तावित प्रोजेक्ट एवं नव निर्माण कार्यों तथा पालिका भवन, आडिटोरियम, वृद्धा आश्रम का निरीक्षण किया । स्थानीय निरीक्षण टीम द्वारा प्रस्तावित स्थलों के चयन तथा कराये जा रहे कार्यों का निरीक्षण किया गया । जिसमें एमआरएफ सेन्टर नालों क्षतिग्रस्त पुल शामिल हैं। अवसर पर जेई अविनाश यादव, डीपी सिंह बैस, सभासद राघवेन्द्र कान्त सिंह मंटू, राकेश कश्यप, मनोज यादव, आनन्द किशोर, संदीप मिश्र व अक्षय शुक्ल उपस्थित रहे।

हॉकी महाकुंभ के सेमी फाइनल मैच में गाजीपुर व नागपुर की टीम विजयी

- सोमवार को होगा हॉकी महाकुंभ का फाइनल मुकाबला

जन एक्सप्रेस । बलरामपुर

जनपद बलरामपुर जिला मुख्यालय पर एमएलके पीजी कॉलेज के हॉकी मैदान पर चल रहे महाराजा सर बीपी सिंह अखिल भारतीय प्राइज मनी हॉकी टूर्नामेंट का सेमी फाइनल मैच रविवार को खेला गया । सेमी फाइनल मैच में गाजीपुर तथा नागपुर की टीम विजय घोषित की गईं । सोमवार को हाकी महाकुंभ 2024 का फाइनल मुकाबला गाजीपुर तो तथा नागपुर के बीच खेला जाएगा । जानकारी के अनुसार 29 दिसंबर को महाराजा सर भगवती प्रसाद सिंह अखिल भारतीय प्राइजमनी हॉकी टूर्नामेंट में एम एल के पी जी कॉलेज बलरामपुर के हॉकी मैदान पर 26 दिसंबर से चल रहे हाकी महाकुंभ के सेमीफाइनल मुकाबले खेले गए। पहला सेमीफाइनल मुकाबला श्री मेघबरन सिंह हॉकी एकेडमी करमपुर गाजीपुर एवं आई टी बी पी जालंधर के मध्य खेला गया। खिलाड़ियों से परिचय राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक मनोज, विधायक तुलसीपुर कैलाशनाथ शुक्ल, पूर्व वन निगम अध्यक्ष उत्तर प्रदेश सलिल सिंह टीटू, राकेश तिवारी ब्लॉक प्रमुख गैड़ास बुजुर्ग, टूर्नामेंट सचिव व प्राचार्य प्रो0 जे पी पाण्डेय, प्रबंधक राम शंकर भारतीय इंटर कॉलेज शिव कुमार द्विवेदी, के के वाजपेयी अधिशाषी अध्यक्ष बलरामपुर चीनी मिल, एच आर हेड बलरामपुर चीनी मिल डी के सिंह, एच आर तुलसीपुर चीनी मिल आशीष सिंह के साथ आयोजन सचिव डॉ राजीव रंजन, डॉ आलोक शुक्ल व डॉ ऋषि रंजन पाण्डेय ने प्राप्त किया। पहले हाफ तक गाजीपुर की टीम जालंधर पर 2-0 की बढ़त बनाये हुए थी। गाजीपुर ने जालंधर को 3-2 से हराया। मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार गाज़ीपुर के 17 नम्बर राहुल राजभर को दिया गया।

सेमीफाइनल का दूसरा मैच दूसरा सेमीफाइनल मुकाबला नागपुर हॉकी एकेडमी नागपुर बनाम भुसावल रेलवे बॉयज महाराष्ट्र के बीच खेला गया। खिलाड़ियों से परिचय सदर विधायक पलटू राम, डॉ धीरेन्द्र प्रताप सिंह धीरू अध्यक्ष नगर पालिका परिषद बलरामपुर, दद्दन मिश्र पूर्व सांसद व जिला पंचायत अध्यक्ष श्रावस्ती, आरती तिवारी जिला पंचायत अध्यक्ष बलरामपुर, प्रणव कुमार सिंह चेयरमैन एस एस सी ग्रुप, श्याम मनोहर तिवारी, डी पी सिंह, बृजेन्द्र तिवारी, प्राचार्य प्रो0 जे पी पाण्डेय के साथ आयोजन सचिव डॉ राजीव रंजन, डॉक्टर आलोक शुक्ला, व डॉक्टर ऋषि रंजन पांडेय ने प्राप्त किया। नागपुर की टीम ने भुसावल को 3-0 से पराजित किया। मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार नागपुर के 06 नम्बर को दिव्यांशु शर्मा को दिया गया। टूर्नामेंट के दौरान प्रोफेसर पीके सिंह, डॉ सदगुरु प्रकाश, कामर्स के विभाग अध्यक्ष केपी मिश्रा, वनस्पति विज्ञान विभाग के डॉक्टर मोहम्मद अकमल, डॉक्टर राजन प्रताप सिंह, प्रोफेसर श्रीप्रकाश मिश्र, डॉक्टर श्रीकृष्ण त्रिपाठी, डॉ अभिषेक सिंह, डॉ सुनील शुक्ला, डॉ शालिनी सिंह, डॉ शिव महेंद्र सिंह व डॉ राहुल कुमार सहित महाविद्यालय के अन्य प्राध्यापक प्राध्यापिकाएं तथा बड़ी संख्यां में खेल प्रेमी दर्शक मौजूद थे। कार्यक्रम का संचालन लेफ्टिनेंट डॉ देवेंद्र कुमार चौहान द्वारा किया गया।

हाकी महाकुंभ का फाइनल मुकाबला आज

महाराजा सर भगवती प्रसाद सिंह अखिल भारतीय प्राइजमनी हॉकी टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला 30 दिसम्बर को एम एल के पी जी कॉलेज के हॉकी मैदान पर प्रातः 10 बजे से खेला जाएगा। हाकी महाकुंभ का फाइनल मुकाबला श्री मेघबरन सिंह हॉकी एकेडमी करमपुर गाजीपुर तथा नागपुर एकेडमी नागपुर के बीच खेला जाएगा।

जिला स्तरीय बेसिक टीचिंग स्टाफ क्रिकेट टूर्नामेंट का राज्य मंत्री संजय सिंह गंगवार ने शॉट लगाकर किया उद्घाटन

जन एक्सप्रेस । पीलीभीत

रविवार को जिला स्तरीय बेसिक टीचिंग स्टाफ क्रिकेट टूर्नामेंट का शुभारंभ गन्ना विकास एवं चीनी मिल राज्य मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार संजय सिंह गंगवार के द्वारा स्वंय कुछ आकर्षक शॉट लगाकर किया गया। उद्घाटन कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि आरएसएस के यशवर्धन मिश्रा गगन रहें। वहीं मुख्य अतिथि राज्य मंत्री संजय सिंह गंगवार ने इस तरह के आयोजन को प्रतिवर्ष कराने के लिए टूर्नामेंट प्रबंध समिति की भूरी भूरी प्रसन्सा की।

साथी राज्य मंत्री श्री गंगवार ने इस तरह के आयोजन में आने का वादा भी किया।

विशिष्ट अतिथि यशवर्धन मिश्र गगन द्वारा शिक्षकों की खेल प्रतिभा की सराहना की गयी।

इस टूर्नामेंट में बेसिक शिक्षा विभाग के समस्त ब्लॉक समेत 8 टीमों ने प्रतिभाग किया।

पहला मैच रेस्ट ऑफ़ बेसिक इलेवन तथा मरोरी ब्लॉक के मध्य खेला गया जिसमें रेस्ट आफ बेसिक ने मरौरी ब्लॉक को 14 रन से हरा दिया। रेस्ट ऑफ बेसिक ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 12 ओवर में 122 रन बनाए जिसमें कुलदीप नेगी ने 36 रन राजीव यादव ने 28 रन शुभम ने 17 रन तथा जतिन ने 16 रनों का योगदान दिया। मरौरी की ओर से प्रफुल्ल दीक्षित ने हैट्रिक समेत चार विकेट लिए। जवाब में लक्ष्य का पीछा करते हुए मरोरी ब्लॉक के प्रफुल्ल दीक्षित के 21 रन तथा बृजेश के 36 रनों की बदौलत 5 ओवर में ही 62 रन जोड़ लिए थे पर दोनों के विकेट गिरने के साथ ही टीम के अन्य खिलाड़ी कुछ खास नही कर सके और जिससे मरौरी टीम 108 रन ही बना सकी और मैच 14 रनो से हार गयी। दूसरा मैच बिलसंडा ब्लॉक तथा अमरिया ब्लॉक के शिक्षकों के बीच खेला गया जिसमें बिलसंडा 7 विकेट से विजई रही। अमरिया ने पहले खेलते हुए 78 रन बनाए जिसको बिलसंडा ने अंकित तथा शिव प्रकाश की बल्लेबाजी से 7 विकेट से जीत दर्ज की।

तीसरा मैच बरखेड़ा तथा पूरनपुर के मध्य खेला गया जिसमें पूरनपुर ने बरखेड़ा को 7 विकेट से हराया। बरखेड़ा ने 79 रन का लक्ष्य दिया जिसे पूरनपुर ने हिमांशु के 29 रनों की बदौलत जीत दर्ज की।

दिन का अंतिम मैच ललौरी खेड़ा तथा बीसलपुर के मध्य खेला गया जिसमें ललौरी खेड़ा ने बीसलपुर को 25 रन से हराया।

ललौरी खेड़ा के 98 रन के लक्ष्य के सापेक्ष बीसलपुर 73 रन ही बना सकी।

सेमीफाइनल और फाइनल मैच सोमवार को खेले जायेंगे टूर्नामेंट के आयोजन में बेसिक शिक्षा विभाग के समस्त स्टाफ का योगदान रहा संचालन व्यवस्था हर्षित राज गंगवार तथा शिवम जायसवाल की रही। मैच के दौरान धीरज, नवीन, प्रशांत, अनुज, शिशिर, जितेंद्र, फरहान आदि उपस्थित रहे।

घर से लापता ग्रामीण का खेत में मिला अध्खाया शव, बाघ के हमले से मौत की आशंका

- पांच दिन लापता ग्रामीण की तलाश कर रहे थे स्वजन
- पुलिस ने पोस्टमार्टम को भेजा शव, स्वजनों में मचा कोहराम

जन एक्सप्रेस । हजारा

पूरनपुर। पांच दिन पूर्व घर से निकले ग्रामीण का रविवार शाम गांव से कुछ दूर खेत में क्षत-विक्षत शव पड़ा मिला। ग्रामीण का अध्खाया शव मिलने से सनसनी फैल गई। घटना की जानकारी पर वन विभाग और पुलिस की टीम मौके पर पहुंच गई। स्वजनों ने बाघ के हमले में मौत की आशंका जताई है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। हजारा थाना क्षेत्र के गांव रामनगर निवासी अजय पाल सिंह (38) पुत्र बृजकिशोर की शादी पूर्वांचल के देवरिया से हुई थी। अजय पाल अक्सर स्वजनों को बताएं बगैर ससुराल चला जाता था। 24 दिसंबर को अजय पाल स्वजनों को बगैर बताए घर से निकल गया। देर रात तक घर वापस न लौटने पर स्वजनों ने आशंका जताई कि वह अपनी ससुराल देवरिया चला गया होगा। अगले दिन भी घर वापस न आने पर स्वजनों ने ससुराल में जानकारी की। ससुराल के लोगों ने अजय पाल के देवरिया ना पहुंचने की जानकारी दी। जिसके बाद परिजनों ने अजय पाल की तलाश शुरू कर दी। रविवार गांव की कुछ महिलाएं खेत पर चारा लेने गई हुई थी। रामनगर में टपरा पर बने शक्ति माता के स्थान से कुछ दूर खेत में ग्रामीण का क्षत-विक्षत शव पड़ा हुआ था।शव को देख महिलाओं ने सूचना खेत में काम कर रहे ग्रामीणों को दी। जिसके बाद आस पड़ोस के दर्जनों ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। अजय पाल के स्वजनों ने शव की पुष्टि की। ग्राम प्रधान सत्य प्रकाश सिंह ने घटना की जानकारी हजारा पुलिस को दी। घटना की जानकारी पर हजारा इंस्पेक्टर प्रकाश सिंह पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंच गए। स्वजनों ने बाघ के हमले में अजय पाल की मौत की आशंका जताई। सूचना पर बफर जो संपूर्ण नगर वन क्षेत्राधिकारी अनिल कुमार वन विभाग की टीम के साथ मौका पर पहुंच गए। वन विभाग की टीम में शव के आसपास बाघ के पगमार्क देखें। वन विभाग की टीम को बाघ के पगमार्क नहीं मिले। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक के एक पुत्र है। घटना के बाद से परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है। प्रभारी निरीक्षक प्रकाश सिंह ने बताया कि घटना की सूचना के बाद मौके पर पहुंचा था। प्रथम दृष्टया बाघ के हमले में ग्रामीण की मौत होना प्रतीत हो रही है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में ही मौत का सही कारण स्पष्ट हो सकेगा।

मेला अंतरिक्ष की तरह खूबसूरत चांद सितारों से भरपूर

- पीलीभीत के लिए वार्षिक उपहार है विराट शरद मेला- संजय गंगवार

जन एक्सप्रेस । पीलीभीत

रोटरी क्लब पीलीभीत द्वारा लगाया जा रहे पांच दिवसीय विराट रोटरी शरद मेले का समापन एक भव्य समारोह के साथ संपन्न हुआ।

इस अवसर पर शनिवार को मेल के हुए समापन के दौरान मुख्य अतिथि राज्य मंत्री संजय सिंह गंगवार ने कहा कि प्रतिवर्ष लगाए जाने वाले शरद मिले की जितनी तारीफ की जाए कम हैं। आपने मेले को अंतरिक्ष की भांति बताया कि जिस तरह अंतरिक्ष में चांद सूरज तारे मिलकर उसे भव्य बनाते हैं, वैसा ही आज का मेला है। मेला कठेरिया तथा रनर वैष्णवी आई।

इसके अतिरिक्त मंच पर एकल गायन प्रतियोगिता भी हुई जिसको डॉक्टर भारत कंचन, डॉक्टर आस्था कंचन, डॉक्टर पीएम सक्सेना, डॉ ममता सक्सेना, इंजीनियर गौरव एवं रीना ने संपन्न कराया।

रोजाना की रंगोली प्रतियोगिता का विषय था पौराणिक गाथा इसमें प्रथम स्प्रिगडले स्कूल .द्वितीय स्प्रिगडले कॉलेज .तृतीय अवंती बाई कन्या विद्यालय. रहा।

मंच का विशेष आकर्षण जील डांस भी रहा।

इसके अतिरिक्त नेल आर्ट प्रतियोगिता सीनियर में प्रथम अवनी गुप्ता,द्वितीय निष्ठा, तृतीय मनस्वी चावला,जूनियर ग्रुप में दिव्यांशी शर्मा. परी और प्रताप इसके निर्णायक मंडल में वर्षिता अग्रवाल तथा नेहा गोयल थी।

कार्यक्रम को राजीव अग्रवाल. रितु अग्रवाल. विजय जायसवाल. चांदनी बग्गा ने संपन्न कराया कबाड़ से धमाल* कार्यक्रम के लिए सीनियर में प्रथम अर्चना द्वितीय झलक अग्रवाल. तृतीय अंशिका शुक्ला. और विशेष पुरस्कार अलफ़िज़ा नाज. जूनियर में पार्थ अग्रवाल महिमा अग्रवाल. सृष्टि तथा विशेष पुरस्कार हेतु काव्यांश पांडे को चुना गया।

इस प्रतियोगिता को संजीव अग्रवाल. रूपाली. डॉक्टर सौरभ. चारु अग्रवाल ने संपन्न कराया।

आज मेले में एच. एच. आई . सी. ग्रुप द्वारा एक विशेष पोस्टकार्ड ग्रुप अध्यक्ष अभिताभ अग्निहोत्री व रमाकांत ने जारी किया।

जिसको भारत मे 6 रु. तथा विदेश में 15 रु में प्रयोग लिया जाएगा। आज मेले में डॉ.एस के अग्रवाल रविंद्र अग्रवाल परविंदर सिंह सैहमे पंकज महातिया डॉक्टर मनोज गुप्ता. रोटेरियन अंशुल अग्रवाल. कार्तिक भसीन. डॉक्टर प्राजंल अगरवाल, नीना मेहरोत्रा. डॉ अनुरीता सक्सेना विजय जायसवाल. विश्वनाथ चंद्र. रचित अग्रवाल रवि अग्रवाल कपिल अग्रवाल, राकेश अग्रवाल आदि अनेकों रोटेरियन व एनीस मौजूद थें।

इकरा में हुआ वार्षिक मेले में लकी ड्रा का हुआ आयोजन

- इसका मुख्य उद्देश्य है कि छात्र-छात्राओं के बीच में सामंजस्य प्रेम एवं सौहार्द की भावना का विकास हो- अखलाक हसन खां

जन एक्सप्रेस । पीलीभीत

रविवार को शहर के स्थानीय इकरा पब्लिक गर्ल्स इंटर कॉलेज में वार्षिक मेले का आयोजन किया गया। यह मेला प्रतिवर्ष दिसंबर माह में आयोजित किया जाता है जिसमें सभी छात्राएं और उनके अभिभावक अत्यधिक हर्षोल्लास के साथ प्रतिभाग करते हैं वार्षिक मेले का शुभारंभ असद कोचिंग सेंटर के डायरेक्टर सैयद असद अली तथा नेशनल स्टेशनर्स सैयद शारिक अली ने फीता काटकर किया । मेले में छात्र छात्राओं के द्वारा अत्यधिक सुंदर और विभिन्न प्रकार के खेलों से सुसज्जित स्टाल लगाए गए थे जिसमें सभी छात्राएं अत्यधिक उत्साह के साथ प्रतिभाग कर रहे थे। पूरे विद्यालय में जश्न का माहौल था सभी लोग मेले का आनंद ले रहे थे। मेले में खानपान के स्टाल भी लगाए गए थे जिन पर खूब ज्यादा भीड़ देखने को मिल रही थी। मेले में लकी ड्रा का भी आयोजन किया गया था जिसमें प्रथम पुरस्कार आर रो वॉटर प्यूरीफायर सैयद महिम अली द्वितीय पुरस्कार गैस का चूल्हा मोहम्मद ताहिर तीसरा पुरस्कार कु अलीशा को डिनर सेट प्राप्त हुआ। मेला प्रातः 11ः00 से प्रारंभ होकर शाम को 4ः30 बजे समाप्त हुआ। मेले में आए हुए सभी आगंतुकों का विद्यालय के प्रधानाचार्य अखलाक हसन खान ने स्वागत व धन्यवाद किया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन विद्यालय में प्रतिवर्ष किया जाता हैं।

जिसका एक ही मकसद होता है कि सभी छात्राओं के बीच में सामंजस्य प्रेम एवं सौहार्द की भावना का विकास हो। मेले में सबसे सुंदर सजावट टॉय शॉप पर की गई थी जिसको प्रथम पुरस्कार दिया गया मेले में सबसे अधिक सक्रिय रहने पर विद्यालय की अध्यापिका शबाना एवं मेला प्रभारी अफसर अहमद को मेले के सफल आयोजन के लिए विद्यालय प्रबंधन तंत्र के द्वारा सम्मानित किया गया।इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधक इकबाल हसन खान एजाज़ हसन खान ,हमजा खान वसीम उद्दीन खां, मधु सक्सेना, रजनी सक्सेना, गुलफिश, कु राहत, सीमा, नजीर हुसैन आदि उपस्थित रहें।

पिछले दो दिन से गायब हुए छात्र का रेलवे क्रासिंग के निकट मिला शव

जन एक्सप्रेस । बीसलपुर

दो दिन पहले घर से गायब हुए युवक का शव कासिमपुर रेलवे क्रासिंग के निकट मिलने से ग्रामीणों नें में हड़कंप मच गया। मामले की सूचना कोतवाली पुलिस को दी गयी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने परिजनों को सूचना दी। घटना स्थल पर रोते बिलखते परिजन पहुंच गये। पुलिस ने शव को सील कर पोस्ट मार्टम हेत जिला मुख्यालय भेज दिया है।

बरखेड़ा थाना क्षेत्र के गांव सिमरिया तारातंद निवासी इस समय मोहल्ला दुर्गा प्रासाद में पानी की टंकी के पास रह रहे हैं। उनका पुत्र आशीष गंगवार 27 दिसम्बर को घर से चला गया। उन्होंने उसकी काफी तलाश की लेकिन कोई पता नहीं चला। कोतवाली पुलिस को तहरीर देकर गुमशुदगी दर्ज करायर थी। पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज करने के बाद युवक की तलाश शुरु कर दी। आज रविवार को लगभग 1 बजे कासिमपुर रेलवे क्रासिंग के निकट उसका शव मिला। शव मिलते ही ग्रामीणों में अफरा तफरी मच गयी। ग्रामीणों ने मामले की सूचना कोतवाली पुलिस को दी। सूचना मलते ही कोतवाली पुलिस घटना स्थल पर पहुंच गयी। पुलिस ने मामले की सूचना परिजनों को दी। सूचना मिलते ही रोते बिलखते परिजन मौके पर पहुंच गये। पुत्र की मौत के बाद मां बाप का रो रो कर बुरा हाल हो गया है। वहीं पुलिस ने शव को सील कर पोस्ट मार्टम हेतु जिला मुख्यालय भेज दिया है। मृतक आशीष सरस्वती विद्या मंदिर इंटर काजेम में 11 वें का छात्र था। उसकी मौत के बाद शिक्षकों व छात्रों में शोक की लहर दौड़ गयी।

गुड़बड़ी में 3 दिवसीय राम कथा का भव्य आयोजन

जन एक्सप्रेस । अवनीश पाण्डेय।

जौनपुर। धार्मिक और आध्यात्मिक भावना को प्रोत्साहित करने के लिए रॉकी कुंज, गुड़बड़ी चौराहा, शाहगंज में 30 दिसंबर 2024 से 1 जनवरी 2025 तक तीन दिवसीय राम कथा का आयोजित है। इस पवित्र कार्यक्रम में राम कथा का वाचन अयोध्या धाम की प्रसिद्ध कथा वाचिका सुनैना कृष्णा जी कर रही हैं। कथा का समय प्रतिदिन दोपहर 1 बजे से शाम 5 बजे तक निर्धारित है।

आयोजनकर्ता दिनेशचन्द्र पाण्डेय ने बताया कि यह कार्यक्रम समाज में रामायण के आदर्श मूल्यों को पुनः स्थापित करने और धार्मिक सद्भाव बढ़ाने का प्रयास है। कथा के दौरान भक्तों के लिए विशेष प्रसाद वितरण और अन्य धार्मिक गतिविधियों की व्यवस्था की गई है। समापन दिवस पर विशेष हवन और महाआरती के साथ कार्यक्रम का समापन होगा।

महिला की भूमि पर निर्माण करने से रोक रहे दबंग

- जमीन को रजिस्ट्री करने का बना रहे हैं दबाव
- पीड़ित महिला ने सीएम, डीएम, एसपी से लगाई न्याय की गुहार
- दबंगों समेत लेखपाल पर आरोप
- न्याय न मिलने पर आत्मदाह की चेतावनी

जन एक्सप्रेस । जौनपुर

शाहगंज थाना क्षेत्र के नोनहटा मोहल्ला निवासी महिला ने खुद के अर्धनिर्मित मकान पर काम से रोक रहें दबंगों के विरुद्ध मुख्यमंत्री, जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक से न्याय की गुहार लगाई है।

नोनहटा मोहल्ला निवासिनी शालिनी जायसवाल पत्नी शैलेश ने भेजें गये पत्र में कहा गया है कि मेरा भादी गांव में अर्धनिर्मित मकान है। जब मैं उक्त मकान पर काम शुरु कराने जाती हूं तो कुछ दबंग मिस्त्री मजदूरों को धमका कर भगा देते हैं। इस काम में हल्का लेखपाल भी दबंगों के साथ है।

जबकि मेरी जमीन मेरे नाम से राजस्व अभिलेख में दर्ज है। लेखपाल काम रोकने का दबाव बना रहे हैं। जबकि निर्माण कार्य रोकने का किसी भी सक्षम अधिकारी का आदेश भी नहीं है। वहीं यह लोग भूमि को रजिस्ट्री करने का दबाव बना रहे हैं। गुहार लगाया गया है कि उक्त लोगों पर कार्रवाई कर हमें न्याय दिलाया जाये। यदि न्याय नहीं मिला तो प्रार्थिनी थक-हारकर आत्मदाह कर जान दे देंगी।

जिसकी जिम्मेदारी भूमि पर अवैध ढंग से कब्जाने वाले और लेखपाल का होगा।

इस बावत तहसीलदार आशीष सिंह ने कहा कि प्रकरण संज्ञान में नहीं है। जांच कर सख्त कार्रवाई की जायेगी। यदि महिला सहीं है तो भूमि पर रुका मकान बनाने का आदेश दिया जायेगा।

पूर्व सांसद धनंजय सिंह के निर्देश पर पहुंचा राष्ट्रवादी नौजवान सभा का प्रतिनिधिमंडल

जन एक्सप्रेस । जौनपुर

- मृतक नीरज तिवारी के परिजनों को दी सांत्वना
- चार बेटियों की शिक्षा से लेकर शादी तक की ली जिम्मेदारी
- गंभीर रूप से बीमार बेटे सात्विक का पूर्व सांसद कराएंगे इलाज

शाहगंज। पूर्व सांसद धनंजय सिंह के निर्देश पर रविवार राष्ट्रवादी नौजवान सभा का प्रतिनिमंडल अध्यक्ष नवीन सिंह के नेतृत्व में सुइथाकला विकास खंड के रूधौली गांव पहुंचकर सड़क हादसे में दिवंगत स्व.नीरज तिवारी के परिजनों से मुलाकात कर शोक संवेदना प्रकट किया। बता दें कि नीरज तिवारी की बस और पिकअप की टक्कर में मौत हो गई थी।

प्रतिनिधिमंडल ने परिजनों को ढांढस बंधाते हुए कहा कि सांसद धनंजय सिंह ने स्व. नीरज की चारों बेटियों की शिक्षा से लेकर उनकी शादी तक की पूरी जिम्मेदारी ली है। इसके साथ ही उनके गंभीर रूप से बीमार 4 वर्षीय इकलौते बेटे सात्विक के इलाज का पूरा जिम्मा भी उठाया है। इस समय जिले से बाहर होने के चलते वो नहीं पहुंच सके लेकिन शीघ्र ही वो परिजनों से मिलने आएंगे, और हर संभव मदद करेंगे।

प्रतिनिधिमंडल में अध्यक्ष नवीन सिंह, पिंकू सिंह के साथ सुइथाकला के पूर्व ब्लॉक प्रमुख प्रदीप सिंह (गप्पू), अमित सिंह, अविनाश तिवारी, रमेश बिंद, प्रधान रामसकल वर्मा, श्याम नारायण तिवारी, प्रणय तिवारी, उमेश मिश्रा (मुन्ना), पिंटू बिंद, अखिल गुप्ता समेत आदि लोग मौजूद रहे।

तेज रफ्तार ट्रैक्टर ट्राली ने मासूम बच्ची को मारी टक्कर, दर्दनाक मौत

जन एक्सप्रेस । पूरनपुर

हजारा। तेज गति से आ रहे हैं ट्रैक्टर ट्राली ने एक मासूम बच्ची को टक्कर मार दिया घायल बच्ची को अस्पताल ले जाते समय रास्ते में ही मौत हो जाने पर परिजनों में कोहराम मच गया है।पीड़ित राकेश कुमार की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा पंजीकृत कर आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

तहसील पूरनपुर के ट्रांस शारदा क्षेत्र के ग्राम रामनगर टपरा निवासी राकेश कुमार ने हजारा थाने में तहरीर देते हुए बताया है कि शुक्रवार को शाम 5 बजे उसकी 7 वर्षीय पुत्री सपना सड़क से अपने घर आ रही थी तभी इसी गांव निवासी अजीत कुमार तेज गति से ट्रैक्टर ट्राली जिसमें गन्ना भरा हुआ था और उसने लड़की को जोरदार टक्कर मार दिया जिससे लड़की बुरी तरह से घायल हो गई घटना की सूचना पर परिजनो ने लड़की को तत्काल इलाज के लिए अस्पताल ले जा रहे थे

लेकिन रास्ते में ही लड़की ने दम तोड़ दिया।

पीड़ित ने उपरोक्त ट्रैक्टर ट्राली चालक अजीत कुमार के खिलाफ हजारा थाने में तहरीर देकर कार्रवाई किए जाने की मांग की थी।हजारा थाना प्रभारी निरीक्षक प्रकाश सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि पीड़ित की

तहरीर के आधार पर आरोपी के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत करते हुए आरोपित को न्यायिक हिरासत मे भेज दिया गया है।

पीयू में कैमरा लगाने को लेकर कर्मचारियों के विरोध पर उठे सवाल

जन एक्सप्रेस । जौनपुर

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन के कार्यालयो में कैमरा लगाने को लेकर कर्मचारियों ने विरोध कर दिया और इस बारे में 70 से अधिक कर्मचारियों ने कुलपति को ज्ञापन देकर कैमरे को निजता का उल्लंघन बताया है। जिस पर सवाल भी उठने लगे हैं कि कर्मचारियों को पारदर्शिता से नहीं भागना चाहिए। बता दें कि विश्वविद्यालय परिसर में क्लास रूम से लेकर तमाम भवनो मार्गो पेड़ो पर भी कैमरा की स्थापना की जा रही है । जिसमें करीब 800 से अधिक कैमरे लगाए जा चुके हैं। इस दौरान प्रशासनिक भवन के लगभग सभी विभागों व कार्यालयो में कैमरे लगाने के लिए कुलपति प्रो वंदना सिंह ने निर्देश दिया। जिसका कर्मचारियों ने निजता का उल्लंघन बताते हुए कैमरा लगाने का विरोध कर दिया और इस संबंध में 70 से अधिक कर्मचारियों ने कुलपति को ज्ञापन देकर कैमरा न लगाने की मांग की । कर्मचारियों के इस विरोध को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं ? जहां एक और कुलपति प्रो वंदना सिंह भय मुक्त परिसर वातावरण भ्रष्टचार का निवारण ,अपराध पर अंकुश लगाने, किसी छात्र का शोषण न हो, अपराधिक गतिविधियां संचालित ना हो, अनुशासन बना रहे। इसका हवाला देते हुए परिसर में कैमरा सैकड़ो की संख्या में लगाए गए। जब प्रशासनिक भवन के तमाम विभागों का कार्यालयो में कैमरा लगाने के लिए तैयारी शुरू हुई तो कर्मचारियों ने विरोध किया। कर्मचारियों का कहना है कि सीसीटीवी कैमरे लगाना भारतीय संविधान अनुच्छेद- 21 के तहत दिए गए निजता के अधिकार का उल्लंघन है । इसमें कर्मचारियों की भी सहमति लेना आवश्यक था। कर्मचारियों की इस विरोध से अधिकारियों शिक्षकों ने भी सवाल खड़े कर दिए हैं कि अगर कर्मचारियों का काम साफ सुथरा अनुशासनिक है और समय से वह आते जाते हैं तो कैमरा लगाने का विरोध नहीं होना चाहिए। यह विरोध उनकी दोहरी मानसिकता को झलकाता है। कुलपति के इस कदम से कार्यालय मे पारदर्शिता का माहौल बनेगा। कर्मचारी नेताओं का कहना है कर्मचारियों पर भरोसा करना चाहिए। जबकि कुलपति विश्वविद्यालय के वातावरण को पारदर्शी बनाना चाहती हैं ।जिससे कहीं किसी प्रकार की शिकायत ना मिले। कर्मचारियों को विरोध को लेकर भी लोगों ने सवाल खड़े कर दिए हैं। जब कर्मचारी साफ सुथरा काम करते हैं तो उनको इसका विरोध नहीं करना चाहिए। कुलपति ने सभी कार्यालय विभागों में कैमरा लगाने का जोर दिया है।

छेड़छाड़ के आरोपी को महिलाओं ने पीटा

जन एक्सप्रेस । मेरठ। तितावी। क्षेत्र के एक गांव में दूध खरीदने का काम करने वाले विशेष समुदाय के एक युवक ने युवती के साथ छेड़छाड़ कर दी। महिलाओं व युवती ने उसकी पिटाई की तो वह बचने के लिए एक घर में जा घुसा। सूचना पाकर पहुंची पुलिस युवक को थाने ले गई। क्षेत्र के एक गांव में पड़ोसी गांव का विशेष समुदाय का युवक घरों से दूध खरीदने का कार्य करता है। आरोप है कि वह आते जाते समय एक युवती के साथ छेड़छाड़ करता था। वह कई दिनों से युवती को रोजाना अपना मोबाइल नंबर बताता था। रविवार शाम वह रोजाना की तरह दूध लेने के लिए गांव में आया तो उसने युवती को देख उसे अपने पास आने का इशारा किया। वह युवती को मोबाइल देने लगा। युवक की हरकत के बारे में युवती ने अपने परिजनों को जानकारी दी। इस दौरान आरोपी युवक वहां से भाग कर एक किसान के घर पर भैंस का दूध निकालने लगा। उसके पीछे महिलाएं और पुरुष वहां पहुंच गए। युवक को पकड़ कर महिलाओं व युवती ने उसकी पिटाई कर दी। आरोपी युवक अपनी जान बचाने के लिए एक मकान में घुस गया। उसने अंदर से दरवाजे को बंद कर लिया। एक किसान तथा उसके पड़ोसियों ने युवक को बचाना चाहा तो गांव के लोग उसे बाहर निकालने की बात करने लगे। इस दौरान मकान के अंदर बंद युवक ने डायल 112 और तितावी पुलिस को सूचना दे दी। सूचना पर पुलिस पुलिस मौके पर पहुंची और मकान से बाहर निकाल कर युवक को अपने साथ ले गई। पुलिस का कहना है कि मामले में मुकदमा दर्ज किया जा रहा है।

दंपती निकला वृद्ध महिला सावित्री का हत्यारा हत्याकाण्ड का पुलिस ने किया खुलासा

जन एक्सप्रेस । बाराबंकी

थाना लोनीकटरा अन्तर्गत बीती 27 दिसम्बर की सुबह हत्या करके बोरे में एक वृद्ध महिला की लाष को फेंकने वाले हत्यारों की षिनाख्त पुलिस ने करते हुए इस घटना में शामिल एक दम्पत्ति को गिरफ्तार कर लिया और उनके पास से आलाकत्ल और मृतका का मोबाइल फोन बरामद किया। घटना का कारण वृद्धा द्वारा पैसे चोरी करने का बताया गया है। पुलिस ने दोनो हत्या आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। जानकारी के अनुसार, बीती 27 दिसम्बर की सुबह थाना लोनीकटरा क्षेत्र के लखनऊ-सुल्तानपुर राजमार्ग पर हुसैनाबाद चौराहे के पास अज्ञात महिला उम्र करीब 70 वर्ष का शव एक बोरी में मिला था, जिसकी शिनाख्त सावित्री देवी पत्नी किशोरी लाल कश्यप निवासिनी तहवापुर थाना लोनीकटरा जनपद बाराबंकी के रूप में हुई थी। जिसके सम्बन्ध में थाना लोनीकटरा पर मु0अ0सं0 445/2024 धारा 103(1) बीएनएस बनाम अज्ञात पंजीकृत किया गया। डॉग स्क्वाड व फॉरेन्सिक टीम द्वारा साक्ष्य संकलन की कार्यवाही शुरु कर दी गयी थी। रविवार सुबह लोनीकटरा थाना प्रभारी ने हुसेनाबाद चौराहे से ग्राम हुसेनाबाद निवासी प्रांषू तिवारी पुत्र वेद प्रकाष व उसकी पत्नी संध्या तिवारी को धर दबोचा। पुलिस ने अभियुक्तगणों की निषादेही पर आलाकत्ल एक डण्डा व मृतका का मोबाइल फोन बरामद किया। घटना के बारे में पूछतांछ के दौरान यह पता चला कि मृतका हत्या आरोपियों से पूर्व परिचित थी बीती 26 दिसम्बर की दोपहर को भिलवल बाजार से मृतका हत्या आरोपी प्रांषू तिवारी की बाइक पर बैठकर उसके घर आयी थी घर पर प्रांषू ने मृतका पर 1500 रुपये चोरी का आरोप लगाया था। दोनो के मध्य कहासुनी हुई थी। उसके बाद प्रांषू ने मृतका के सिर पर डण्डे से प्रहार किया था जिसके कारण उसकी मौके पर मौत हो गयी। उसके बाद उक्त वृद्धा की लाष को एक बोरे में भरकर हुसेनाबाद चौराहे के पास झाड़ियो में हत्यारों ने फेंक दिया था।

सैनिक पब्लिक स्कूल के छात्रों ने किया विज्ञान शहर का दौरा

जन एक्सप्रेस । बाराबंकी

शहर में स्थित सैनिक पब्लिक स्कूल ने कक्षा 3 से 12 के छात्रों कोएक अनोखा शिक्षा अनुभव प्रदान किया, जिसमें उन्होंने लखनऊ में क्षेत्रीय विज्ञान शहर का दौरा कराया। उक्त यात्रा विज्ञान और प्रौद्योगिकी के प्रति जिज्ञासा को बढ़ावा देने और उनकी गहरी समझ को बढ़ावा देने के लिए डिज़ाइन की गई थी। यात्रा के दौरान, छात्रों को विभिन्न प्रकार के इंटरैक्टिव प्रदर्शनियों और प्रदर्शनों का अन्वेषण करने का अवसर मिला। जिनमें रोवर और रोबोटिक्स परियोजना गैलरी अंडरवाटर लाइफ और फॉरेस्ट लाइफ प्रदर्शनी 3डी शो और अन्य इमर्सिव की गतिविधियों और प्रदर्शनों से मोहित हो गए। जिन्होंने विज्ञान और प्रौद्योगिकी में नवीनतम प्रगति को प्रदर्शित किया। उन्होंने उत्साहपूर्वक प्रदर्शनियों के साथ जुड़े, प्रश्न पूछे और अपनी जिज्ञासा को संतुष्ट करने के लिए उत्तर खोजे।

एक मंच पर आयें शंकराचार्य, साझा करें विचार : अतुल भारद्वाज

- जीआईसी आडिटोरियम में चल रही श्रीराम कथा में रामभक्तों ने किया रसपान, झूम उठे भक्त

जन एक्सप्रेस । बाराबंकी

हमारे समाज में आज कहीं छुआछूत नहीं है। अब केवल राजनैतिक वोट के लिए धर्म और छुआछूत को मुद्दा बनाया जाता है, जबकि व्यवहार में नहीं है। ऐसे लोग समाज को जातियों में बांटने का प्रयास करते हैं। जबकि समाज को जागरूक करने की जिम्मेदारी शंकराचार्य और धर्माचार्यों की है। जब तक वे आह्वान नहीं करेंगे तब तक समाज कैसे स्वीकार होगा। दरअसल हिंदू समाज को एक लीडरशिप की जरूरत है। समय की मांग है सारे शंकराचार्य को एक मंच पर आकर विचार साझा करना चाहिए। यह बात जीआईसी आडिटोरियम में भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष संतोष सिंह के संयोजन में आयोजित श्रीराम कथा में मानस के मर्मज्ञ पूज्य संत कथावाचक अतुल कृष्ण भारद्वाज (वृंदावन) ने भक्तों को श्रीराम कथा का रसपान कराते हुए कही। कथावाचक अतुल कृष्ण भारद्वाज ने आगे कहा कि मनुष्य के विनाश का कारण मनुष्य का विचार रहा है। जिसको आप धारण करते हैं वही धर्म होता है। राक्षस का धर्म है दूसरे को शोषण करो और देवता का धर्म है सबका पोषण करो। किसी के साथ शोषण न हो किसी के साथ भेदभाव न हो उनके लिए जितने नियम बनाए गए उसे धर्म कहा गया। इस लिए धर्म को कई भागों में विभक्त किया गया। उन्होंने बताया कि हिमालय से सिंधु तक पूरे क्षेत्रफल को हिन्दू कहा गया। इसमें रहने वाले लोगों ने जो जीवन मूल्य विकसित किए इससे जो संस्कृति फलीभूत हुए उसे हिन्दू कहा गया। धर्म ने लोगों के जीवन को सुन्दर बनाने का प्रयास किया लेकिन जब बीच में उसमें जड़ता आ गई। धीरे-धीरे धर्म के नाम पर छुआछूत को बढ़ाया गया। यह काम दक्षिण भारत से शुरू हुआ। स्वामी विवेकानंद ने केरल में देखा कि जब कोई क्षत्रिय किसी शूद्र से बारह हाथ दूर रहकर बात करेगा। इसलिए पूरे केरल का धर्मांतरण हुआ। इसमें जनता का दोष नहीं है, इसे रोकने की जिम्मेदारी शंकराचार्य की थी। ढाई हजार साल पहले जब हमारे जगतगुरू शंकरचार्य थे तो हमारे देश में कोई ऐसा दोष नहीं था। न छुआछूत थी न कोई दोष था। छुआछूत मुगलों के समय बनी। इसी काल में यातना, प्रताड़ना और अत्याचार हुए उनमें कई चीजे विकसित हुई। लेकिन अच्छा समाज वह होता है जो अच्छे विचारों को अपनाता है और खराब विचारों को छोड़ देता है। इस मौके पर भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष सन्तोष सिंह, अधिवक्ता परिषद के अध्यक्ष कौशल किशोर त्रिपाठी, गांधीवादी अध्येता राजनाथ शर्मा, रीता त्रिपाठी, आकाश त्रिपाठी सहित हजारों की संख्या में कथा प्रेमी उपस्थित रहे।

प्रेम प्रसंग का खौफनाक अंत, हत्या कर खेत में फेंका शव

पुलिस के हत्थे चढ़ा आरोपी, तो खुले राज

जन एक्सप्रेस । बाराबंकी

फतेहपुर। कोतवाली क्षेत्र में बीते 28 दिसंबर को एक महिला की हत्या कर शव को आलू के खेत में फेंक दिया गया था। महिला का गला चीख चीख कह रहा था उसको चाकू से रेता गया है। पुलिस ने मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर उसे जेल रवाना कर दिया। घटना कोतवाली फतेहपुर क्षेत्र के गांव लहसी निवासी महिला मीना कुमारी का बीते शनिवार को गला रेत कर उसकी हत्या कर दी गई थी। जिस पर सर्विलांस व स्वाट में शामिल कोतवाल डी.के सिंह के नेतृत्व में गठित संयुक्त पुलिस टीम द्वारा घटना का खुलासा करते हुए हत्या में शामिल सर्वेश कुमार पुत्र राजेंद्र प्रसाद निवासी ग्राम लहसी को बेलहरा नहर पटरी से गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस की पूछताछ में आरोपी ने बताया, मृतका से फोन पर बातचीत होने के साथ-साथ एक दूसरे की मदद व जरुरतें पूरी किया करते थे। जिसमे मीना कुमारी को काफी रुपए उधार के तौर पर देकर उसकी मदद की थी। समय पर रुपयों की वापसी न होने पर फ़ोन द्वारा मीना पर पैसे लौटाने का दबाव बनाने लगा। बार-बार फ़ोन आने पर मीना ने आरोपी का मोबाइल नम्बर ब्लाक कर उसकी गांव में तरह-तरह की बातें करने लगी। जिस पर आक्रोशित होकर आरोपी ने मीना की हत्या करने की योजना बनाई। और मीना किस समय कहां-कहां जाती है इसकी रेकी करने लगा। मौका पाकर शौच को गई मीना को ईंट मारकर बेहोश कर दिया। इसके बाद चाकू से उसका गला रेत कर शव को वहीं छोड़कर फरार हो गया। सूत्रों की मानें गांव में यह चर्चा आम है कि आरोपी व मृतका में एक दूसरे से प्रेम प्रसंग चल रहा था।

वहीं पुलिस ने हत्या में शामिल आलाकत्ल चाकू को आरोपी की निशानदेही पर बरामद कर आरोपी को जेल रवाना कर दिया। इस घटना का सफल अनावरण करने वाली स्वाट टीम में कोतवाल डी.के सिंह, ब्रजकिशोर सिंह सर्विलांस टीम में निरीक्षक ब्रजेश कुमार यादव, उ0नि0 रामाधार पटेल सहित समस्त पुलिस टीम मौजूद रहीं।

राजस्व विभाग ने मछली पालन हेतु आवेदन पत्र किये जारी, लिस्ट हुई चस्पा

जन एक्सप्रेस । बाराबंकी

फतेहपुर। तहसील क्षेत्र के सैकडों तालाबों को मत्स्य पालन पट्टा के लिए राजस्व प्रशासन ने निविदा जारी कर विभिन्न शर्तो के साथ आवेदन आमंत्रित किए हैं।

ज्ञात हो तहसील फतेहपुर क्षेत्र के 718 तालाबों का मत्स्य पालन हेतु आवंटन तहसील परिसर में किया जायेगा, जिसके लिए 30, 31 दिसम्बर 2024 तक आवेदन पत्र स्वीकार किये जाएंगे। इस दौरान एसडीएम कार्यालय द्वारा जारी की गई विज्ञप्ति में बताया गया है कि तालाब आवंटन में प्रतिभाग करने वाले इच्छुक आवेदक आगामी सोमवार व मंगलवार को तहसील सभागार में अपने आवेदन पत्र जमा कर सकते हैं। इस संबंध में एसडीएम राजेश कुमार विश्वकर्मा ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया, कि तालाब नीलामी में प्रतिभाग करने वाले इच्छुक व्यक्ति अपना आय,जाति, निवास, खतौनी सहित एक हजार रुपए की जमानत राशि के साथ आवेदन जमा करना होगा। और निर्धारित तिथियों मे आवेदन कर नीलामी प्रक्रिया समापन के पश्चात पूरी जमानत राशि के साथ भुगतान करना अनिवार्य होगा।

कन्नौज में राजग के घटक दलों की संयुक्त बैठक अब प्रतिमाह होगी

जन एक्सप्रेस । कन्नौज

आज राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की एक संयुक्त बैठक उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री असीम अरुण के सानिध्य में संपन्न हुई जिसमें सरकार की सभी जन कल्याणकारी योजनाओं में घटक दल के कार्यकर्ताओं की सहभागिता को लेकर एवं उनके मान सम्मान की सुरक्षा के लिए मंत्री ने प्रतिबद्धता जाहिर की और सबको इस बात की गारंटी दी की हर दुख सुख में सबके साथ खड़े हैं अब यह बैठक प्रति माह हुआ करेगी।

भिखारी की अज्ञात कारणों से मौत, ठंड से मौत की आशंका

जन एक्सप्रेस । उन्नाव

शुक्लागंज। क्षेत्र के राजधानी मार्ग स्थित प्राचीन दुर्गा मंदिर के निकट मदन धर्म शाला के बाहर फुटपाथ पर एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतक की पहचान 48 वर्षीय व्यक्ति के रूप में हुई है, जिसे स्थानीय लोग बच्चा के नाम से जानते थे। शव मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया है और स्थानीय लोग इसे ठंड के कारण हुई मौत मान रहे हैं। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मामले की जांच शुरू कर दी है और पंचायतनामा की कार्रवाई की जा रही है। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा जाएगा, जिससे मौत के कारणों का सही पता चल सकेगा।

जानकारी के अनुसार मृतक व्यक्ति कुछ साल पहले शुक्लागंज के मामा चाय वाले की दुकान में काम करता था। वह अपनी जीविका के लिए यहां-वहां मजदूरी करता था, लेकिन कुछ समय से उसने फुटपाथ पर ही सोने की आदत डाल ली थी। वह अधिकतर समय मदन धर्म शाला के बाहर और दुर्गा मंदिर के पास देखा जाता था। स्थानीय लोगों ने बताया कि पिछले कुछ दिनों से ठंड ने बढ़त ली थी और हल्की बारिश हो गयी थी जिसके कारण फुटपाथ पर सो रहे लोगों के लिए हालात और भी कठिन हो गए थे।

मृतक बच्चा की मौत ठंड लगने से हो सकती है। स्थानीय लोग बताते हैं कि वह भिखारी बहुत ही शांत स्वभाव का था और ज्यादा बोलता नहीं था। कुछ लोग उसकी मदद भी करते थे, लेकिन अधिकतर समय वह अकेला ही रहता था। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है।

जरूरत पड़ी तो बस्ती में बापू की भव्य प्रतिमा स्थापित कराएंगे : अजय राय

- बापू प्रतिमा के अपमान के विरोध में जिम्मेदारों के खिलाफ मुकादमा दर्ज करायेगी -राय

जन एक्सप्रेस । बस्ती

जिला पंचायत के हाल में स्थापित महात्मा गांधी प्रतिमा के कूड़े के ढेर में पाये जाने का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। रविवार को कांग्रेस अध्यक्ष ज्ञानेन्द्र पाण्डेय 'ज्ञानू', पूर्व विधायक अम्बिका सिंह, राम जियावन की मौजूदगी में कांग्रेस नेताओं के एक प्रतिनिधि मण्डल ने पी.सी.सी. सदस्य राकेश पाण्डेय गांधियन के नेतृत्व में टोल प्लाजा के निकट प्रदेश अध्यक्ष अजय राय से भेंटकर उन्हें बापू प्रतिमा के अपमान के बारे में विस्तार से जानकारी दिया। इस पर अजय राय ने कहा कि प्रकरण पार्टी के संज्ञान में है। इसमें जिम्मेदार दोषियों के विरूद्ध मुकदमा दर्ज कराईये। जरूरत पड़ी तो कांग्रेस स्वयं बापू के भव्य प्रतिमा का निर्माण करायेगी। वे प्रभात पाण्डेय के तेरही में हिस्सा लेने सड़क मार्ग से गोरखपुर जा रहे थे। प्रदेश अध्यक्ष से भेंटकर बापू प्रतिमा के अपमान के बारे में जानकारी देने वालों में मुख्य रूप से डा.मारूफ अली, अतीउल्ला सिद्दीकी, काजी सुहेल, मो.मुकीम, देवेन्द्र श्रीवास्तव, विश्वनाथ चौधरी, मो.रफीक खां, राम बचन भारती, अनिल भारती, राजेन्द्र गुप्ता, आशुतोष पाण्डेय, प्रशान्त पाण्डेय, राहुल चतुर्वेदी, डा0.शीला शर्मा, शकुन्तला देवी, नर्वदेश्वर शुक्ल, अलीम अख्तर सिद्दीकी, जय प्रकाश अग्रहरि, सद्दाम हुसेन, लालजीत पहलवान, सुरेन्द्र मिश्र, कौशल त्रिपाठी, शिवविभूति मिश्र के साथ ही अनेक कांग्रेसजन शामिल रहे।

इलाज के दौरान मौत पर पुलिस ने पोस्टमार्टम को भेजा शव

बीस दिसंबर को मनाई थी प्रथम वैवाहिक वर्षगांठ

मृतका के ससुरालीजनो ने बताया कि उनकी छोटी बहु का घर के सभी लोगों से बहुत लगाव था,और वह अभी का बहुत ध्यान रखती थी। बीस दिसंबर को पूरे परिवार ने बहु की प्रथम वैवाहिक वर्षगांठ बहुत ही खुशीद्दखुशी मनाया था। जिसमें घर के नए सदस्य के आने की खुशी भी शामिल थी। किसी ने भी नहीं सोचा था कि बहु बच्चे को जन्म देकर सबको छोड़ कर चली जाएगी। वहीं बच्चा पूरी तरह स्वस्थ है।

जन एक्सप्रेस । उन्नाव

शुक्लागंज। एक वर्ष पहले हुई थी शादी, प्रसव के बाद बिगड़ी तबियत, मायके पक्ष ने पुलिस से की शिकायत गंगाघाट कोतवाली अंतर्गत बालूघाट चौकी क्षेत्र के प्रेम नगर मोहल्ले में प्रसव के बाद महिला की तबियत बिगड़ गई। जिसके बाद उपचार के दौरान महिला की मौत हो गई। पुलिस ने मायके पक्ष की शिकायत पर शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। प्रेम नगर निवासी बबली में पिछले वर्ष बीस दिसंबर को अपने बेटे की शादी हमीरपुर निवासी रचना (26) पुत्री कुंवर बहादुर के साथ की थी। उन्होंने अपनी गर्भवती बहु को प्रसव पीड़ा होने पर राजधानी मार्ग स्थित के निजी अस्पताल में भर्ती कराया था। जिसकी जानकारी उन्होंने बहु के मायके पक्ष को दी थी। 25 दिसंबर को रचना ने सामान्य प्रसव से एक बच्चे को जन्म दिया था। बच्चे के जन्म के बाद महिला के मायके से दो लोग आए। वहीं बच्चे के जन्म के कुछ घंटे बाद ही रचना की तबियत अचानक बिगड़ गई, तभी अस्पताल प्रशासन ने अपने हाथ खड़े कर दिए, जिसके बाद महिला को कानपुर स्थित नार्थ स्टार अस्पताल में भर्ती कराया , जहा उसकी मौत हो गई। मृतका की सास ने बताया की उनका बेटा एमआर है, और बहु के इलाज के लिए उधार रुपए लेकर अपनी पत्नी की जान बचाने के लिए जुटा रहा। और जैसे ही बहु की मौत हुई मायके वाले गायब हो गए। और गंगाघाट कोतवाली में पुलिस से शिकायत कर दी। अस्पताल से जैसे ही शव घर पहुंचा, सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

इस मामले में बालूघाट चौकी इंचार्ज गजेंद्र सिंह ने बताया कि मृतका की पिता की मौखिक शिकायत पर कार्यवाही हुई है। हालांकि अस्पताल प्रशासन ने उपचार के दौरान होने की बात कहते हुए मृत्यु प्रमाण पत्र दिया हैं।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का कारण पता चल सकेगा।

आजाद समाज पार्टी जिलाध्यक्ष बने अजय कुमार

जन एक्सप्रेस । बस्ती

आजाद समाज पार्टी कांशीराम के प्रदेश अध्यक्ष पूर्व एम.एल.सी. सुनील कुमार चित्तौड़ ने अजय कुमार को बस्ती जनपद का जिलाध्यक्ष मनोनीत किया है। अजय कुमार को जिलाध्यक्ष बनाये जाने पर जिला प्रभारी मेराज अहमद, पूर्व जिला कोषाध्यक्ष सूरज मल्होत्रा, मुलायम सिंह, बृजेश सिंह के संयोजन में भव्य स्वागत किया गया। महराजगंज और कसानगंज के अनेक क्षेत्रों में पार्टी समर्थकों ने अजय राय का फूल मालाओं के साथ स्वागत किया।

कसानगंज बाजार के निकट स्थित बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण के बाद जिलाध्यक्ष अजय कुमार ने कहा कि पार्टी नेतृत्व ने उन्हें जो दायित्व सौंपा है उसका पूरी निष्ठा से निर्वहन किया जायेगा।

कहा कि पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष सांसद एवं भीम आर्मी चीफ एडवोकेट चन्द्रशेखर आजाद के दिशा निर्देश के अनुरूप बाबा साहब डा. भीमराव अम्बेडकर और मान्यवर कांशीराम के सपनों को पूरा करने की दिशा में जमीनी धरातल पर कार्य किये जायेंगे।

आजाद समाज पार्टी कांशीराम के जिलाध्यक्ष अजय कुमार का स्वागत करने वालों में मुख्य रूप से अनिल यादव, विनय चौधरी, रितेश गौतम, शनि राव, माइकल टारजन, शब्लू खान, अनिल, भूपेन्द्र, अभिषेक, राजकुमार, दुर्गेश, रामवृक्ष, मनीष गौतम के साथ ही बड़ी संख्या में क्षेत्रीय नागरिक शामिल रहे।

अश्लील वीडियो के नाम पर युवक से ठगे 24 हजार रुपए, मुक़दमा दर्ज

जन एक्सप्रेस । बाराबंकी

फतेहपुर। कोतवाली क्षेत्र के खदरा गांव में साइबर ठग द्वारा एक युवक पर अश्लील वीडियों बनाने का आरोप लगाते हुए उससे 24 हजार रूपये ठग लिए। वही जालसाजों ने क्यूआर कोड के जरिये आनन-फानन में रुपए भी अपने खाते में ट्रांसफर करा लिए। ठगे जाने का एहसास होने पर पीड़ित युवक ने कोतवाली में तहरीर देकर कारवाई की मांग की है।

मामला कोतवाली फतेहपुर क्षेत्र के ग्राम खदरा मंज़रे शेखपुरा का है। जहां पर इसी क्षेत्र के अलीपुर निवासी लवलेश कुमार के फोन पर 18 दिसम्बर को अंजान नंबर से फोन आया। फोन करने वाले जालसाज ने खुद को साईबर क्राइम का अधिकारी बताते हुए कहा, कि तुम्हारे द्वारा अश्लील वीडियो बनाए गए है। इस पर मुकदमा दर्ज कर दो लाख का जुर्माना तथा छह साल की सजा हो गई है। उसे झांसे में लेकर ठगों ने जुर्माना व सजा कम कराने के एवज में 50 हजार रूपये खाते में तत्काल भेजने की बात कही। जालसाजो की बातों में फंसकर लवलेश ने भेजे गए क्यूआर कोड के जरिए सम्बंधित खाते में 24 हजार पांच सौ रूपये कई बार में भेज दिए। इसके बाद साइबर ठग ने उससे और पैसे भेजने की बात कही।बार-बार साइबर ठग द्वारा पैसे मांगे जाने पर उसे ठगे जाने का अहसास हुआ।

इस पर पुलिस को तहरीर देकर साइबर ठग के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

इस संबंध में कोतवाल डीके सिंह ने बताया, पीड़ित की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और जांच पड़ताल की जा रही है।

राज्यमंत्री समेत सब ने सुनी मोदी के मन की बात

जन एक्सप्रेस । कन्नौज

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात के कार्यक्रम का आयोजन नगर अध्यक्ष शिवेंद्र कुमार द्वारा शहर स्थित विजयविलास होटल में किया गया जहां पर मुख्यरूप प्रदेश सरकार में मंत्री असीम अरुण, जिला अध्यक्ष वीर सिंह भदौरिया सहित सैकड़ो पदाधिकारी व कार्यकर्ताओ ने मोदी के मन की बात सुनी। मन की बात कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को अपने 117 वें एपिसोड में कई बातों का जिक्र किया। शुरुआत में नए साल की एडवांस में बधाई के साथ उन्होंने संविधान के 75 वर्ष और प्रयागराज में होने वाले महाकुंभ की भी चर्चा की। इसके अलावा उन्होंने फिल्मी हस्तियों जैसे मोहम्मद रफी, राज कपूर और अक्किनेनी नागेश्वर राव गारू के भी योगदान की सराहना की। यही नहीं पीएम ने देश में मलेरिया के खिलाफ सफल लड़ाई और कैंसर के इलाज की भारत में बढ़ी संभावनाओं पर भी जोर दिया। वही मन की बात कार्यक्रम के बाद मौजूद पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए मंत्री असीम अरुण ने कहा कि हम सब को मोदी जी के मन की बात के कार्यकम को सुनना चाहिए मन की बात कार्यक्रम से हम सब को नई ऊर्जा प्रदान करती है मोदी जी ने ओडिशा का कालाहांडी कम पानी और कम संसाधनों के बावजूद सफलता की नई गाथा लिखने का जिक्र किया कैसे वहां के किसान आज ज्यादा पैदावार कर रहे है। जहां कभी किसान पलायन करने को मजबूर थे, वहीं आज कालाहांडी का गोलामुंडा ब्लॉक एक वेजिटेबल हब बन गया है। जिला अध्यक्ष वीर सिंह भदौरिया ने कहा मोदी जी मन की बात के माध्यम से हम सब को समाज के उन लोगों के बारे में जानकारी मिलती है जो अपने उत्कृष्ट कार्यों से समाज के विकास के लिए कुछ कर रहे है और साथ ही साथ उनकी प्रेरणाओं से कुछ सीखने को मिलता है। इस मौके पर संजू कटियार, श्याम तिवारी, विवेक मिश्रा, रामू कठेरिया, आर एस कठेरिया, वासु मिश्रा, सचेत पांडे, लाल जी कटियार, गोपाल पाण्डेय, शरद मिश्रा सहित सैकड़ो लोग उपस्थित रहे।

लायंस क्लब के निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर में उमड़ी भीड़

जन एक्सप्रेस । कन्नौज। लायंस क्लब कन्नौज के सहयोग से रविवार को जिला मुख्यालय सरायमीरा स्थित हरीशरणम गेस्ट हाउस में के केयर मल्टी स्पेशलिटी कानपुर द्वारा निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर लगाया गया। स्वास्थ्य जांच शिविर का शुभारंभ सदर कोतवाल व लायंस क्लब कानपुर के वरिष्ठ सदस्य डॉ वी के कपूर ने फीता काटकर किया। रविवार सुबह 10 बजे से सरायमीरा स्थित हरीशरणम गेस्ट हाउस में लायंस क्लब कन्नौज के सहयोग से के केयर मल्टी स्पेशलिटी कानपुर द्वारा लगाए गए नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर में डॉ.अमित कुमार (कार्डियोलॉजिस्ट), डॉ.वी के कपूर (एम.डी), डॉ मयंक भार्गव (आर्थोपेडिक्स), डॉ अनिल वैद्य (यूरो सर्जन) एवं डॉ महेश चंद्रा (जनरल फिजीशियन) आदि विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा हृदय रोग, जोड़ों के दर्द, गैस्ट्रो, न्यूरो संबंधी रीढ़ की हड्डी से जुड़ी समस्या, पित्त की थैली में पथरी, हार्निया, भगंदर, बवासीर, यूरोलाजी व किडनी तथा गुर्दे की पथरी आदि रोगों से ग्रसित लोगों की जांच कर परामर्श दिया गया। इस दौरान कार्यक्रम प्रभारी लायन अश्वनी गुप्ता, लायंस क्लब कन्नौज की चिकित्सा कमेटी के चेयरपर्सन लायन डॉ निखिल गुप्ता ने कहा कि नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर लगाने के पीछे संस्था का मुख्य उद्देश्य था कि आम जन मानस को गंभीर बीमारियों की नि:शुल्क जांच करवाने के बाद उन्हें उचित परामर्श दिलाया जा सके।

भडिया सुजावलपुर गांव में पेड़ से लटक कर अधेड़ ने लगाई फांसी मौत

जन एक्सप्रेस । बिल्हौर ब्यूरो। बिल्हौर तहसील क्षेत्र में उत्तरीपूरा के भडिया सुजावलपुर गांव में अधेड आदमी ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। बड़े बुजुर्ग कहते हैं कि जब घर में ग्रह कलेश हो जाए तो उसे संभाल पाना मुश्किल पड़ जाता है ऐसा ही एक मामला प्रकाश में आया है उत्तरी पूरा चौकी के अंतर्गत सुजावलपुर भढिया गांव का है जहां पर पति-पत्नी के क्लेश के चलते अधेड़ उम्र के व्यक्ति ने पेड़ से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली वहीं परिजन व ससुराल पक्ष के लोग एक दूसरे पर आरोप लगाते रहे दरअसल पूरा मामला सुजावलपुर भढ़िया गांव का है जहां बीती रात 32 वर्षीय राजा बेटा पुत्र स्वर्गीय बाबूलाल ने गृह क्लेश के चलते फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली सूचना पर पहुंचे उत्तरीपुरा चौकी इंचार्ज अमित कुमार उप निरीक्षक सत्येंद्र सिंह ने परिजनों की मौजूदगी में पंचायतनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेजा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आ जाने के बाद ही मौत का कारण पता चल सकेगा। बिल्हौर कोतवाली प्रभारी अशोक कुमार सरोज ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने पर प्रार्थना पत्र के आधार पर मुकदमा पंजीकृत कर कार्रवाई की जाएगी।

लाठी चार्ज बाद बीपीएससी बात करने के लिए तैयार प्रशांत किशोर ने कहा

अब रोक दीजिये आंदोलन

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। पटना

जिला प्रशासन की ओर से कारण बताते हुए प्रदर्शन के लिए प्रतिबंधित किए जाने के बावजूद रविवार को प्रशांत किशोर के नेतृत्व में बीपीएससी परीक्षार्थियों का हुजूम पटना के गांधी मैदान में प्रदर्शन करने पहुंचा। जब यहां भी प्रशासन की नहीं चली तो यह हुजूम शाम होते-होते जेपी गोलंबर होते हुए मुख्यमंत्री आवास की ओर आगे बढ़ने लगा। पुलिस ने अभ्यर्थियों को रोका लेकिन भीड़ ने बैरिकेटिंग को तोड़कर आगे बढ़ने लगे। मजबूरन पटना पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज कर दिया। बिहार लोकसेवा आयोग की 70वीं प्रारंभिक परीक्षा को रद्द कराने की मांग को लेकर यह प्रदर्शन हो रहा है। प्रशांत किशोर की अगुवाई में अभ्यर्थी पटना के गांधी मैदान में जुटने वाले थे, तो जिला प्रशासन ने शनिवार को एक पत्र जारी करते हुए इसे प्रतिबंधित कर दिया था। इसके बावजूद प्रशांत किशोर के नेतृत्व में हजारों की संख्या में अभ्यर्थी गांधी मूर्ति के पास पहुंचकर धरना प्रदर्शन करने लगे। इसके बाद शाम के लगभग 5 बजे प्रशांत किशोर उन अभ्यर्थियों को लेकर मुख्यमंत्री आवास तक मार्च के लिए गांधी मैदान से आगे निकल गए। प्रशासन ने उन्हें रोकने के लिए भरी संख्या में पुलिस बल को उतार दिया। भीड़ को जेपी गोलंबर के पास रोकने का प्रयास किया गया, लेकिन भीड़ ने बैरिकेटिंग को तोड़ दिया और आगे बढ़ गई। आगे डाकबंगला चौराहे पर पुलिस की तैनाती है।

बीपीएससी से नहीं अब सीएम से मिलेंगे

बीपीएससी के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे अभ्यर्थी अब सीधे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मिलने की मांग कर रहे है। हालांकि सदर एसडीएम गौरव कुमार ने आयोग के सचिव से मुलाकात करने की बात कही थी, लेकिन इस पर अभ्यर्थियों ने एसडीम को दो टूक में जवाब देते हुए कहा कि हम लोग जिन पर आरोप लगा रहे हैं उस संस्थान के अधिकारी से मिलकर क्या करेंगे? हमलोगों को बीपीएसपी के अधिकारी से नहीं, बल्कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मिलना है। हमें अब उन्हीं से उम्मीद है. उनसे ही मुलाकात करेंगे।

डाक बंगला चौराहां के तमाम रास्तों को किया बंद

पुलिस ने उनको रोकने की काफी कोशिश की, लेकिन पुलिस वहां लाचार साबित होती दिखी। तब मजबूर होकर पुलिस ने किया हल्का बल प्रयोग किया। इस दौरान पुलिस ने बीपीएससी अभ्यर्थियों के ऊपर लाठी चार्ज भी किया। अब पुलिस ने डाक बंगला चौराहे के तमाम रास्तों को बंद कर दिया है। इस बीच जन सुराज प्रमुख प्रशांत किशोर ने कहा कि सरकार के प्रशासनिक अधिकारी यहां मौजूद थे, उन्होंने हमारे साथियों से बात की है और आश्वासन दिया है कि सरकार अभ्यर्थियों की मांगों पर चर्चा के लिए तैयार है। सरकार का कहना है कि छात्रों की 5 सदस्यीय कमेटी अभी मुख्य सचिव से बात करेगी ताकि उनकी समस्याओं और मांगों पर कुछ निर्णय लिया जा सके। अगर मुख्य सचिव से बात करने के बाद बीएसपीसी अभ्यर्थी संतुष्ट नहीं होते हैं तो कल सुबह सभी एक साथ बैठेंगे। मैं छात्रों से अनुरोध करूंगा कि अभी ऐसा कुछ न करें जो कानून सम्मत न हो। अगर फैसला छात्रों के पक्ष में नहीं होता है, अगर छात्रों के साथ कोई अन्याय होता है तो हम पूरी ताकत से उनके साथ खड़े रहेंगे।

बैरिकेडिंग तोड़कर आगे बढ़ी भीड़

गांधी मैदान से बढ़ते हुजूम को रोकने के लिए पुलिस ने जेपी गोलंबर पर बैरिकेडिंग लगा दी। भरी संख्या में पुलिस की मौजूदगी होने की वजह से बीपीएससी अभ्यर्थियों कुछ देर तक जेपी गोलंबर पर जमकर हंगामा किया। भारी संख्या में भीड़ होने की वजह से पुलिस बहुत ज्यादा देर तक उनको रोक नहीं सकी, नतीजतन अभ्यर्थियों ने जेपी गोलंबर पथ का बैरिकेडिंग तोड़कर आगे बढ़ गये।

फिर खराब श्रेणी में पहुंची हवा, एक्यूआई 225 दर्ज, अगले छह दिनों के लिए जारी हुआ पूर्वानुमान

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। नई दिल्ली

राजधानी में तापमान में गिरावट आने के साथ ही मौसमी दशाओं के बदलने से हवा एक बार फिर खराब श्रेणी में पहुंच गई है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) का पूर्वानुमान है कि सोमवार से हवा बेहद खराब श्रेणी में रहेगी। कमोबेश यही स्थिति अगले छह दिनों तक रह सकती है। रविवार को लोगों ने खराब हवा में सांस ली। इस दौरान वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 225 दर्ज किया। जबकि शनिवार को हवा मध्यम श्रेणी में पहुंच गई थी। सीपीसीबी के आंकड़ों के अनुसार आनंद विहार, विवेक विहार और सिरी फोर्ट में हवा बेहद खराब श्रेणी में दर्ज की गई। जबकि नरेला, आया नगर समेत 18 इलाकों में खराब श्रेणी में हवा रही। वहीं, डीटीयू, बवाना, आईजीआई एयरपोर्ट सहित 12 इलाकों में एक्यूआई मध्यम श्रेणी में रहा। सीपीसीबी के अनुसार एनसीआर में फरीदाबाद का एक्यूआई सबसे कम रहा। यहां एक्यूआई 108 रहा, जोकि मध्यम श्रेणी में है। साथ ही, ग्रेटर नोएडा में 141, गुरुग्राम में 126, गाजियाबाद में 124 और नोएडा में 162 एक्यूआई रहा। रविवार को हवाएं उत्तर-पश्चिम दिशा से 12 किलोमीटर प्रतिघंटे की गति से चलीं। शाम को हवा की गति 10 किलोमीटर प्रतिघंटे हो गई। ऐसे में प्रदूषक संघन हो गए।

अगले छह दिन तक बेहद खराब श्रेणी में रह सकती है हवा

भारतीय उष्णदेशीय मौसम विज्ञान संस्थान (आईआईटीएम) के मुताबिक वेंटिलेशन इंडेक्स 4400 वर्ग मीटर रही। वहीं, अगले 24 घंटे में यह 4200 वर्ग मीटर दर्ज की जा सकती है। इसके अलावा मिक्सिंग डेप्थ 1000 मीटर रही। आईआईटीएम के मुताबिक, सोमवार को हवा उत्तर-पश्चिम दिशाओं से चलेगी। इसकी गति 12 किमी प्रति घंटा रह सकती है। मंगलवार को भी हवा उत्तर-पश्चिम दिशा से 10 किमी प्रति घंटे की गति से चलेंगी। बुधवार को दक्षिण-पूर्व से पूर्व दिशाओं से हवा आने की संभावना है, जिसकी गति 06 किमी प्रति घंटा होगी।

कांग्रेस में दरार आ चुकी: शर्मिष्ठा मुखर्जी

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। नई दिल्ली

पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी की बेटी शर्मिष्ठा मुखर्जी ने रविवार को आरोप लगाया कि कांग्रेस में गिरावट आ गई है और पार्टी को दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति पर आत्ममंथन करने की जरूरत है। शर्मिष्ठा ने पार्टी की मौजूदा स्थिति पर अफसोस जताते हुए कहा कि आज कई पुराने कांग्रेस कार्यकर्ता खुद को पार्टी से अलग-थलग महसूस कर रहे हैं, क्योंकि शीर्ष नेताओं में विचारधारा की कमी है। शर्मिष्ठा ने यह भी सवाल उठाया कि उनके पिता के निधन के बाद कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक क्यों नहीं बुलाई गई और कोई प्रस्ताव क्यों नहीं पारित किया गया। उन्होंने कहा कि उन्हें बुरा लगा जब उनके पिता की मृत्यु के बाद सीडब्ल्यूसी की बैठक नहीं बुलाई गई। सीडब्ल्यूसी कांग्रेस के सबसे बड़े फैसले लेने वाली संस्था है। उन्होंने कहा, कांग्रेस को इसका जवाब देना होगा। मैं सिर्फ एक तथ्य पेश कर सकती हूं। लेकिन मैं यह भी कहना चाहूंगी कि मुझे नहीं पता कि यह जानबूझकर किया गया था या बस लापरवाही थी। इतनी पुरानी पार्टी में क्या परंपराएं हैं? पीटीआई से बातचीत में शर्मिष्ठा मुखर्जी ने कहा, अगर (कांग्रेस नेता) राहुल गांधी और उनके करीबी लोगों को यह नहीं पता कि कांग्रेस ने पहले इस स्थिति में कैसे काम किया, तो यह खुद कांग्रेस के भीतर एक गंभीर और दुखद स्थिति है।

ट्रोल करने के बजाय आत्मनिरीक्षण करे कांग्रेस: शर्मिष्ठा

जब कांग्रेस में गैर-वंशवादी नेताओं के योगदान के बारे में पूछा गया, तो शर्मिष्ठा ने कहा, हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि (पूर्व प्रधानमंत्री) पी.वी.नरसिम्हा राव के साथ क्या किया गया। शर्मिष्ठा ने आगे कहा, कांग्रेस का पूरा पारिस्थितिकी तंत्र (इकोसिस्टम), यानी उसका सोशल मीडिया लगातार मुझे और मेरे पिता को कुछ अन्य मुद्दों पर लगातार ट्रोल कर रहा था। जो भाषा मेरे और मेरे पिता जैसे बड़े नेताओं के खिलाफ इस्तेमाल की गई, वह यह दिखाती है कि कांग्रेस में सचमुच एक दरार आ चुकी है। उन्होंने कहा, कांग्रेस को सोशल मीडिया पर ट्रोल करने के बजाय गंभीर आत्मनिरीक्षण करना चाहिए। क्योंकि मेरी तरह कांग्रेस की विचारधारा में भरोसा रखने वाले व्यक्ति आज पार्टी से खुद को अलग महसूस करते हैं।

के. आर. नारायणन के निधन पर बुलाई गई थी सीडब्ल्यूसी की बैठक

इससे पहले, एक्स पर एक और पोस्ट में मुखर्जी ने कहा था, जब बाबा का निधन हुआ, तो कांग्रेस ने शोक के लिए सीडब्ल्यूसी की बैठक बुलाने की जहमत नहीं उठाई। एक वरिष्ठ नेता ने मुझसे कहा कि यह राष्ट्रपति के लिए नहीं की जाती है। यह बिल्कुल बकवास है, क्योंकि मुझे बाबा (प्रणब मुखर्जी) की डायरियों से पता चला कि के.आर. नारायणन की मृत्यु पर सीडब्ल्यूसी की बैठक को बुलाया गया था और शोक संदेश बाबा ने ही तैयार किया था।

दिल्ली पुलिस की बड़ी कार्रवाई: राजधानी के रंगपुरी में पकड़े गए आठ बांग्लादेशी, जंगल के रास्ते भारत में घुसे थे

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। नई दिल्ली

दक्षिण-पश्चिमी जिले की वसंतकुंज पुलिस ने अवैध रूप से दिल्ली में रह रहे एक बांग्लादेशी परिवार को बांग्लादेश डिपोर्ट कर दिया है। इनमें पति-पत्नी व उनके छह बच्चे शामिल हैं। बांग्लादेश निवासी जहांगीर पुत्र समसुल शेख कुछ साल पहले जंगल के रास्ते अवैध रूप से बॉर्डर पार कर भारत में घुस गया और उसके बाद दिल्ली आ गया। यहां कुछ साल रहकर वापस चला गया और बॉर्डर पार कर जंगल के रास्ते परिवार को लेकर दिल्ली आ गया। दक्षिण-पश्चिमी जिला पुलिस उपायुक्त सुरेंद्र चौधरी ने बताया कि वसंत कुंज दक्षिण थानाध्यक्ष इंस्पेक्टर अरविंद प्रताप सिंह, एटीओ इंस्पेक्टर रतन सिंह, एसआई उपेंद्र, एसआई पवन, डब्लू/पीएसआई प्रीति व नेमी चंद की टीम ने अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी नागरिकों सहित प्रवासियों का पता लगाने के लिए अभियान शुरू किया था। इंस्पेक्टर रतन सिंह की टीम ने सत्यापन अभियान के दौरान, घर-घर जाकर सत्यापन किया गया और लगभग 400 परिवारों की जांच की। सत्यापन के लिए सत्यापन फॉर्म (पर्चा-12) पश्चिम बंगाल के उनके संबंधित पतों पर भेजे गए। एक विशेष टीम को पश्चिम बंगाल भेजा गया। पूछताछ में जहांगीर पुत्र समसुल शेख ने स्वीकार किया कि वह मूल रूप से ढाका, बांग्लादेश का रहने वाला है। वह जंगल के रास्तों और एक्सप्रेस ट्रेनों का इस्तेमाल करके भारत में दाखिल हुआ। इसके बाद वह दिल्ली में रह रहा था। दिल्ली में बसने के बाद वह बांग्लादेश वापस चला गया और अपनी पत्नी परीना बेगम और अपने छह बच्चों को साथ ले आया। मूलरूप से गांव केकरहाट, जिला-मदारीपुर, बांग्लादेश बताया। वे अपनी मूल पहचान छिपाकर दक्षिण पश्चिम दिल्ली के रंगपुरी इलाके में रहने लगे। सत्यापन अभियान के दौरान पुलिस कर्मियों को उन पर शक हुआ और आगे की पूछताछ में पता चला कि वे बांग्लादेश से हैं और उन्होंने अपनी बांग्लादेशी पहचान पत्र नष्ट कर दिए थे।

ये डिपोर्ट किए गए

जहांगीर पुत्र समसुल शेख, उसकी पत्नी परिना बेगम, पुत्र जाहिद,अहिद, वाहिद और सिराजुल, बेटी फातिमा, आशिमा।

प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना: 1.27 लाख अवसरों के लिए मिले छह लाख से अधिक आवेदन, चयन प्रक्रिया जारी

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना के तहत 1.27 लाख अवसरों के लिए 6.21 लाख आवेदन प्राप्त हुए। चयन की प्रक्रिया जारी है। योजना की घोषणा 2024 के केंद्रीय बजट में की गई थी, जिसका मकसद अगले पांच वर्षों में शीर्ष-500 कंपनियों में एक करोड़ युवाओं को इंटर्नशिप के अवसर प्रदान करना है। सरकार ने रविवार को यह जानकारी दी।

इंटर्नशिप के लिए सरकार को मिले 6.21 लाख आवेदन

योजना का पालयट प्रोजेक्ट तीन अक्तूबर को शुरू किया गया था। इसका मकसद 2024-25 के दौरान इंटर्नशिप के 1.25 लाख अवसर प्रदान करना है। कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय ने आज एक बयान जारी किया। बयान में कहा गया कि इस योजना के तहत इंटर्नशिप के 1.27 लाख अवसरों के लिए करीब 6.21 लाख आवेदन प्राप्त हुए हैं। इंटर्नशिप के लिए चयन प्रक्रिया जारी है।

लागत ऑडिट से जुड़े ढांचे में किया जाएगा बदलाव

मंत्रालय ने इस साल की विभिन्न पहलों का जिक्र करते हुए कहा कि लागत ऑडिट से जुड़े ढांचे में बदलाव किया जाएगा, जो मंत्रालय द्वारा नियुक्त समिति की सिफारिशों और हितधारकों की टिप्पणी के बाद होगा। वित्तीय वर्ष 2023-24 से मंत्रालय ने कंपनियों को तय समयसीमा के भीतर लागत ऑडिट रिपोर्ट जमा करने के लिए नियमित सलाह जारी की है। मंत्रालय ने कहा, इस पहल के कारण 2023-24 में समय पर लागत ऑडिट रिपोर्ट जमा करने में 14 फीसदी की वृद्धि हुई है, जो पिछले साल के मुकाबले अधिक है।

इंटर्न को प्रति माह दी जाएगी 5,000 रुपये की वित्तीय मदद

बयान के मुताबिक, करीब 4.87 लाख लोगों ने अपनी केवाईसी (अपने ग्राहक को जानें) प्रक्रिया पूरी की है और पोर्टल पर खुद का पंजीकरण कराया है। योजना के तहत इंटर्न करने वाले व्यक्ति को एक साल तक 5,000 रुपये प्रतिमाह की वित्तीय सहायता दी जाएगी। इसके अलावा, एक बार 6,000 रुपये का अनुदान दिया जाएगा।

616 वाहनों का चालान और 4 वाहन सीज

जन एक्सप्रेस । गाजियाबाद

आगामी नववर्ष के दृष्टिगत गाजियाबाद पुलिस द्वारा दिनांक 26 दिसम्बर से दिनांक 02 जनवरी तक 26 स्थानों पर विशेष चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है । जिसके अन्तर्गत दिनांक 29 दिसम्बर को गाजियाबाद पुलिस द्वारा 2797 व्यक्तियों एवं 2000 वाहनों को चेक कर 616 वाहनों के विरुद्ध मोटर वाहन अधिनियम के अंतर्गत चालानी कार्यवाही की गई एवं 4 वाहनों को सीज किया गया । पुलिस की ऐसी कार्यवाही से यातायात नियमों को लेकर नागरिकों में जागरूकता के साथ साथ स्वागत भी किया जा रहा है। नागरिकों ने यह अभियान अन्य क्षेत्रों में बढ़ाने की मांग भी किया है। जिससे अपराधिक घटनाओं पर रोक तो लगे ही शाम होते ही शराब और कबाब की सजने वाली मंडी पर भी नियंत्रण हो सके ।

गाजियाबाद में फिर निकला खेत से शिवलिंग

जन एक्सप्रेस। गाजियाबाद। देश के चल रहे खुदाई अभियान के बाद लगातार दूसरी घटना गाजियाबाद में फिर हुई । जिसमें जनपद के मसूरी थानाक्षेत्र के मुबारकपुर गांव में किसान के खेत में एक शिवलिंग होने की घटना प्रकाश में आई है। क्षेत्रीय जनता इसे दैवीय कृपा मानकर पूजन कार्यक्रम शुरू कर दिया है। जबकि किसान द्वारा जमीन के टुकड़े पर मंदिर हेतु जमीन नि:शुल्क देने की घोषणा कर दिया है। मसूरी थाना क्षेत्र के किसान संजीव कुमार ने खेत में ऐसी घटना होने की सूचना पर क्षेत्र में खलबली मच गई । किसान संजीव ने कहा हैं कि भारी बारिश के कारण उनके खेत की जमीन में गड्ढा हो गया । जिसके बाद खुदाई में यह शिवलिंग उन्हें प्राप्त हुआ । शिवलिंग मिलने की घटना पूरे क्षेत्र में आग की तरह फैल गई और जनता और धार्मिक संगठन के कार्यकताओं की भीड़ इकट्ठी शुरू हो गई । जिसके बाद उसी स्थल पर मंदिर निर्माण की बात शुरू हो गई है।

बिजली विभाग में ओटीएस के नाम पर चालू है खेल, निलंबन बना हथियार

- एक पखवाड़े में एक अधीक्षण अभियंता समेत चार अधिशासी अभियंता निलंबित

जन एक्सप्रेस । गाजियाबाद

राजस्व वसूली के नाम पर पश्चिमांचल सहित अन्य डिस्कॉम में अब अनुशासनात्मक कार्यवाही के नाम पर निलंबन का खेल शुरू हो गया है। दक्षिणांचल और पूर्वांचल डिस्कॉम के पीपीपी मॉडल के नाम पर भले आकार नहीं ले पा रही है। लेकिन उसके परिणामों को दिखाकर अन्य डिस्कॉम में निलंबन का नया खेल शुरू हो गया है। पश्चिमांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड खंड द्वितीय वसुंधरा के अंतर्गत एक हफ्ते पहले ही अन्य खंड से स्थानांतरित होकर आए अवर अभियंता भीम सिंह ओटीएस के चक्कर निलंबित हो गए हैं। गाजियाबाद के शहरी इलाकों की राजस्व वसूली अच्छी होने के कारण ही यहां बिजली आपूर्ति अन्य क्षेत्रों से ज्यादा है। लेकिन सरकारी फरमान और विभागीय खानापूर्ति के चक्कर में अब अधिकारियों और कमर्चारियों के ऊपर निलंबन जैसी कड़ी कार्यवाही का खेल शुरू हो गया है।

अधिकारियों पर गिरी गाज

अधीक्षण अभियंता महेश अहिरवार सहारनपुर सहित देवेंद्र गुप्ता अधिशासी अभियंता नकुड़ सहारनपुर, महेश चंद्र विश्वकर्मा बबराला सहारनपुर, आनंद गौतम गढ़मुक्तेश्वर और अनीश कुमार माथुर शिकाकारपुर बुलंदशहर सहित 22 अवर अभियंताओं को निलंबन की कार्यवाही का शिकार होना पड़ा है। इन सब पर ओटीएस योजना को लेकर लापरवाही का आरोप लगा है।

कार्रवाई से बचने को कागजों पर हो रहा समाधान

ताबड़तोड़ तोड़ निलंबन की कार्यवाही के बाद सूत्रों की माने तो अब खंडों में ओटीएस योजना में कागजी कोरम का खेल शुरू हो गया है। सरकार जहां आंकड़े मांग रही वही अधिकारी आंकड़ों के खेल में अब खेल करके अपने कुर्सी बचाने में लगे हैं। ब्याज माफ़ी के नाम पर कर्मचारियों अधिकारियों के खिलाफ प्रबंधन के सख्त रवैए पर अब प्रश्नचिन्ह खड़ा होने लगा है ।

नवी मुंबई एयरपोर्ट पर व्यावसायिक उड़ान का हुआ परीक्षण, अगले वित्त वर्ष की शुरुआत से होगा चालू

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। मुंबई

नवी मुंबई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा अगले वित्त वर्ष की शुरुआत से चालू हो जाएगा और 17 अप्रैल को इसका उद्घाटन होने की उम्मीद है। ये जानकारी अदाणी समूह के एक वरिष्ठ अधिकारी ने रविवार को साझा किया है। इससे पहले दिन में, निर्माणाधीन नवी मुंबई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के रनवे 26/08 पर इंडिगो ए320 यात्री विमान सफलतापूर्वक उतरा, जिससे वाणिज्यिक परिचालन शुरू करने के लिए हवाई अड्डे का लाइसेंस हासिल करने का रास्ता साफ हो गया।

अप्रैल में हवाई अड्डे के वाणिज्यिक उद्घाटन की उम्मीद

अदाणी एयरपोर्ट होल्डिंग्स लिमिटेड के सीईओ अरुण बंसल ने पहले नागरिक यात्री विमान के सफल परीक्षण के बाद मीडिया से कहा, हमारी कोशिश 17 अप्रैल तक हवाई अड्डे का वाणिज्यिक उद्घाटन करने की है। उन्होंने आगे कहा कि घरेलू परिचालन मई के दूसरे पखवाड़े से शुरू होगा क्योंकि उद्घाटन उड़ान के बाद कुछ प्रक्रियाओं का पालन करना होगा जिसमें लगभग चार सप्ताह का समय लगेगा। अरुण बंसल ने कहा कि जुलाई के अंत तक, हमें अंतरराष्ट्रीय परिचालन शुरू करने की उम्मीद है। नवी मुंबई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे (एनएमआई) ने अपने पहले वाणिज्यिक उड़ान सत्यापन परीक्षण के साथ परिचालन की दिशा में एक और कदम बढ़ाया, जिसने दोपहर 1.32 बजे रनवे 26/08 पर सफलतापूर्वक लैंडिंग की। विमान का एनएमआईए के दो क्रैश फायर टेंडर की तरफ से पारंपरिक जल सलामी के साथ स्वागत किया गया। एक वाणिज्यिक विमान का उतरना एनएमआईए में इंस्ट्रूमेंट अप्रोच प्रक्रियाओं के समकालिक कामकाज को मान्य और स्थापित करता है। इस अभ्यास में तकनीकी मूल्यांकन, लैंडिंग और टेक-ऑफ युद्धाभ्यास शामिल हैं, जो डीजीसीए के लिए उड़ान से एकत्र किए गए डेटा को मान्य करने और एनएमआईए को हवाई अड्डे का लाइसेंस प्राप्त करने का मार्ग प्रशस्त करता है।

नवी मुंबई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के लिए महत्वपूर्ण दिन

अरुण बंसल ने कहा, यह नवी मुंबई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के लिए एक महत्वपूर्ण दिन है। सत्यापन उड़ान का सफल समापन एक प्रमुख मील का पत्थर है, और हम अब हवाई अड्डे को चालू करने के एक कदम और करीब हैं, हर कदम पर सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए।

मनमोहन सिंह के अंतिम संस्कार पर राजनीति की कोशिश निराशाजनक: सरमा

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। गुवाहाटी

पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने स्मारक को लेकर कांग्रेस की ओर से लगाए गए आरोपों पर असम के सीएम हिमंत बिस्व सरमा ने पलटवार किया है। सरमा ने कहा कि कांग्रेस पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के अंतिम संस्कार पर विवाद खड़ा कर रही है। यह बेहद निराशाजनक है। जबकि केंद्र सरकार ने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के स्मारक के लिए जगह आवंटित करने का एलान किया है। असम के सीएम सरमा ने कहा कि यह पहली बार नहीं है कि कांग्रेस ने अपनी विरासत की उपेक्षा की है। पूर्व पीएम नरसिम्हा राव हों या पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी। कांग्रेस ने अपनी ही विरासत के साथ उदासीनता बरती है। सरमा ने एक्स पर पोस्ट में लिखा कि डॉ. मनमोहन सिंह अद्वितीय गरिमा और बुद्धि के धनी राजनेता थे। यह बेहद निराशाजनक है कि कांग्रेस उनके अंतिम संस्कार को लेकर विवाद पैदा करने की कोशिश कर रही है। इससे डॉ. सिंह की अंतिम यात्रा की गरिमा कम हो रही है। सरमा ने कहा कि भारत के लोगों ने राष्ट्र के लिए उनके अमूल्य योगदान को मान्यता देते हुए डॉ. सिंह को सम्मानपूर्वक और हार्दिक विदाई दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पहले ही उनकी विरासत को सम्मानित करने के लिए एक उपयुक्त स्मारक की घोषणा की है, जो राष्ट्र की कृतज्ञता को दर्शाता है। फिर भी कुछ लोग शोक के इस क्षण को राजनीतिक लाभ के अवसर में बदलना चाहते हैं, बहुत दर्दनाक है। सीएम हिमंत बिस्व सरमा ने कहा कि जनता को अभी भी डॉ. सिंह के प्रति उनके कार्यकाल के दौरान किए गए अपमान याद हैं। इसमें राहुल गांधी के इशारे भी शामिल हैं, जिन्होंने उनके कद को कमतर आंका। इस तरह की हरकतें राष्ट्र की यादों में हैं। डॉ. मनमोहन सिंह के निधन के बाद तो कम से कम उनकी विरासत राजनीतिक अवसरवाद से कलंकित नहीं होनी चाहिए। हम उनकी स्मृति को उस गरिमा और सम्मान के साथ सम्मानित करें जिसके वे हकदार हैं।

कहां से शुरू हुआ विवाद

दरअसल, कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर देश के पहले सिख प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के अंतिम संस्कार के लिए उचित और सम्मानजनक स्थान नहीं देने का आरोप लगाया। कांग्रेस की मांग थी कि अंतिम संस्कार ऐसे स्थान पर किया जाना चाहिए था, जहां बाद में उनका स्मारक बनाया जा सके।

राहुल गांधी ने क्या कहा?

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा कि भाजपा और केंद्र की एनडीए सरकार ने मनमोहन सिंह का अंतिम संस्कार निगमबोध घाट पर करवाकर भारत माता के महान सपूत और सिख समुदाय के पहले प्रधानमंत्री का सरासर अपमान किया है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक: अरुण कुमार त्रिपाठी द्वारा ए0वी0बी0 रेप्रोग्राफिक्स, ए-59, इंडस्ट्रियल एस्टेट, ताल कटोरा, लखनऊ से मुद्रित तथा अय्यूब कॉम्प्लेक्स, 82/68, गुरु गोविन्द सिंह मार्ग, लखनऊ पिन-226004, उ0प्र0 से प्रकाशित। संपादक: अरुण कुमार त्रिपाठी, (प्रबंध संपादक- मनोज तिवारी) (राज्य ब्यूरो प्रमुख- संतोष कुमार दीक्षित) आर.एन.आई. पंजीयन संख्या : UPHIN/2009/30003, फोन नं.: 0522-4330955 मोबाइल नं. 8933805555, (नोट: सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ स्थित न्यायालय होगा।)